जबलपुर गुरुवार 30 जुलाई 2026 > शक संवत 1948, श्रावण मास कृष्ण पक्ष प्रतिपदा

वर्ष 32 अंक 35 मूल्य ₹ 3.00 > पेज 12 > आर.एन.आई. पंजीयन नम्बर 64561/96

www.swatantramat.com

स्वतंत्र मत

अब हर रोज दर्पण ▸▸ 3

मौसम

अधिकतम तापमान 33.4°C

न्यूनतम तापमान 24.9°C

सूर्योदय - 5.40 | सूर्यास्त - 6.53

स्वतंत्र मत में विज्ञापन देने के लिए 9589920250 पर कॉल करें * स्वतंत्र मत का अंक प्राप्त करने के लिए 9301359695 पर कॉल करें।

अनियमितता के चलते बीईओ पाली सरिता जैन ... ▸▸ 4

67वर्ष के हुए संजय दत्त ▸▸ 7

विद्यार्थी नियमित स्कूल आएं, शिक्षण बने रोचक... ▸▸ 8

किसान प्रतिनिधियों की मंत्रिमंडलीय समिति के साथ हुई सार्थक चर्चा

भोपाल

राजधानी भोपाल में ग्रीष्मकालीन मूंग की शत-प्रतिशत समर्थन मूल्य पर खरीदी, खाद वितरण में लागू ई-टोकन व्यवस्था समाप्त करने तथा अन्य कृषि संबंधी मांगों को लेकर किसानों का आंदोलन बुधवार को तीसरे दिन और अधिक उग्र हो गया। मुख्यमंत्री निवास की ओर कूच कर रहे किसानों को रोकने के लिए पुलिस ने बसों की चार परतों में बैरिकेडिंग की थी। शुरुआत में किसान बैरिकेड पर चढ़ गए, जिन्हें पुलिस ने समझाइश देकर नीचे उतारा। लेकिन शाम करीब चार बजे आंदोलन ने उग्र रूप ले लिया। किसानों ने दोबारा आगे बढ़ने का प्रयास किया और बैरिकेडिंग तोड़ते हुए मुख्यमंत्री निवास की ओर बढ़ गए। प्रदर्शनकारी रानी कमलापति रेलवे स्टेशन क्षेत्र से प्रगति पेट्रोल पंप तक पहुंच गए, जिसके बाद पूरे इलाके में सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी कर दी गई। बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात कर स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है।

आंदोलनकारी किसानों का कहना है कि वे पिछले तीन दिनों से शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे हैं, लेकिन सरकार की ओर से उनकी मांगों पर कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया। उनका आरोप है कि सरकार केवल आश्वासन दे रही है, जबकि किसानों की समस्याओं का समाधान नहीं हो रहा। किसानों की प्रमुख मांगों में मूंग की शत-प्रतिशत खरीदी, खाद वितरण में ई-टोकन व्यवस्था समाप्त करना और कृषि क्षेत्र से जुड़े अन्य मुद्दों का शीघ्र समाधान शामिल है। आंदोलन का असर राजधानी की यातायात व्यवस्था पर भी व्यापक रूप से देखने को मिला। नर्मदापुरम-भोपाल हाईवे पर धरना और

महाजाम से जनजीवन प्रभावित

पुलिस बैरिकेडिंग के कारण मुख्य मार्ग बंद हो गया, जिससे वाहनों का दबाव वैकल्पिक मार्गों पर बढ़ गया। मिसरोद, नर्मदापुरम रोड और आसपास के क्षेत्रों में कई किलोमीटर लंबा जाम लग गया। ट्रैफिक जाम में एम्बुलेंस तक फंस गईं, जिन्हें प्रशासन ने वैकल्पिक मार्गों से निकाला। बढ़ती भीड़ को देखते हुए पुलिस ने ट्रैफि क एडवाइजरी जारी कर लोगों से वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करने की अपील की।

राज्य सरकार किसानों के सकारात्मक सुझावों के साथ है : डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राज्य सरकार कृषक कल्याण वर्ष में सभी अन्नदाता बंधुओं के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। प्रदेश के किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री एदल सिंह कंषाना ने कल भी किसानों से बातचीत की थी। किसानों से जुड़े विषयों को लेकर मंत्रियों की एक समिति गठित की गई है, जो किसान भाइयों से संवाद करेगी। समिति के सदस्य कृषि मंत्री श्री कंषाना, लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह, सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग और पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री कृष्णा गौर किसानों से संवाद करेंगे। राज्य सरकार सदैव किसानों के सकारात्मक सुझावों के साथ है। हम संवाद के माध्यम से सभी समस्याओं का हल निकालने का प्रयास कर रहे हैं। हम किसानों और आम नागरिकों की बेहतरी के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएंगे। जनता को कष्ट न हो इसकी चिंता सभी को करना चाहिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में मीडिया से चर्चा में यह बात कही।

गटर जनरेशन बयान पर घिरीं कंगना रनौत

नई दिल्ली। भाजपा सांसद और अभिनेत्री कंगना रनौत

अपने गटर जनरेशन बयान को लेकर विवादों में घिर गई हैं। सोशल मीडिया पर तीखी आलोचना के बाद उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो जारी कर अपनी सफाई दी। कंगना ने कहा कि उनका बयान पूरी जेन-जी के लिए नहीं था, बल्कि उन प्रदर्शनकारी युवाओं के लिए था जो नेताओं के खिलाफ अभद्र और अश्लील भाषा का इस्तेमाल कर रहे थे। उन्होंने कहा कि किसी भी समाज में अशोभनीय भाषा और अपमानजनक व्यवहार को सामान्य नहीं माना जा सकता। वीडियो के साथ उन्होंने लिखा कि वह प्रधानमंत्री से प्रेरित होकर अपनी बात रख रही हैं और लोगों से इस पर अपनी राय देने का आग्रह किया। कंगना ने कहा कि वह नहीं चाहतीं कि बच्चों के सामने अश्लील भाषा को सामान्य बनाया जाए और ऐसे व्यवहार को स्वीकार नहीं किया जाना चाहिए।

तीसरी शादी के बाद आमिर खान को मिली धमकी

नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्टर आमिर खान को अपनी तीसरी शादी के चलते एक ऑडियो मैसेज और फेसबुक पोस्ट के जरिए धमकाया गया है। वायरल ऑडियो में खुद को आरजू बिश्नोई बताने वाले शख्स ने आमिर खान पर 'लव जिहाद' को बढ़ावा देने का आरोप मढ़ा। शख्स ने उन पर देश की संस्कृति व सनातन धर्म के खिलाफ काम करने का आरोप लगाया। पुलिस को जांच से पता चला कि धमकी भेजने वाले का आईपी एड्रेस स्वीडन का है। पुलिस की साइबर टीम मैसेज भेजने वाले का पता लगाने और आईपी एड्रेस को ट्रैक करने में जुटी है।

पेपर लीक पर अब सख्त शिकंजा

लोकसभा में एंटी पेपर लीक बिल पास

नई दिल्ली

प्रतियोगी परीक्षाओं में लगातार सामने आ रहे पेपर लीक और परीक्षा में अनुचित साधनों के मामलों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से केंद्र सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। लोकसभा ने बुधवार को लोक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026 को ध्वनि मत से पारित कर दिया। संशोधित कानून के तहत पेपर लीक और परीक्षा में गड़बड़ी करने वालों के लिए 10 वर्ष तक के कठोर कारावास और 10 करोड़ रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान किया गया है। वहीं, राज्यसभा ने वंदे मातरम् के अपमान को दंडनीय अपराध बनाने वाला संशोधित विधेयक भी पारित कर दिया।

राज्यसभा में वंदे मातरम् से जुड़ा विधेयक भी पारित

राज्यसभा ने वंदे मातरम् के अपमान को दंडनीय अपराध बनाने वाला संशोधित विधेयक भी पारित कर दिया। इस कानून का मकसद राष्ट्रगान जन गण मन की तरह वंदे मातरम को भी कानूनी सुरक्षा देना है।

पेपर लीक पर कड़े प्रावधान

लोकसभा में इस विधेयक पर मंगलवार को लगभग नौ घंटे तक विस्तृत चर्चा हुई। बुधवार को विपक्ष के हंगामे के बीच इसे ध्वनि मत से पारित कर दिया गया। सरकार का कहना है कि नया कानून परीक्षा प्रणाली को अधिक सुरक्षित, पारदर्शी और निष्पक्ष बनाएगा तथा संगठित तरीके से होने वाले पेपर लीक पर प्रभावी रोक लगाने में मदद करेगा।

2024 के कानून में किए संशोधन

संशोधन विधेयक के माध्यम से वर्ष 2024 में लागू कानून को और अधिक कठोर बनाया गया है। नए प्रावधानों के तहत पेपर लीक कराने वाले गिरोह, परीक्षा में अनुचित साधनों का उपयोग करने वाले व्यक्तियों और अन्य दोषियों के खिलाफपहले से अधिक सख्त कार्रवाई की जाएगी।

अब राज्यसभा की मंजूरी का इंतजार

लोकसभा से पारित होने के बाद अब यह विधेयक राज्यसभा में पेश किया जाएगा। यदि राज्यसभा भी इसे मंजूरी देती है और राष्ट्रपति की स्वीकृति मिल जाती है, तो नया कानून पूरे देश में लागू हो जाएगा।

एंटी पेपर लीक बिल 2026 में प्रावधान

1 कड़ी सजा- पेपर लीक या गंभीर परीक्षा धोखाधड़ी पर 5 से 10 वर्ष तक की जेल और 50 लाख रुपये तक जुर्माना।

2 संगठित गिरोहों पर सख्ती- संगठित तरीके से पेपर लीक करने वाले नेटवर्क के लिए कम से कम 7 वर्ष की जेल और 10 करोड़ रुपये तक जुर्माने का प्रस्ताव।

3 फास्ट ट्रैक कोर्ट- सभी राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों में विशेष फास्ट ट्रैक अदालतें बनाने का प्रावधान, जहाँ मामलों की दैनिक सुनवाई हो और चार्जशीट के 3 महीने के भीतर ट्रायल पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

4 समयबद्ध जांच- जांच 60 दिनों (लगभग 2 महीने) में पूरी करने का लक्ष्य।

5 नई परीक्षा सुरक्षा व्यवस्था- बायोमेट्रिक सत्यापन, परीक्षा केंद्रों का प्री-ऑडिट, प्रश्नपत्र सुरक्षा, डिजिटल निगरानी और अन्य सुरक्षा मानकों को मजबूत करने का प्रस्ताव.

लोकसभा में राहुल के भाषण पर हंगामा

पेपर लीक रोकने से जुड़े संशोधन विधेयक पर चर्चा के दौरान लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के 50 मिनट के भाषण पर जोरदार हंगामा हुआ। उनके कुछ बयानों पर सत्ता पक्ष ने कड़ी आपत्ति जताई। किरेन रिजिजू ने कई बार हस्तक्षेप कर माफी की मांग की, जबकि ओम बिरला ने असंसदीय शब्दों को कार्यवाही से हटाने के निर्देश दिए। छात्रों से बातचीत का हवाला देते हुए इडियट और अंधभक्त शब्दों का प्रयोग किया, जिस पर विवाद हुआ। दिल्ली में छात्र प्रदर्शन के दौरान गृह मंत्री पर गोली और पैलेट गन चलाने की अनुमति देने का आरोप लगाया। पेपर लीक को शिक्षा व्यवस्था की विफलता बताते हुए शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान पर निशाना साधा। लगातार पेपर लीक से युवाओं का भविष्य खतरे में होने और सरकार की जवाबदेही तय करने की मांग की।

गुरु पूर्णिमा पर उज्जैन को 587 करोड़ की सौगात

मेधावी छात्रों को मिलेगी 1 लाख रू छात्रवृत्ति

उज्जैन

गुरु पूर्णिमा के अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उज्जैन को 587 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं की सौगात दी। उन्होंने विभिन्न देवस्थानों के निर्माण एवं जीर्णोद्धार कार्यों का भूमिपूजन किया तथा 34 करोड़ रुपये की लागत से बने अत्याधुनिक गीता भवन का लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री ने सांदीपनि आश्रम पहुंचकर गुरु सांदीपनि, भगवान श्रीकृष्ण, बलराम और सुदामा का विधि-विधान से पूजन कर प्रदेशवासियों को गुरु पूर्णिमा की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण भगवान श्रीकृष्ण मेधावी छात्रवृत्ति योजना का शुभारंभ रहा। इस योजना के तहत प्रदेश के 102 मेधावी विद्यार्थियों (51 विद्यालयीन एवं 51 महाविद्यालय, विश्वविद्यालय स्तर) का चयन किया जाएगा। प्रत्येक चयनित विद्यार्थी को 1 लाख रूपए की प्रोत्साहन छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी। प्रतियोगिता भारतीय ज्ञान परंपरा, महर्षि सांदीपनि, भगवान श्रीकृष्ण की 14 विद्याओं और 64 कलाओं पर आधारित होगी। मुख्यमंत्री ने अपनी पुस्तक भारतीय गुरु परंपरा के शिल्पी महर्षि सांदीपनि का भी लोकार्पण किया। इसके अलावा देवास रोड स्थित 5.1 हेक्टेयर क्षेत्र में निर्मित अत्याधुनिक गीता भवन तथा माधव साइंस कॉलेज परिसर में लगभग 5.5 करोड़ रुपये की लागत से बने नवीन बहुउद्देशीय संकुल भवन का भी उद्घाटन किया। सरकार का उद्देश्य भारतीय ज्ञान परंपरा, गुरु-शिष्य संस्कृति और शिक्षा को नई पीढ़ी से जोड़ना है।

कुंभ की वायरल गर्ल को एमपी पुलिस को न सौंपें, केरल हाईकोर्ट का निर्देश

कोच्चि

केरल हाईकोर्ट ने राज्य सरकार और पुलिस को निर्देश दिया है कि प्रयागराज कुंभ मेले के दौरान चर्चा में आई युवती को अदालत की अनुमति के बिना मध्य प्रदेश पुलिस या किसी अन्य एजेंसी को न सौंपा जाए। अदालत ने कहा कि जब तक युवती की सुरक्षा संबंधी याचिका पर अंतिम निर्णय नहीं हो जाता, उसे उसकी इच्छा के विरुद्ध कहीं नहीं ले जाया जा सकता। अदालत ने कहा कि नेशनल कमीशन फॉर शेड्यूल्ड ट्राइब्स के पास ऐसा आदेश जारी करने का अधिकार नहीं है, जो किसी व्यक्ति के जीवन और स्वतंत्रता के अधिकार को प्रभावित करे। कोर्ट ने माना कि युवती द्वारा अपनी जान को खतरा बताए जाने का दावा प्रथम दृष्टया गंभीर प्रतीत होता है। मामले की अगली सुनवाई 4 अगस्त को होगी। यह मामला उस शिकायत से जुड़ा है, जिसमें युवती के पिता ने उसे नाबालिग बताते हुए मध्य प्रदेश में अपहरण का मामला दर्ज कराया है। वहीं, युवती ने अपनी सुरक्षा को लेकर हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है।

जम्मू में 8 स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी के बाद सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट

जम्मू

जम्मू कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश के जिला जम्मू के केंद्रीय विद्यालय और आर्मी पब्लिक स्कूल सहित 8 स्कूलों को बम से उड़ा देने की धमकी के ईमेल मिलने के बाद सिक्योरिटी एजेंसीज काफी ज्यादा हाई अलर्ट पर है। जम्मू कश्मीर में अमरनाथ यात्रा भी चल रही है और 15 अगस्त भी अब नजदीक आने वाली है तो उसके बाद कोई भी ऐसी वारदात न हो, इसलिए जम्मू-कश्मीर पुलिस जम्मू के कोने-कोने में नाके लगाकर वाहनों की चेकिंग कर रही है। तरह नवाबाद थाने के अधीन आते डोगरा चौक में भी जम्मू कश्मीर पुलिस नाका लगाकर हर गाड़ी की बारीकी से जांच पड़ताल कर रही है और दस्तावेज चेक कर रही है और आने - जाने वाले हर व्यक्ति पर नजर रखी जा रही है।

राहुल ने संसद में झूठ बोला, नहीं चलायी गयी थी विद्यार्थियों पर गोली : संबित पात्रा

नयी दिल्ली (वार्ता)

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर पेपर लीक मामले को लेकर हुए प्रदर्शन के मुद्दे पर संसद में झूठ बोलने, देशवासियों को भ्रमित करने का आरोप लगाते हुए विद्यार्थियों पर गोली चलाए जाने के उनके दावे का खंडन किया है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने बुधवार को पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में श्री गांधी पर राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा के मुद्दे पर देश को भ्रमित करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि पेपर

लीक मामले को रोकने को लेकर लाये गये विधेयक पर चर्चा में श्री गांधी ने भी भाग लिया। इस दौरान उन्होंने अपने झूठ से देश को भ्रमित करने की कोशिश की, सदन में हंगामा करने का प्रयास किया और अमर्यादित शब्दों का इस्तेमाल किया।

कोयला घोटाला में पूर्व पीएम मनमोहन सिंह पर केस बंद

नयी दिल्ली (वार्ता)। उच्चतम न्यायालय ने कोयला ब्लॉक आवंटन मामले में पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के खिलाफ आपराधिक मामला बंद कर दिया है और उन्हें बरी किए जाने संबंधी सीबीआई की 2014 में दाखिल की गई दो क्लोजर रिपोर्ट से सहमति जताई है। यह मामला ओडिशा में हिंडाल्को को तलाबीरा-2 ब्लाक आबंटन से जुड़ा है। मुख्य न्यायाधीश सूर्य कांत, न्यायाधीश जॉयमाल्य बागची और न्यायाधीश वी. मोहन की पीठ ने बुधवार को उन्हें बरी करने की जांच एजेंसी की सिफ़ारिश को मानते हुए उस अपील को मंज़ूरी दे दी, जिसमें उन्होंने(श्री सिंह ने) सीबीआई की विशेष अदालत की ओर से 2015 में उन्हें समन करने के आदेश को चुनौती दी थी। अपील को अनुमति देते हुए पीठ ने कहा कि विशेष अदालत के न्यायाधीश के पास सीबीआई द्वारा दायर क्लोज़र रिपोर्ट को खारिज करने और मामले का संज्ञान लेने के लिए कोई ठोस कारण नहीं थे। न्यायालय ने निचली अदालत के आदेशों को रद्द करते हुए जांच एजेंसी द्वारा दायर क्लोज़र रिपोर्ट को स्वीकार कर लिया और मामले को वरियता के आधार पर बंद कर दिया।वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने पहले इस मामले में श्री सिंह का पक्ष रखा था। उन्होंने कहा कि अब इस कार्यवाही को इस स्पष्टीकरण के साथ समाप्त किया जा सकता है कि पूर्व प्रधानमंत्री के खिलाफ़ की गयीं टिप्पणियों को हटा दिया गया है। उन्होंने कहा, मैं नहीं चाहता कि ये टिप्पणियां बनी रहें। वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी भी पूर्व प्रधानमंत्री की ओर से पेश हुए। श्री सिंह को बरी किये जाने का सीबीआई का फ़ैसला उनके निधन (26 दिसंबर, 2024) के डेढ़ साल से ज़्यादा समय बाद आया।

उत्तराखंड में भारी बारिश, चार धाम यात्रा रुकी

छत्तीसगढ़ में बिजली गिरने से 5 की मौत, राजस्थान के 22 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली

देशभर में तेज बारिश का दौर जारी है। उत्तराखंड में भारी बारिश और लैंडस्लाइड के बाद चार धाम यात्रा 2 दिन के लिए रोक दी गई है। चंपावत, बागेश्वर और टिहरी में 12वीं तक के स्कूल-आंगनवाड़ी में छुट्टी कर दी गई है। राजस्थान के धौलपुर में तेज बारिश से बाजारों में पानी भर गया। वहीं, राज्य के 22 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है।गुजरात में भारी बारिश और बाढ़ से टाटा मोटर्स के साणंद प्लांट और आसपास मौजूद कई सप्लायर की यूनिट बंद करानी पड़ीं। छत्तीसगढ़ में बिजली गिरने की तीन घटनाओं में 5 लोगों की मौत हो गई, जबकि 11 लोग घायल हुए हैं। राज्य में अगले दो दिन भारी बारिश की चेतावनी है। देश के ऊपर दो सिस्टम मौजूद हैं। बंगाल की खाड़ी में बना कम दबाव का क्षेत्र ओडिशा, झारखंड और छत्तीसगढ़ होते हुए आगे बढ़ रहा है। मौसम विभाग ने 4-5 दिनों में उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत में सामान्य से ज्यादा और पूर्वी भारत में भारी बारिश की चेतावनी दी है।

उत्तराखंड के मसूरी में भारी बारिश से बिल्डिंग ढही

उत्तराखंड के मसूरी के स्प्रिंग रोड इलाके में भारी बारिश के बाद एक घर पर दो पेड़ और दीवार का हिस्सा गिर गया। इससे घर की छत टूट गई और मलबा घर के अंदर पहुंच गया। घटना में किसी के घायल होने की खबर नहीं है।

असम बाढ़: मृतकों की संख्या 75 पहुंची

असम में बाढ़ की स्थिति गंभीर बनी हुई है। राज्य में इस साल बाढ़ से मरने वालों की संख्या 75 पहुंच गई है। बुधवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा से फोन पर बात कर बाढ़ की स्थिति और राहत-बचाव कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने केंद्र की ओर से राहत, पुनर्वास और पुनर्निर्माण के लिए हरसंभव सहायता जारी रखने का भरोसा दिया। अमित शाह ने एक सप्ताह के भीतर दूसरी बार मुख्यमंत्री से बाढ़ की स्थिति पर बात की है। इससे पहले 23 जुलाई को भी उन्होंने सरमा से बातचीत कर हालात की समीक्षा की थी। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा की पत्नी और फिल्म निर्माता रिंकी भुइयां सरमा ने बाढ़ से क्षतिग्रस्त 50 स्कूलों के पुनर्निर्माण और बहाली के लिए एक करोड़ रुपये देने की घोषणा की है।

गुरु केवल ज्ञान के प्रदाता नहीं, बल्कि जीवन के पथ-प्रदर्शक एवं चरित्र निर्माण के हैं आधार

गुरु पूर्णिमा के अवसर पर शहर भर में आयोजित हुए विविध कार्यक्रम

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। गुरू के प्रति आस्था और श्रद्धा का महापर्व गुरू पूर्णिमा बुधवार 29 जुलाई को पूरी श्रद्धा और आस्था के साथ मनाया गया। गुरू पूर्णिमा के अवसर पर गुरू वंदना, व्यास पूजन, भोजन भंडारे के आयोजन किये गये। गुरू पूर्णिमा के दिन गुरू दर्शन और उपासना पूजन का विशेष महत्व है। अनादिकाल से गुरू शिष्य परंपरा चली आ रही है। आज भी गुरू पूर्णिमा पर यह परम्परा कायम है। बगलामुखी सिद्ध पीठ शंकराचार्य मठ, सिविक सेंटर में गुरु पूर्णिमा पर्व धूमधाम से मनाया गया। सर्वप्रथम माँ बगलामुखी का श्रृंगार एवं भगवान शिव का अभिषेक किया गया। दोपहर 11 बजे ब्रह्मचारी सुबोध्दा नंद, चैतन्यानंद आचार्य राजेन्द्र शास्त्री ब्रम्हचारी चैतन्यानंद के सानिध्य में जगदगुरु शंकराचार्य, द्विपीठाधिश्वर स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती महाराज का समस्त गुरु भाई ने मिलकर पादुका पूजन किया। इस अवसर पर भारत सिंह यादव, पूर्व विधायक विनय सक्सेना, श्रीमति नीता पटेल, ब्रजेश दुबे, गोविंद साहू, मनोज सेन आदि उपस्थित थे।

भक्तिभाव से मनाया गया गुरु पूर्णिमा पर्व

गुरु पूर्णिमा के पवित्र पर्व के अवसर पर क्षेत्र में श्रद्धा और भक्ति का माहौल देखा गया। इस पावन अवसर पर समाचार पत्र एजेंट राकेश सुहाने ने अपनी धर्मपत्नी माधुरी सुहाने के साथ पूज्य पंडित सुरेंद्र दुबे जी (मुन्ना महाराज) के सुपुत्र आचार्य सचिन महाराज जी से मुलाकात कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। राकेश सुहाने एवं माधुरी सुहाने ने आचार्य सचिन महाराज जी के चरणों में नमन कर पुष्पहार अर्पित किए और सुख-समृद्धि एवं उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। इस दौरान आचार्य सचिन महाराज जी ने उन्हें आशीर्वाद देते हुए गुरु की महत्ता और जीवन में धर्म-संस्कृति के पालन का संदेश दिया। इस अवसर पर स्थानीय नागरिक एवं श्रद्धालुजन भी उपस्थित रहे और सभी ने भक्तिभाव के साथ गुरु पूर्णिमा का पर्व मनाया।

गुरु पूर्णिमा एवं महर्षि सांदीपनि गुरु पर्व पर विशेष कार्यक्रम आयोजित

भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ एवं स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन योजना के संयुक्त तत्वाधान में प्रधानमंत्री कॉलेज आफ एक्सीलेंस, शासकीय महाकोशल स्वशासी अग्रणी महाविद्यालय में गुरु पूर्णिमा एवं महर्षि सांदीपनि गुरु पर्व के अवसर पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती की प्रतिमा के सम्मुख दीप-प्रज्वन एवं मंत्रोच्चार के साथ हुआ। सरस्वती पूजन के पश्चात् मंचस्थ वरिष्ठ गुरुजनों एवं अतिथियों का तिलकवंदन, पुष्प गुच्छ, श्रीफल तथा अंग-वस्त्र द्वारा स्वागत किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में महाविद्यालय के पूर्व छात्र पड़ित अभिनेश कटेहा ने महाविद्यालय के गुरुजनों के प्रति अपना आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इन्हीं गुरुओं के मार्गदर्शन में मेरा जीवन सार्थक हुआ। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि हम केवल 'जेन जी' न बन कर 'जेन वी' अर्थात् जेनरेशन विवेकानंद बने। गुरु केवल ज्ञान के प्रदाता नहीं, बल्कि जीवन के पथ-प्रदर्शक एवं चरित्र निर्माण के आधार हैं।

उन्होंने महर्षि सांदीपनि के आदर्शों का स्मरण करते हुए बताया कि उनके आश्रम में भगवान श्रीकृष्ण, बलराम एवं सुदामा ने शिक्षा ग्रहण कर गुरु-शिष्य परंपरा का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया। गुरु पूर्णिमा हमें अपने गुरुजनों के प्रति श्रद्धा, कृतज्ञता एवं समर्पण व्यक्त करने का अवसर प्रदान करती है। साथ ही यह पर्व ज्ञान, संस्कार, अनुशासन, सेवा एवं नैतिक मूल्यों को जीवन में आत्मसात करने की प्रेरणा देता है।

शासकीय श्रमोदय आवासीय विद्यालय में मनाया गुरु पूर्णिमा महोत्सव

गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर श्रमोदय आवासीय विद्यालय, मंगेली में मध्य प्रदेश शासन के आदेश अंतर्गत महर्षि संदीपनी श्रद्धा पर्व एवं भारत विकास परिसर जबलपुर शाखा के संयुक्त तत्वाधान में गुरु वंदन -छात्र अभिनंदन कार्यक्रम अत्यंत श्रद्धा, उत्साह एवं गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य भारतीय गुरु-शिष्य परंपरा के गौरवशाली आदर्शों का स्मरण करते हुए गुरुजनों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करना तथा विद्यार्थियों में संस्कार, अनुशासन एवं सम्मान की भावना का विकास करना था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि इंजिनियर सुनील कोठारी, विशिष्ठ अतिथि शरद अग्रवाल, कार्यक्रम के अध्यक्ष इंजिनियर रामकृष्ण चौकसे, डॉ रिशा पाण्डेय, श्रीमती मोली जैन, डॉ निलेश चन्द्र पाण्डेय, भारत विकास परिषद के अन्य पदाधिकारी, साहिर शेख(प्राचार्य श्र.आ.वि. जबलपुर) एवं विद्यालय स्टाफ उपस्थित रहे। कार्यक्रम का

शुभारंभ दीप प्रज्वलन, सरस्वती वंदना के साथ हुआ। इसके पश्चात् अतिथि परिचय निलेश पाण्डेय द्वारा और विद्यालय के प्राचार्य साहिर शेख द्वारा विद्यालय परिचय दिया गया। महर्षि सांदीपनि श्रद्धा पर्व के अंतर्गत विद्यार्थियों द्वारा गुरु महिमा पर आधारित सांस्कृतिक प्रस्तुति प्रस्तुत की गईं। इन प्रस्तुतियों ने भारतीय परंपरा में गुरु के सर्वोच्च स्थान को प्रभावशाली ढंग से अभिव्यक्त किया। इस अवसर पर भारत विकास परिषद् जबलपुर द्वारा उत्कृष्ठ परीक्षा परिणाम एवं अन्य विधाओं उत्कृष्ठ कार्य हेतु विद्यालय के शिक्षकों सम्मान किया तथा मेधावी एवं विभिन्न शैक्षणिक, खेलकूद तथा सह-शैक्षणिक गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को भी सम्मानित किया गया। विद्यालय परिसर गुरु भक्ति एवं श्रद्धा के भाव से आलोकित हो उठा। मुख्य अतिथि सुनील कोठारी ने अपने उद्बोधन में कहा कि भारतीय संस्कृति में गुरु को ईश्वर से भी श्रेष्ठ स्थान दिया गया है।

हरे कृष्णा आश्रम में मनाया गुरु पूर्णिमा पर्व

हरे कृष्णा आश्रम भेड़ाघाट से निकाली जाने वाली नर्मदा पंचकोशी परिक्रमा चतुरमास विश्राम की बेला में 4 माह के लिए चातुर्मास विश्राम होता है। आज हरे कृष्णा आश्रम भेड़ाघाट के संस्थापक स्वामी रामचंद दास जी महाराज का गुरु पूर्णिमा उत्सव मनाया गया। संकीर्तचार्य सुरेश विश्वकर्मा के सानिध्य में आसाढ पूर्णिमा पर नर्मदा स्वर्ण कलश की भगवान राधा कृष्णा लड्डू गोपाल तुलसी मैया की एक साथ 108 परिक्रमा संकीर्तन करते हुए की गई। सभी भक्तों ने नशा मुक्ति का संकल्प लिया एवं नर्मदा स्वच्छ रहे इसकी कामना की। इस अवसर पर नर्मदा महाआरती के संस्थापक एवं परिक्रमा अध्यक्ष डॉ सुधीर अग्रवाल, परिक्रमा संरक्षक श्रीमती सुषमा शंकर पटेल, सह संकीर्तनचार्य श्याम मनोहर पटेल, विनोद दीवान, मनोज गुलाबबानी, दुर्गा पटेल, शिव कुमार पटेल, कैलाश विश्वकर्मा आदि उपस्थित थे।

श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई गुरु पूर्णिमा

बीएमडी हितकारिणी चिल्ड्रन्स एकेडमी दीक्षितपुरा में आयोजन

बाबू मनमोहनदास हितकारिणी चिल्ड्रन्स अकादमी, दीक्षितपुरा में गुरु पूर्णिमा का पर्व श्रद्धा, सम्मान एवं उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय में छात्र छात्राओं के लिए विभिन्न रचनात्मक गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों ने पूरे उत्साह के साथ सहभागिता कर गुरु-शिष्य परंपरा के प्रति अपनी आस्था और सम्मान व्यक्त किया।

हैंडप्रिंट एक्टिविटी के माध्यम से दिया संदेश

कार्यक्रम के अंतर्गत नर्सरी के नन्हे विद्यार्थियों ने हैंडप्रिंट एक्टिविटी के माध्यम से अपने गुरुओं के प्रति प्रेम और कृतज्ञता प्रकट की। बच्चों ने रंग-बिरंगे पोस्टर, आकर्षक चित्र एवं सुंदर कलाकृतियाँ बनाकर अपनी सृजनात्मक प्रतिभा का परिचय दिया। छात्रों ने नाटक प्रस्तुतिकरण कर शिक्षकों के प्रति सम्मान व्यक्त किया। विद्यालय का वातावरण बच्चों की मनमोहक प्रस्तुतियों और उत्साह से सराबोर रहा। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय की शिक्षिकाओं सबीया परवीन, अंजली शर्मा एवं निधि पहाड़िया के मार्गदर्शन में किया गया। उन्होंने विद्यार्थियों को सरल एवं प्रेरणादायक शब्दों में गुरु के महत्व, उनके सम्मान तथा जीवन निर्माण में गुरु की अमूल्य भूमिका से अवगत कराया। बच्चों ने भी अपने शिक्षकों को गुरु पूर्णिमा की शुभकामनाएँ देते हुए उनका सम्मान किया और आभार व्यक्त किया।

घोड़ा अस्पताल वाले बाबा साहब के उर्स में अकीदतमंदों ने फूल किए पेश

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

हजरत सैय्यद अली हसन अशरफी, घोड़ा अस्पताल वाले बाबा साहब के उर्स मुबारक मे बुधवार को अकीदतमंदों की भारी भीड़ नजर आई। सुबह से ही छोटी ओमती स्थित दरगाह में अकीदतमंद की हाजरी का सिलसिला शुरु हो गया था, यहां सभी धर्म के लोगों ने दरगाह शरीफ पर पहुंचकर नजरों न्याज पेश कर रहे है। उर्स मुबारक के दूसरे दिन दरगाह परिसर में कुरान ख्वानी का एहतेमाम किया गया है। रात्रि पीरे तरीकत सफी मोहसिन मियां की सरपरस्ती में नातिया मुशायरा आयोजित किया गया। इस मौके पर सैय्यद आजाद अली, मुईन खान, दरगाह अब्दुल रशीद, मौलाना सूफी रजा चिस्ती कादरी, जावेद चिस्ती, उबेद मोहसिन, बादशाह खान, सूफी मुशाहिद, मोहम्मद शरीफ सहित बड़ी संख्या में अकीदतमंद मौजूद रहे।

उर्स मुबारक के मौके पर 30 जुलाई जुमेरात को बाद नमाज जुहर दोपहर 3 बजे संदल जुलूस मरहूम मुन्ने अली के निवास छोटी ओमती से निकाला जाएगा।जो विभिन्न मार्गों से गश्त करते हुए दरगाह शरीफ पहुंचेगा जहां परंपरानुसार मगरिब की नमा? बाद मजार शरीफ पर चादर पोशी गुल पोशी की जाएगी।

सांसद आशीष दुबे ने रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव से की भेंट

जबलपुर-गोंदिया दोहरीकरण में तेजी और पौड़ी गेट पुनः खोलने की मांग

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

जबलपुर संसदीय क्षेत्र के सांसद आशीष दुबे ने नई दिल्ली में केंद्रीय रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात कर महाकौशल क्षेत्र की प्रमुख रेल समस्याओं और विकास कार्यों पर चर्चा की।

बैठक में सांसद दुबे ने हाल ही में स्वीकृत जबलपुर-गोंदिया ब्रॉडगेज रेलमार्ग के दोहरीकरण कार्य को गति देने तथा भिटौनी रेलवे स्टेशन स्थित बंद पड़े लेवल क्रॉसिंग पौड़ी गेट को स्थानीय जनता की सुविधा के लिए पुनः खोलने का आग्रह किया। सांसद दुबे ने रेलमंत्री को बताया कि गोंदिया रेल लाइन यहां के व्यापार, स्वास्थ्य एवं शिक्षा सेवाओं की रीढ़

है। भिटौनी के पौड़ी गेट बंद होने से स्थानीय किसानों, स्कूली बच्चों व नागरिकों को हो रही परेशानियों से अवगत कराते हुए इसे तुरंत चालू कराने की मांग रखी। रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने संबंधित अधिकारियों को त्वरित परीक्षण कर कार्रवाई के निर्देश देने का आश्वासन दिया उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में कैबिनेट ने 231 किलोमीटर लंबी जबलपुर-गोंदिया रेल लाइन के दोहरीकरण के लिए 5,236 करोड़ की मंजूरी दी है। यह परियोजना महाकौशल के जबलपुर, मंडला, सिवनी और बालाघाट जिलों को महाराष्ट्र के गोंदिया से जोड़कर व्यापक विकासात्मक लाभ पहुंचाएगी। 2003 में छोटी लाइन से शुरू हुआ यह मार्ग 2021 में ब्रॉडगेज के रूप में राष्ट्र को समर्पित किया गया था, और अब दोहरीकरण से इसकी क्षमता कई गुना बढ़ जाएगी।

सांसद आशीष दुबे ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व और रेलमंत्री वैष्णव के मार्गदर्शन में भारतीय रेल विकास के नए आयाम छू रही है, जिसका सीधा लाभ महाकौशल क्षेत्र की जनता को मिल रहा है।

डिस्पोजल गिलास को लेकर हुए विवाद पर युवक पर चाकू से जानलेवा हमला

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। बरेला की गौर पुलिस चौकी क्षेत्रातंर्गत एकता मार्केट में एक डिस्पोजल गिलास को लेकर दुकानदार और युवक के बीच हुए विवाद ने खूनी रूप ले लिया। दुकानदार और उसके साथी ने मिलकर युवक व उसके दो साथियों के साथ जमकर मारपीट कर दी। इतना ही नहीं सुनील बर्मन नामक युवक पर आरोपियों ने चाकू से जानलेवा हमला कर दिया, जिससे उसके पेट में गंभीर चोट आ गई।

पुलिस ने बताया कि ग्राम सिलुआ निवासी 20 वर्षीय सुनील बर्मन मजदूरी करता है। बीती रात करीब साढ़े दस बजे वह अपने साथी आर्न केवट, सुमित चौधरी के साथ एकता मार्केट बीकानेर मिष्ठान के पास स्थित पान ठेले से डिस्पोजल ग्लास ले रहा था, दुकानदार शिवम यादव उर्फ अरुण ने उसके तीन डिस्पोजल की जगह दो दी, इसी को लेकर उनके बीच कहा सुनी हो गई। जिसके बाद दुकानदार शिवम यादव ने गालीगलौज शुरु कर दी। उसने विरोध किया तो समीप में खड़े शिवम के साथी कान्हा उर्फ मयंक विश्वकर्मा ने उसे पकड़कर मारपीट शुरु कर दी। सुनील के साथी आर्यन व सुमित ने बीच बचाव किया तो शिवम यादव व मयंक ने उनके साथ भी मारपीट शुरु कर दी। इसी दौरान मयंक ने विश्वकर्मा ने चाकू निकालकर उसके पेट में घोंप दिया, जिससे सुनील को गंभीर चोट आ गई। शिकायत पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास शुरु कर दिये है।

रेल हादसों पर लगेगी लगाम

जबलपुर मंडल में तेजी से फैल रहा 'हॉट एक्सल बॉक्स डिटेक्टर' का सुरक्षा चक्र

जबलपुर (स्वतंत्र मत) । पमरे के जबलपुर मंडल ने रेल यात्रा को अधिक सुरक्षित और दुर्घटना-मुक्त बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया। मंडल रेल प्रबंधक और प्रधान मुख्य यांत्रिक अभियंता के मार्गदर्शन में यांत्रिक विभाग द्वारा अत्याधुनिक 'हॉट एक्सल बॉक्स डिटेक्टर' प्रणाली का तेजी से विस्तार किया जा रहा है। यह आधुनिक तकनीक चलती ट्रेनों में संभावित तकनीकी खामियों को समय रहते पहचानकर हादसों को रोकने में बेहद कारगर साबित हो रही है। यह एडवांस सेंसर-बेस्ड सिस्टम है, जो तेज रफ्तार से दौड़ती ट्रेनों के पहियों और बेयरिंग (एक्सल बॉक्स) के तापमान की चौबीसों घंटे निगरानी करता है। यदि किसी बेयरिंग में घर्षण के कारण असामान्य गर्मी पैदा होती है, तो यह सिस्टम तुरंत कंट्रोल रूम को रीयल-टाइम अलर्ट भेज देता है। इसके जरिए तकनीकी टीम को तुरंत कदम उठाने का मौका मिल जाता है और बिना ट्रेन रोके ही निरंतर डिजिटल निगरानी बनी रहती है।

वर्तमान में जबलपुर मंडल के 9 प्रमुख स्थानों पर यह प्रणाली सफलता पूर्वक काम कर रही है। अब तक इस तकनीक ने 28 'हॉट एक्सल' मामलों का समय रहते सटीक पता लगाकर कई बड़े रेल हादसों को टालने में अभूतपूर्व सफलता हासिल की है। इन सकारात्मक परिणामों को देखते हुए मंडल प्रशासन ने जबलपुर रेल नेटवर्क के 50 अन्य संवेदनशील स्थलों पर भी इस प्रणाली को लगाने की कार्ययोजना तैयार कर ली है।

आधा दर्जन जुआरी पकड़ाए, 5650 रुपये की नगदी जब्त

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। बरेला पुलिस ने बीटीआई कालोनी स्थित एक खाली मकान पर दबिश देकर आधा दर्जन जुआरियों को इक्का-बली पर दांव लगाते हुए दबोचा है। जिनके पास से पुलिस ने 5650 रुपये की नगदी व ताश के 52 पत्तें बरामद किये है। पुलिस ने मौके से संदीप बर्मन वार्डन नंबर-11 बरेला, गौरव दुबे निवासी वार्ड नंबर- 4 बरेला लोक सागर तालाब कालोनी बरेला, रामकृष्ण दुबे निवासी ग्राम कलगौडी बरेला, शिवा कुमार चक्रवर्ती निवासी गंज मोहल्ला बरेला, साहिल केवट निवासी लोक सागर बरेला, राज केवट लोक सागर बरेला को हिरासत में लेकर उनके खिलाफ जुआ एक्ट के तहत कार्रवाई की है।

पीडीएस अनाज की हो रही थी कालाबाजारी

मिनी ट्रक से 50 से ज्यादा बोरियां जब्त, बिक्री करने ले जा रहो थे मंडी, प्रशासन ने जब्त किया

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

शहर में सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के शासकीय अनाज की कालाबाजारी का मामला सामने आया है। बुधवार दोपहर एक जागरूक नागरिक की सूचना पर खाद्य विभाग ने कार्रवाई करते हुए मिनी ट्रक से 50 से अधिक बोरियों में भरे गेहूं और चावल को जब्त कर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार घंटाघर निवासी रंजीत यादव अपनी बेटी को स्कूल से लेकर घर लौट रहे थे। घमापुर क्षेत्र में उन्हें एक मिनी ट्रक संदिग्ध स्थिति में दिखाई दिया। पास जाकर देखने पर ट्रक में शासकीय टैग लगी गेहूं और चावल की बोरियां लदी मिलीं। इस

पर उन्होंने वाहन रोककर चालक से पूछताछ की और पूरे घटनाक्रम का वीडियो भी बनाया।रंजीत यादव द्वारा पूछताछ किए जाने पर चालक और वाहन में बैठे लोगों से बहस हो गई। देखते ही देखते मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई और मिनी ट्रक को चारों ओर से घेर लिया। पूछताछ के दौरान वाहन में मौजूद लोगों ने बताया कि अनाज बरेला क्षेत्र से लाया गया है और इसे मंडी में बेचने ले जाया जा रहा था। रंजीत यादव का दावा है कि शहर के उड़ीया मोहल्ला क्षेत्र से भी शासकीय अनाज की बोरियां ट्रक में लोड की गई थीं। रंजीत यादव के पास खाद्य विभाग के अधिकारियों का संपर्क नंबर नहीं था। उन्होंने मौके से ही गूगल पर फूड कंट्रोलर का नंबर खोजा और पूरे मामले की जानकारी दी। सूचना मिलने के कुछ देर बाद खाद्य विभाग की टीम मौके पर पहुंची। खाद्य विभाग ने मिनी ट्रक से 50 से अधिक बोरियों में भरे गेहूं और चावल को जब्त कर उनके नमूने लिए हैं। विभाग अब यह जांच कर रहा है कि शासकीय राशन किस राशन दुकान से निकाला गया, उसे मंडी तक कैसे पहुंचाया जा रहा था और इस पूरे मामले में किन-किन लोगों की भूमिका है। प्रशासन का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद दोषियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

जिज्ञासा से ज्ञान तकः प्रारंभिक शिक्षा में विज्ञान का महत्व

आज का युग विज्ञान और तकनीक का युग है। हमारे दैनिक जीवन का लगभग हर कार्य विज्ञान से जुड़ा हुआ है। बिजली, मोबाइल, कंप्यूटर, परिवहन, चिकित्सा और संचार जैसी सुविधाएँ विज्ञान की देन हैं। ऐसे में बच्चों को प्रारंभिक अवस्था से ही विज्ञान की शिक्षा देना अत्यंत आवश्यक है। विज्ञान केवल एक विषय नहीं, बल्कि सोचने, समझने और समस्याओं का समाधान खोजने की कला भी सिखाता है।

जिज्ञासा से शुरू होती है विज्ञान की यात्रा

छोटे बच्चे स्वभाव से जिज्ञासु होते हैं। वे अपने आसपास होने वाली हर घटना के बारे में प्रश्न पूछते हैं, जैसे, आसमान नीला क्यों दिखता है? बारिश कैसे होती है? पौधे कैसे बढ़ते हैं? पक्षी कैसे उड़ते हैं? यही प्रश्न उनके भीतर वैज्ञानिक सोच का बीज बोते हैं। यदि इन जिज्ञासाओं का सरल और रोचक तरीके से समाधान किया जाए, तो बच्चों की सीखने की रुचि और अधिक बढ़ती है।

गतिविधि आधारित हो विज्ञान शिक्षा का माध्यम

प्रारंभिक स्तर पर विज्ञान को केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं रखना चाहिए। प्रयोग, खेल, चित्र, मॉडल, प्रकृति भ्रमण और सरल गतिविधियों के माध्यम से विज्ञान को रोचक बनाया जा सकता है। पौधों का अवलोकन, बीज अंकुरित करना, इंद्रधनुष देखना, पानी के छोटे-छोटे प्रयोग या चुंबक के प्रयोग बच्चों को विज्ञान से सहज रूप से जोड़ते हैं। अनुभव के माध्यम से सीखी गई बातें बच्चों के मन में लंबे समय तक बनी रहती हैं।

शिक्षक और अभिभावकों की भूमिका

बच्चों की वैज्ञानिक सोच विकसित करने में शिक्षक और अभिभावक दोनों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। बच्चों के प्रश्नों को प्रोत्साहित करना, उन्हें प्रयोग करने के अवसर देना और आसपास की प्राकृतिक घटनाओं को समझाना आवश्यक है। जब शिक्षा को खेल, कहानी और गतिविधियों से जोड़ा जाता है, तब विज्ञान बच्चों के लिए कठिन नहीं, बल्कि आनंददायक बन जाता है।

नेहा डहरवाल
शिक्षक
हितकारिणी चिल्ड्रन्स एकेडमी, डुमना रोड, जबलपुर।

वैज्ञानिक सोच और अच्छे संस्कार

विज्ञान बच्चों में तर्क करने, अवलोकन करने और सही निष्कर्ष निकालने की क्षमता विकसित करता है। साथ ही यह उन्हें स्वच्छता, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण और प्राकृतिक संसाधनों के महत्व से भी परिचित कराता है। हाथ धोने की आदत, स्वच्छ पानी का उपयोग, पौधे लगाना, पानी बचाना और कचरे का सही प्रबंधन जैसी अच्छी आदतें भी विज्ञान शिक्षा का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं।

डीएनएः जीवन का गुप्त कोड, जिसने बदली विज्ञान की दुनिया

धरती पर मौजूद प्रत्येक जीव, चाहे वह मनुष्य हो, पशु-पक्षी, पेड़-पौधे या सूक्ष्मजीवकृकी अपनी एक विशिष्ट पहचान होती है। यह पहचान उसके शरीर की बनावट, रंग, ऊँचाई, स्वभाव और कई जैविक गुणों में दिखाई देती है। इन सभी विशेषताओं का रहस्य डीएनए में छिपा होता है। डीएनए को जीवन का गुप्त कोड या ब्लूप्रिंट कहा जाता है, क्योंकि यही जीवों के विकास, कार्यप्रणाली और आनुवंशिक गुणों को नियंत्रित करता है। आधुनिक जीव विज्ञान, चिकित्सा और जैव प्रौद्योगिकी में डीएनए का अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है।

डीएनए क्या है?

डीएनए एक विशेष प्रकार का अणु है, जो जीवित कोशिकाओं के केंद्रक में पाया जाता है। इसकी संरचना दो लंबी श्रृंखलाओं से बनी होती है, जो एक-दूसरे के चारों ओर कुंडली बनाकर दोहरे कुंडल का आकार बनाती हैं। इसमें मौजूद जीन माता-पिता से संतान तक आनुवंशिक गुणों का स्थानांतरण करते हैं। यही कारण है कि बच्चों में कई शारीरिक और जैविक विशेषताएँ अपने माता-पिता से मिलती हैं।

ग्रीन केमिस्ट्रीः स्वच्छ पर्यावरण और सतत विकास की नई दिशा

विज्ञान ने मानव जीवन को अनेक सुविधाएँ प्रदान की हैं, लेकिन औद्योगीकरण और रासायनिक पदार्थों के अत्यधिक उपयोग से पर्यावरण प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और स्वास्थ्य संबंधी समस्याएँ भी बढ़ी हैं। इन चुनौतियों के समाधान के लिए ग्रीन केमिस्ट्री या हरित रसायन की अवधारणा विकसित की गई। इसका उद्देश्य ऐसे रासायनिक उत्पादों और प्रक्रियाओं का विकास करना है, जिनसे पर्यावरण को कम से कम नुकसान पहुँचे तथा प्राकृतिक संसाधनों का संतुलित उपयोग हो। यह विज्ञान, पर्यावरण और सतत विकास के बीच संतुलन स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

क्या है ग्रीन केमिस्ट्री- ग्रीन केमिस्ट्री वह विज्ञान है, जिसमें ऐसे रासायनिक पदार्थ और उत्पादन प्रक्रियाएँ अपनाई जाती हैं जो विषैले अपशिष्ट को कम करें, ऊर्जा की बचत करें तथा पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य के लिए सुरक्षित हों। इसका मुख्य उद्देश्य प्रदूषण को बाद में नियंत्रित करने के बजाय उसे उत्पन्न होने से पहले ही रोकना है।

ग्रीन केमिस्ट्री की आवश्यकता

बढ़ते औद्योगिक प्रदूषण, प्लास्टिक कचरे, जल एवं वायु प्रदूषण और रासायनिक अपशिष्ट ने पर्यावरण के सामने गंभीर चुनौतियाँ खड़ी कर दी हैं। यदि सुरक्षित और पर्यावरण-अनुकूल तकनीकों को नहीं अपनाया गया, तो प्राकृतिक संसाधनों का संतुलन बिगड़ सकता है। इसलिए ग्रीन केमिस्ट्री आज समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बन चुका है।

पर्यावरण संरक्षण में योगदान

ग्रीन केमिस्ट्री वायु, जल और मिट्टी के प्रदूषण को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह ऊर्जा की बचत, जल संरक्षण, कार्बन उत्सर्जन में कमी तथा प्राकृतिक संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग को बढ़ावा देता है। इससे जैव विविधता का संरक्षण होता है और आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ एवं सुरक्षित पर्यावरण सुनिश्चित किया जा सकता है।

छात्रों और समाज की भूमिका

ग्रीन केमिस्ट्री को सफल बनाने में छात्रों और समाज की महत्वपूर्ण भूमिका है। प्लास्टिक का कम उपयोग, कचरे का पृथक्करण, पुनर्चक्रण को बढ़ावा देना, रसायनों का सुरक्षित उपयोग तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाना प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। छोटी-छोटी आदतें बड़े सकारात्मक परिवर्तन ला सकती हैं।

चुंबकः अदृश्य शक्ति का अद्भुत विज्ञान

चुंबक या मैग्नेट, विज्ञान की सबसे रोचक खोजों में से एक है। इसकी अदृश्य चुंबकीय शक्ति बिना किसी प्रत्यक्ष संपर्क के लोहे जैसी धातुओं को अपनी ओर आकर्षित कर सकती है। यही विशेषता चुंबक को अन्य वस्तुओं से अलग बनाती है। आज बिजली उत्पादन से लेकर कंप्यूटर, मोबाइल फोन, चिकित्सा उपकरणों और अंतरिक्ष तकनीक तक, चुंबक का व्यापक उपयोग हो रहा है। आधुनिक विज्ञान और तकनीक के विकास में चुंबक की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

चुंबक के अद्भुत उपयोग

चुंबक का उपयोग हमारे दैनिक जीवन में अनेक रूपों में होता है। विद्युत मोटर, जनरेटर, लाउडस्पीकर, माइक्रोफ ोन, कंप्यूटर की हार्ड डिस्क, एटीएम कार्ड, रेफ्रि जरेटर का दरवाजा, मोबाइल फ ोन और इलेक्ट्रिक वाहनों में चुंबकीय सिद्धांत का प्रयोग किया जाता है। अस्पतालों में प्रयुक्त एमआरआई मशीन भी शक्तिशाली चुंबकों की सहायता से शरीर के अंदरूनी अंगों की स्पष्ट तस्वीरें तैयार करती है।

प्रकृति में चुंबक का महत्व

पृथ्वी स्वयं एक विशाल प्राकृतिक चुंबक है। इसी कारण कम्पास की सुई हमेशा उत्तर-दक्षिण दिशा की ओर संकेत करती है। प्राचीन काल से नाविक और यात्री दिशा ज्ञात करने के लिए कम्पास का उपयोग करते रहे हैं। आज भी समुद्री यात्रा, पर्वतारोहण और कई वैज्ञानिक अभियानों में इसका महत्व बना हुआ है।

विज्ञान और भविष्य में चुंबक

वर्तमान समय में चुंबकीय तकनीक का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है। मैग्लेव ट्रेनें चुंबकीय बल के कारण पटरियों के ऊपर तैरते हुए अत्यधिक गति से चलती हैं। पवन ऊर्जा संयंत्र, रोबोटिक्स, अंतरिक्ष अनुसंधान और आधुनिक चिकित्सा में भी चुंबकीय तकनीक नई संभावनाओं के द्वार खोल रही है। भविष्य में भी चुंबकीय तकनीक ऊर्जा, परिवहन, चिकित्सा और अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में नई उपलब्धियों का आधार बनेगी।

विज्ञान के प्रयोग

कागज़ के फूल क्यों खिलते हैं?

विज्ञान केवल प्रयोगशाला तक सीमित नहीं है, बल्कि हमारे आसपास होने वाली छोटी-छोटी घटनाओं में भी विज्ञान छिपा होता है। ऐसा ही एक सरल और रोचक प्रयोग है कागज़ के फूल खिलाइए। इस प्रयोग के माध्यम से विद्यार्थी खेल-खेल में केशिका क्रिया और जल अवशोषण जैसे महत्वपूर्ण वैज्ञानिक सिद्धांतों को आसानी से समझ सकते हैं। यह प्रयोग पूरी तरह सुरक्षित है और घर या विद्यालय में आसानी से किया जा सकता है।

प्रयोग का उद्देश्य

इस प्रयोग का उद्देश्य यह समझना है कि कागज़ पानी को कैसे सोखता है और पानी के संपर्क में आने पर उसकी संरचना में क्या परिवर्तन होता है।

आवश्यक सामग्री

- सफेद या रंगीन कागज़
- रंगीन पेंसिल या स्केच पेन
- कैंची
- एक कटोरी या प्लेट
- स्वच्छ पानी

प्रयोग की विधि

सबसे पहले कागज़ पर एक फ ूल का चित्र बनाएँ और उसे सावधानीपूर्वक काट लें। अब फूल की प्रत्येक पंखुड़ी को हल्के हाथों से अंदर की ओर मोड़ दें, ताकि फू ल बंद दिखाई दे। इसके बाद एक कटोरी या प्लेट में पानी भरें और तैयार किए गए कागज़ के फूल को पानी की सतह पर धीरे से रखें। कुछ ही मिनटों में आप देखेंगे कि फू ल की पंखुड़ियाँ धीरे-धीरे खुलने लगती हैं और ऐसा प्रतीत होता है मानो वास्तविक फूल खिल रहा हो।

प्रयोग को और रोचक कैसे बनाएँ?

अलग-अलग प्रकार के कागज़ (अखबार, चार्ट पेपर, टिश्यू पेपर) का उपयोग करके तुलना करें। छोटे और बड़े फ़ूल बनाकर देखें कि कौन-सा पहले खिलता है। विभिन्न रंगों के फू ल बनाकर आकर्षक विज्ञान प्रदर्शनी तैयार करें। प्रयोग का समय नोट करें और परिणामों की तुलना करें।

सावधानियाँ

- पंखुड़ियों को बहुत कसकर न मोड़ें।
- फूल को पानी में धीरे से रखें, उसे दबाएँ नहीं।
- बहुत मोटे या प्लास्टिक-लेपित कागज़ का उपयोग न करें।
- प्रयोग समतल स्थान पर करें ताकि पानी न गिरे।

ऐसा क्यों होता है? (वैज्ञानिक सिद्धांत)

कागज़ असंख्य सूक्ष्म रेशों (फाइबर) से बना होता है। जब कागज़ पानी के संपर्क में आता है, तो ये रेशे पानी को सोखने लगते हैं। इस प्रक्रिया को जल अवशोषण कहते हैं। पानी रेशों के बीच बहुत बारीक स्थानों से ऊपर और चारों ओर फैलता है, जिसे केशिका क्रिया कहा जाता है। जैसे-जैसे कागज़ पानी सोखता है, उसके रेशे फैलने लगते हैं। इस फैलाव के कारण मुड़ी हुई पंखुड़ियाँ अपना आकार बदलती हैं और धीरे-धीरे खुल जाती हैं। यही कारण है कि बंद कागज़ का फूल पानी में खिलता हुआ दिखाई देता है।

शब्द पहेली - 8935

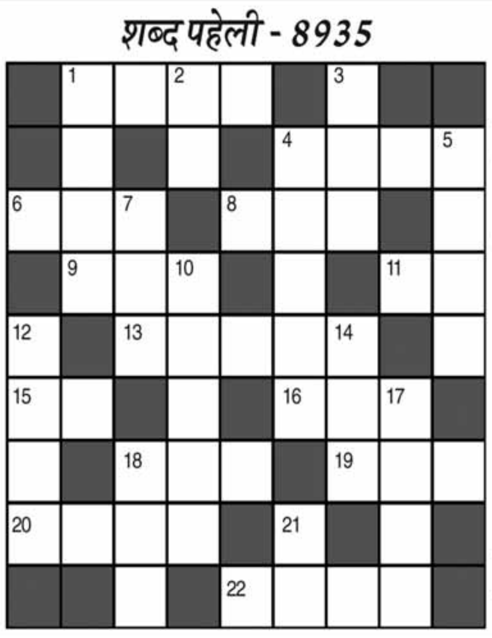

बाएँ से दाएँ

1. जंगल की आग-4
4. अयोग्य, नालायक-4
6. बंदर का खेल दिखाने वाला-3
8. तैयार होना-3
9. जीभ, जिव्हा-3
11. पाश, फंदा, -2
13. नामकरण करना-2,3
15. मेरा(सं.-2)
16. खाद्य सामग्री-3
18. तहत-3
19. कक्ष, रूम-3
20. भरोसा, विश्वास-4
22. सचेत, होशियार-4

ऊपर से नीचे

1. दागी, धब्बेवाला-4
2. गीलापन, तर होना-2
3. दुनिया, जगत-3
4. अदा, हाव-भाव-5
5. भरा हुआ-4
7. टपकना, गिरना-3
10. नाम रखना-5
12. एकमत-4
14. भक्षक, विनाशकारी-3
17. खारा, क्षारीय-4
18. वन, जंगल-3
21. लाश, मुर्दा, मृतक-4

शब्द पहेली -8934 का हल

क	दा	चा	र		स	त	ल	ज
ल		य	ती	म	खा	ना		हा
प	र			दा			चा	ल
ना	च		क	री	ब		ल	त
	ना	च	ना		ला	ल	च	
आ	का		त	ह	त		ल	क
रा	र			सी			न	या
ध		न	वी	न	त	म		म
ना	म	व	र		क	रा	मा	त

Jagrutidaur.com, Bangalore

सफेदपोशों पर एसआईटी की नजर!

डबल मनी और फोर्टिफाइड चावल घोटाले में नेताओं के नाम आने से सियासत गरम, विपक्ष ने साधा निशाना

बालाघाट(स्वतंत्र मत)।

जिले के दो बहुचर्चित आर्थिक घोटालों एक करीब 600 करोड़ रुपये के डबल मनी निवेश घोटाले और दूसरा कथित 1160 करोड़ रूपए फोर्टिफाइड चावल घोटाले की जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है, वैसे-वैसे कई नए तथ्य सामने आ रहे हैं। विशेष जांच दल (एसआईटी) की कार्रवाई अब उन लोगों तक भी पहुंचती दिखाई दे रही है जिनके नाम प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से राजनीतिक गलियारों से जुड़े बताए जा रहे हैं। हाल ही में डबल मनी मामले में मुख्य आरोपी सोमेंद्र कंकरायाने से जुड़ी दो लग्जरी कारों की बरामदगी और फोर्टिफाइड चावल घोटाले में पूर्व मंत्री के भाई की फर्म से ट्रकों की जब्ती के बाद जिले की राजनीति भी गरमा गई है। विपक्ष ने पूरे मामले को लेकर प्रदेश सरकार और सत्ता पक्ष पर तीखे सवाल उठाए हैं।

जिले के बहुचर्चित डबल मनी निवेश घोटाले में एसआईटी लगातार कार्रवाई कर रही है। मुख्य आरोपी सोमेंद्र कंकरायाने की गिरफ्तारी के बाद पूछताछ में कई महत्वपूर्ण जानकारियां सामने आई हैं। आरोपी ने जांच अधिकारियों को बताया कि उसकी एक इनोवा कार गोंदिया में है, जबकि दूसरी टाटा हैरियर एक प्रभावशाली के करीबी के पास है। इसके बाद एसआईटी ने दोनों वाहनों को जब्त कर लिया। जांच के दौरान सामने आया कि टाटा हैरियर वाहन भाजपा के पूर्व विधायक रमेश भटेरे के एक करीबी और उनके बॉडीगार्ड के पास मिला। मामला सामने आने के बाद संबंधित पुलिसकर्मी का पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर मंडला स्थानांतरण कर दिया गया। हालांकि, जांच एजेंसियों ने अभी तक किसी राजनीतिक व्यक्ति के खिलाफ प्रत्यक्ष आपराधिक भूमिका की पुष्टि नहीं की है और मामले की जांच जारी है।

निवेशकों में फिर जगी उम्मीद

कई वर्षों तक फरार रहने के बाद मास्टरमाइंड सोमेंद्र कंकरायाने की गिरफ्तारी के बाद प्रशासन ने निवेशकों का पैसा लौटाने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है। पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा के निर्देशन में जब्त दस्तावेजों के आधार पर 113 निवेशकों की पहली सूची जारी की गई है। सूची में शामिल निवेशकों को आवश्यक दस्तावेजों के साथ एसपी कार्यालय बुलाकर आवेदन और चेक संबंधी औपचारिकताएं पूरी कराई जा रही हैं। अब सभी को दूसरी सूची जारी होने का इंतजार है।

फोर्टिफाइड चावल घोटाले में भी तेज हुई जांच

दूसरी ओर, जिले के बहुचर्चित फोर्टिफाइड चावल घोटाले में भी एसआईटी लगातार कार्रवाई कर रही है। जांच के दौरान पूर्व मंत्री रामकिशोर कावरे के भाई कुमार कावरे की फर्म हर्ष राइस इंडस्ट्रीज से चार ट्रकों को जब्त किया गया। परिसर से 100 से अधिक खाली फोर्टिफाइड चावल की बोरियां भी बरामद की गईं। बताया जा रहा है कि यह कार्रवाई 24 जुलाई को गिरफ्तार किए गए राइस मिल पार्टनर विनोद शर्मा से पूछताछ में मिली जानकारी के आधार पर की गई। विनोद शर्मा फर्म में 20 प्रतिशत हिस्सेदार बताए जा रहे हैं।

एसआईटी के अनुसार अब तक इस मामले में 26 ट्रक, हजारों खाली बोरियां और अन्य दस्तावेज जब्त किए जा चुके हैं। जांच में यह भी सामने आया है कि करीब 16 हजार मीट्रिक टन फोर्टिफाइड चावल एथेनॉल प्लांट भेजने के नाम पर एफसीआई गोदामों से निकाला गया था, जिसमें लगभग 5000 मीट्रिक टन चावल के गबन की आशंका की जांच की जा रही है। मामले में अब तक 13 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है, जबकि डेढ़ दर्जन से अधिक आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जा चुकी है।

विपक्ष ने सरकार और सत्ता पक्ष को घेरा

इन दोनों मामलों में राजनीतिक नाम सामने आने के बाद कांग्रेस ने प्रदेश सरकार और सत्ता पक्ष को घेरना शुरू कर दिया है। पूर्व विधानसभा उपाध्यक्ष हीना कावरे ने आरोप लगाया कि यदि वर्ष 2019 में ही डबल मनी मामले की गंभीरता से जांच कराई जाती तो हजारों निवेशकों की मेहनत की कमाई नहीं डूबती। उनका आरोप है कि समय पर कार्रवाई नहीं होने के कारण यह घोटाला सैकड़ों करोड़ रुपये तक पहुंच गया। हीना कावरे ने कहा कि इस घोटाले के कारण कई परिवार आर्थिक रूप से बर्बाद हुए, कुछ लोगों ने आत्महत्या तक कर ली और कई गंभीर घटनाएं भी सामने आईं। उन्होंने पूरे प्रकरण में शामिल सभी दोषियों के खिलाफ निष्पक्ष और कठोर कार्रवाई की मांग की।

पूर्व विधायक और पूर्व मंत्री पर भी उठाए सवाल

पूर्व विधायक रमेश भटेरे के बॉडीगार्ड के पास मुख्य आरोपी की हैरियर कार मिलने के सवाल पर हीना कावरे ने कहा कि दोनों एक ही गांव के रहने वाले हैं। ऐसे में पूर्व विधायक की नैतिक जिम्मेदारी थी कि वे खुलकर सामने आते और निष्पक्ष जांच की मांग करते। वहीं उन्होंने पूर्व मंत्री रामकिशोर कावरे को लेकर भी आरोप लगाया कि ग्रामीणों से उन्हें जानकारी मिली है कि डबल मनी योजना में उनके द्वारा भी निवेश किया गया था और बाद में राशि निकाल ली गई। हालांकि, इस संबंध में किसी जांच एजेंसी द्वारा आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

रजिस्टर में नाम नहीं, फिर भी मिले न्याय

पूर्व विधानसभा उपाध्यक्ष ने पुलिस द्वारा जब्त रजिस्टरों के आधार पर निवेशकों से आवेदन मंगाने की प्रक्रिया का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि जिन पीड़ितों के नाम रजिस्टर में दर्ज नहीं हैं, लेकिन जिनके पास निवेश से जुड़े दस्तावेज उपलब्ध हैं, उनके हितों की भी कानूनी और मानवीय आधार पर रक्षा की जानी चाहिए तथा उन्हें भी उनकी जमा राशि वापस दिलाने के प्रयास किए जाने चाहिए।

देर रात बेलगाम ट्रक ने रौंदा ट्राफिक सिंग्नल

बालाघाट (स्वतंत्र मत)। नगर के लगातार बढ़ते जा रहे यातायात दबाव को कम करने और नगर की यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने के प्रमुख उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए, नगर पालिका द्वारा नगर के अंबेडकर चौक में ट्राफिक सिग्नल लगाए गए थे।आज से करीब 6 माह पहले, आंबेडकर चौक पर प्रारंभ किए गए वही ट्राफिक सिंग्नल बुधवार की सुबह से ही बंद हो गए।दरअसल यहां लगे ट्रैफिक सिगनलों में से एक ट्रैफिक सिग्नल को देर रात एक बेलगाम ट्रक ने रौंध दिया। जिससे हजारों रूपए का नुकसान पहुंचा हैं। हालांकि पुलिस ने ट्रक को बरामद कर कोतवाली थाना में खड़ा करवा दिया है। जहां चालक के खिलाफ वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

एक सिंग्नल टूटने से बाकी सिंग्नल भी हुए बंद – बुधवार की सुबह सड़क पर टूटकर गिरे ट्राफिक सिग्नल की जानकारी के बाद यातायात पुलिस व नगरपालिका कर्मी भी यहां पहुंचे। मोतीनगर की ओर से आने वाले वाहनों के लिए लगा सिंग्नल के टूट जाने से बुधवार को इससे जुड़े अन्य सिंग्नल भी बंद रहे।उधर आंबेडकर चौक में लगे यातायात सिग्नल के रेड लाईट और ग्रीन लाईट की टायमिंग में अंतर होने से लोगों को दो मिनट से ज्यादा ठहरने और महज 27 सेकंड के सिग्नल पार करने को लेकर मिल रहे समय पर भी लोगों ने इसमें सुधार की जरूरत बताई हैं।

नुकसान का किया जा रहा आंकलन– यीना राहंगडाले – मामले को लेकर दुरभाष पर की गई चर्चा के दौरान यातायात थाना प्रभारी सुबेदार यीना राहंगडाले ने बताया कि रात करीब पौने बारह बजे, एक तेज रफ्तार ट्रक ने आंबेडकर चौक में लगे यातायात सिंग्नल को तोड़ दिया है। जिसकी जानकारी के बाद ट्रक को बरामद कर लिया गया है। मामले में अग्रिम कार्रवाई की जा रही है। उन्होने बताया कि सिग्नल टूटने से हुए नुकसान का आंकलन किया जा रहा है।

दैतबर्रा-मंगलेगांव मार्ग पर पुल उफान पर, आवागमन ठप, ग्रामीणों ने उठाई उच्च स्तरीय पुल निर्माण की मांग

खैरलांजी (स्वतंत्र मत)।

पिछले 24 घंटे से लगातार हो रही बारिश के चलते क्षेत्र के नदी-नाले उफान पर हैं। खैरलांजी तहसील के दैतबर्रा से मंगलेगांव मार्ग पर स्थित पुल बुधवार, 29 जुलाई की सुबह से ही जलमग्न हो गया, जिससे इस मार्ग पर आवागमन पूरी तरह बंद हो गया। पूरे दिन पुल के ऊपर से तेज बहाव के साथ पानी गुजरता रहा, जिसके कारण लोगों की आवाजाही बाधित रही।

ग्रामीणों के अनुसार, बारिश के मौसम में यह पुल हर वर्ष जलमग्न हो जाता है, जिससे दैतबर्रा और मंगलेगांव के बीच संपर्क प्रभावित होता है। पुल पर पानी आने के कारण लोगों को करीब 100 मीटर की दूरी तय करने के बजाय लगभग 5 किलोमीटर का लंबा चक्कर लगाकर दूसरे रास्ते से जाना पड़ता है। इससे ग्रामीणों, विद्यार्थियों, किसानों और मरीजों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

सरपंच प्रतिनिधि योगेश बिठले सहित ग्रामीणों ने बताया कि बरसात के दौरान इस पुल को पार करते समय पहले भी कई हादसे हो चुके हैं और लोगों की जान तक जा चुकी है। उन्होंने कहा कि इस स्थान पर उच्च स्तरीय पुल निर्माण की मांग को लेकर कई बार जिला प्रशासन, कलेक्टर, स्थानीय विधायक और सांसद को ज्ञापन सौंपे जा चुके हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है।

ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि जनहित और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए इस स्थान पर शीघ्र उच्च स्तरीय पुल का निर्माण कराया जाए, ताकि वर्षा के दिनों में भी सुरक्षित और निर्बाध आवागमन सुनिश्चित हो सके। फिलहाल, प्रशासन ने लोगों से पुल पर पानी रहने तक उसे पार करने का प्रयास न करने और सुरक्षित मार्ग का ही उपयोग करने की अपील की है।

मेट सम्मान समारोह कार्यक्रम संपन्न

उमरिया (स्वतंत्रमत)। जनपद पंचायत मानपुर के सभागार कक्ष पर वाइज परियोजना के अंतर्गत मेट सम्मान समारोह आयोजित किया गया।कार्यक्रम का संचालन प्रदान की ओर से बीसी वृन्दावन सिंह द्वारा किया गया। कार्यक्रम में मुख्यअतिथि अंकित सोराठिया जनपद सीईओ एवं राकेश जाटव उपस्थित रहे। इस अवसर पर प्रशिक्षित मेटों को जनपद सीईओ के द्वारा महिलाओं को सशक्त एवं डिजिटल इंडिया को सराहना करते हुए महिलाओं को जागरूक करने का अवसर मिला सीईओ की पहली बैठक महिलाओं के साथ व एपीओ के द्वारा बीबी, जी राम जी योजना को ध्यान रखते हुए महिलाओं को प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया।

डॉक्टर न मिलने से गई 27 वर्षीय युवक की जान

कटंगी (स्वतंत्र मत)। ग्रामीण अंचलों में सरकार के स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के दावों की पोल एक बार फिर खुल गई। मंगलवार 28 जुलाई की दोपहर तिरोड़ी थाना क्षेत्र के ग्राम कोयलारी में करंट लगने की एक घटना में घायल हुए 27 वर्षीय आदिवासी युवक को समय पर इलाज न मिलने के कारण मौत हो गई। आरोप है कि नजदीकी तिरोड़ी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में ड्यूटी पर कोई चिकित्सक मौजूद नहीं था, जिसके कारण बहुमूल्य समय बर्बाद हुआ और युवक की जान चली गई। जानकारी के अनुसार ग्राम कोयलारी निवासी सुभाष पिता ओमकार धुर्वे उम्र 27 वर्ष मंगलवार दोपहर राजमिस्त्री का काम कर रहा था। इसी दौरान उसे तेज करंट लग गया। करंट लगते ही वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के तुरंत बाद ग्रामीण उसे लेकर नजदीक के तिरोड़ी अस्पताल पहुंचे। ग्रामीणों का आरोप है कि अस्पताल में उस समय कोई डॉक्टर मौजूद नहीं था। सिर्फ एक महिला स्टाफ अपने बच्चे के साथ मौजूद थी। उन्होंने घायल का प्राथमिक उपचार तक नहीं किया और सीधे कटंगी जाने कह दिया। समय बर्बाद न हो इसलिए परिजन उसे लेकर अतिरिक्त 15 किमी. दूर सरकारी अस्पताल कटंगी लेकर आए। यहां चिकित्सक ने सुभाष को मृत घोषित कर दिया। युवक की मौत के बाद कोयलारी सहित आस-पास के क्षेत्र में आक्रोश दिखाई दिया।

करंट लगने के बाद तिरोड़ी अस्पताल में नहीं मिला उपचार

बीएमओ ने दिया चौंकाने वाला जवाब – बीएमओ डॉ विनोद भलावी से तिरोड़ी अस्पताल में चिकित्सक के ना होने का कारण पूछा गया तो उन्होंने बताया कि चिकित्सक अवकाश पर गए हैं। जब उनसे पूछा गया कि कोई वैकल्पिक व्यवस्था क्यों नहीं की गई तो उनका जवाब आया जहां परमार्नेंट भर्ती है वहां वैकल्पिक व्यवस्था नहीं बनाई जाती। तिरोड़ी अस्पताल में बनवारी मीणा नाम के चिकित्सक पदस्थ है। बीएमओ के जवाब का मतलब साफ हैं डॉक्टर छुट्टी पर जा सकता है, लेकिन मरीज मर भी जाए तो कोई वैकल्पिक इंतजाम नहीं होगा। यही है हमारी बेहतर स्वास्थ्य सेवा है।

छपडौर और अमोलखोह आश्रम में भक्तों की उमड़ी भीड़

गुरु पूजन कर शिष्यों ने धूमधाम से मनाया गुरुपूर्णिमा

उमरिया (स्वतंत्रमत)।

बुधवार 29 जुलाई को गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर हनुमन्त कुंज आश्रम, छपडौर में परम पूज्य श्री श्री 1008 श्री संत सरन जू महाराज जी के सान्निध्य में गुरु पूर्णिमा महोत्सव श्रद्धा, भक्ति एवं उल्लास के साथ मनाया गया। प्रातः 8 बजे से ही हजारों श्रद्धालुओं ने छपडौर धाम पहुंचकर गुरुदेव भगवान की पूजा-अर्चना कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। कार्यक्रम की शुरुआत कुटी आश्रम से हनुमान मंदिर तक निकाली गई भव्य प्रभात यात्रा से हुई।ढोल-नगाड़ों और जयघोष के बीच निकली इस शोभायात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। इसके पश्चात मंच पर विराजमान पूज्य गुरुदेव का वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधि-विधानपूर्वक पूजन एवं आरती संपन्न हुई। विभिन्न क्षेत्रों से आए श्रद्धालुओं के लिए विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, सभी भक्तों ने श्रद्धापूर्वक प्रसाद ग्रहण किया। दिनभर आश्रम परिसर में भक्तों के आगमन का सिलसिला जारी रहा। श्रद्धालुओं ने कहा कि पूज्य श्री संत सरन जू महाराज जी की कृपा और आध्यात्मिक मार्गदर्शन से उन्हें आत्मिक शांति एवं नई ऊर्जा प्राप्त होती है। गुरु पूर्णिमा के इस पावन अवसर पर श्रद्धालुओं ने अपने पूज्य गुरुदेव के प्रति अटूट श्रद्धा व्यक्त करते हुए उनके श्रीचरणों में नमन किया।

अमोलेश्वरधाम आश्रम में भक्ति एवं उल्लास के साथ संपन्न हुआ गुरुपूर्णिमा

धार्मिक एवं आध्यात्मिक केंद्र अमोलेश्वरधाम (अमोलखोह) आश्रम में गुरुपूर्णिमा महोत्सव अत्यंत श्रद्धा, भक्ति एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस पावन अवसर पर मध्य प्रदेश सहित विभिन्न राज्यों से हजारों श्रद्धालु एवं संत-महात्मा आश्रम पहुंचे और अपने पूज्य गुरु श्री श्री 1008 श्री भगतगिरी बच्चू बाबा जी महाराज के दर्शन कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ महंत श्री रतनगिरी महाराज जी द्वारा गुरु पूजन एवं मंगल आरती से हुआ। इसके पश्चात पूज्य श्री भगतगिरी बच्चू बाबा जी महाराज ने उपस्थित श्रद्धालुओं को अपने प्रेरणादायी एवं अमृतमयी वचनों से संबोधित करते हुए गुरु की महिमा, सनातन संस्कृति, सेवा, सद्भाव और मानव जीवन में आध्यात्मिकता के महत्व पर प्रकाश डाला। आयोजन के दौरान पूरे आश्रम परिसर में भजन-कीर्तन और गुरु वंदना की मधुर ध्वनि गूंजती रही। श्रद्धालु भक्ति में सराबोर होकर भजनों पर झूमते रहे, जिससे पूरा वातावरण भक्तिरस से ओतप्रोत हो गया।

अनियमितता के चलते बीईओ पाली सरिता जैन को कलेक्टर ने हटाया..!

जाँच में पाई गई दोषी

उमरिया (स्वतंत्र मत)

एबीवीपी के छात्र सरिता जैन पर लगे भ्रष्टाचार की जाँच के लिए लगातार आंदोलन कर रहे थे जिसमें जिले के बिरसिंहपुर पाली में शासकीय कन्या शिक्षा परिसर की प्राचार्य सरिता जैन को खंड शिक्षा अधिकारी पद से हटा दिया गया है। उन पर छात्राओं के बैंक खातों में भेजी गई व्यक्तिगत सामग्री क्रय की राशि के उपयोग में अनियमितता का आरोप है। इस पद का प्रभार अब रीता पटेल को सौंपा गया है।

यह मामला शैक्षणिक सत्र 2025-26 से संबंधित है। शासन ने छात्राओं को व्यक्तिगत उपयोग की सामग्री खरीदने के लिए उनके बैंक खांतों में राशिं भेजी थी। आरोप है कि प्राचार्य सरिता जैन ने छात्राओं से यह राशि एकत्र करवा ली, लेकिन निर्धारित सामग्री की खरीद नहीं की गई।

अभिभावकों और अन्य जिम्मेदार व्यक्तियों ने इस संबंध में अधिकारियों से शिकायत की थी। शिकायत मिलने के बाद विभागीय स्तर पर जांच कराई गई, जिसमें लगाए गए आरोप प्रथम दृष्टया सही पाए गए। इसके बाद अधिकारियों ने तत्काल प्रभाव से सरिता जैन को खंड शिक्षा अधिकारी पद से हटाने का आदेश जारी किया।

जांच के उपरांत अधिकारियों ने निर्देश दिए हैं कि छात्राओं से एकत्रित की गई राशि तुरंत उनके बैंक खातों में वापस हस्तांतरित की जाए, ताकि वे अपनी आवश्यकतानुसार सामग्री खरीद सकें। प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया है कि छात्राओं के हितों से

जुड़े मामलों में किसी भी लापरवाही या वित्तीय अनियमितता को गंभीरता से लिया जाएगा और नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

इस प्रशासनिक कार्रवाई के बाद शिक्षा विभाग में इस मामले को लेकर चर्चा का माहौल है। स्थानीय लोगों ने छात्राओं के हितों की रक्षा के लिए दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

प्रस्फुटन समितियों का शक्ति संचय कार्यक्रम संपन्न

उमरिया (स्वतंत्र मत)। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के तत्वावधान में संवाद योजना अंतर्गत प्रस्फुटन समिति विकासखंड स्तरीय मासिक बैठक का आयोजन जिला पंचायत सभागार में किया गया। बैठक में संभाग समन्वयक भीम सिंह डामोर द्वारा प्रस्फुटन समितियों को सक्रिय, सशक्त और प्रभावी बनाने के संबंध में मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि साथ चलें, साथ बढ़ें हम सबके मन और विचार एक हों। जब हम एक विचार और एक उद्देश्य के साथ मिलकर कार्य करते हैं, तो निर्धारित लक्ष्य की प्राप्ति निश्चित रूप से होती है। उन्होंने प्रस्फुटन समितियों के कार्यों के लिए तीन महत्वपूर्ण शब्दों,स्वैच्छिकता, सामूहिकता और स्वावलंबन को विशेष रूप से रेखांकित किया। स्वैच्छिकता का अर्थ है कि समाज और गांव के विकास के लिए कार्य किसी दबाव में नहीं, बल्कि स्वयं की इच्छा और सेवा भावना से किया जाए। सामूहिकता का अर्थ है कि गांव का विकास किसी एक व्यक्ति का कार्य नहीं, बल्कि अध्यक्ष, सचिव, कोषाध्यक्ष एवं समिति के सभी सदस्यों तथा ग्रामीणों की सहभागिता से संभव है।

बैठक में छोटे-छोटे कार्यों से बड़े बदलाव की शुरुआत करने पर जोर दिया गया। गांव में स्वच्छता अभियान, जल संरक्षण, हैंडपंप के आसपास जलभराव की समस्या का समाधान, मंदिर एवं मुक्तिधाम की स्वच्छता, उद्यानों का विकास, पौधारोपण एवं पौधों का संरक्षण, नशामुक्ति अभियान तथा सामाजिक जागरूकता कार्यक्रमों को समिति के माध्यम से संचालित करने की बात कही गई। आगामी गतिविधियों के अंतर्गत हरियाली अमावस्या पर पौधारोपण एवं पौध संरक्षण, हर घर तिरंगा अभियान, स्वच्छता अभियान एवं अन्य जनभागीदारी आधारित कार्यक्रमों की कार्ययोजना बनाने पर भी चर्चा की गई। पौधारोपण के साथ-साथ पौधों के संरक्षण की जिम्मेदारी तय करने तथा अधिक से अधिक पौधों को जीवित रखने का संकल्प लेने पर विशेष बल दिया गया। जिला समन्वयक रविन्द्र शुक्ला ने कहा कि केवल कार्यक्रम आयोजित करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि प्रत्येक गतिविधि का दस्तावेजीकरण भी आवश्यक है। समिति द्वारा किए गए कार्यों, बैठकों, निर्णयों और गतिविधियों का नियमित रिकॉर्ड रखा जाए, ताकि किए गए कार्यों का मूल्यांकन और भविष्य की योजना बेहतर ढंग से बनाई जा सके। कार्यक्रम में वरिष्ठ समाज सेवी के के पांडेय ने जन अभियान परिषद द्वारा किए जा रहे आयोजनों में परिषद की भूमिका पर प्रकाश डाला।

वर्षा काल में जिले की सभी सड़कों को दुरूस्त रखें : कलेक्टर

कलेक्टर ने सड़क सुरक्षा समिति की वर्चुअली बैठक में अधिकारियों को दिए निर्देश

उमरिया (स्वतंत्रमत)

कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय की अध्यक्षता में सड़क सुरक्षा समिति की बैठक वर्चुअली आयोजित की गई। इस अवसर पर कलेक्टर ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि वर्षा काल में जिले की सभी सड़को को दुरूस्त रखा जाए ताकि कहीं से भी पहुंच मार्ग खराब होने की शिकायतें न प्राप्त हो। उन्होने कहा कि शहरी क्षेत्र के साथ ही ग्रामीण क्षेत्र में भी जो सड़के खराब हो गई उन्हें तत्परता पूर्वक एक सप्ताह में सुधार कर यातायाता हेतु सुगम बनाया जाए। कलेक्टर सभागार से वर्चुअली बैठक में कलेक्टर ने राष्ट्रीय राजमार्ग, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना तथा एमपीआरडीसी के अधिकारियों को निर्देशित किया कि उनके क्षेत्राधिकार की सभी सड़के नियत समय में दुरूस्त कराएं। उन्होंने शहडोल मार्ग में निर्माणाधीन आरओबी के किनारें बनाएं गए वैकल्पिक मार्ग को तत्काल सुधार करानें के निर्देश दिए। उन्होंने पीडब्ल्यूडी विभाग के अधिकारी को निर्देशित किया कि अपने क्षेत्राधिकार की सड़कों में सुधार के कार्य कराएं। उन्होंने विभागीय अधिकारियों से कहा कि जल मग्न होने वाले पुल पुलियों में संकेतक लगाए जाए तथा जहां भी पुल पुलियो का निर्माण हो रहा है उसके बगल से बनाए गए वैकल्पिक मार्ग को यातायात हेतु सुगम बनाएं। कलेक्टर ने शहरी क्षेत्रों मे निर्मित फुटपाथ पर लगाई जाने वाली दुकानों को व्यवस्थित ढंग से लगवाने के निर्देश अधिकारियों को दिए ताकि फुटपाथ पर लोग पैदल चल सके। उन्होंने शहरी क्षेत्र की सड़क के किनारे की नालियों को खुली न रहने के निर्देश दिए तथा सडक के किनारे आवागमन को बाधित करने वाले ठेलों व अन्य पथ विक्रेताओं को निश्चित स्थान पर व्यवस्थित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि सड़क में मवेशियों के कारण दुर्घटना की संभावना रहती है। अतः इन्हें हटाने की व्यवस्था सुनिश्चित कराएं तथा उनके गले मे रिफलेक्टर लगाने की कार्यवाही सुनिश्चित करें। बैठक में अपर कलेक्टर प्रमोद कुमार सेन गुप्ता, डिप्टी कलेक्टर कमलेश नीरज उपस्थित रहे तथा वर्चुअल रूप से अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आलोक कुमार शर्मा सहित अन्य विभागीय अधिकारी जुडे रहे।

दीपांशु को मिली नई रोशनी

मण्डला(स्वतंत्रमत)। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.डी. जे. मोहंती ने बताया कि 10 वर्षीय दीपांशु यादव निवासी ग्राम खापा रैयत तहसील नैनपुर जन्मजात मोतियाबिंद से पीड़ित था। दृष्टि संबंधी समस्या के कारण उसे देखने और पढ़ाई करने में काफी कठिनाई होती थी जिससे उसके स्वास्थ्य एवं शिक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा था। परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण उसका महंगा उपचार कराना संभव नहीं था राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत जिला चिकित्सालय मंडला की टीम ने समय पर बच्चे की पहचान कर उसे दादा वीरेंद्रपुरी आई इंस्टीट्यूट जबलपुर रेफर किया। आरबीएसके के माध्यम से बच्चे की सभी आवश्यक जांचें एवं उपचार पूरी तरह निःशुल्क कराए गए विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम द्वारा दीपांशु के जन्मजात मोतियाबिंद का सफल ऑपरेशन किया गया।

भक्ति के साथ मनाया पर्व

मण्डला(स्वतंत्रमत)। स्थानीय अंबेडकर वार्ड स्थित श्री गुरुद्वारा साहिब में सिंधी समाज द्वारा गुरु पूर्णिमा का पर्व श्रद्धा भक्ति और धार्मिक उल्लास के साथ मनाया गया। दो दिवसीय धार्मिक आयोजन के अंतर्गत मंगलवार को श्री जपजी साहिब के अखंड पाठ का शुभारंभ किया गया जिसका बुधवार को गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर विधिवत भोग लगाया गया इस अवसर पर भजन-कीर्तन, आरती, पूजा, पल्लव अरदास एवं अमृतवाणी का आयोजन हुआ।

विद्यालय प्राचार्यो का सम्मान

मण्डला(स्वतंत्रमत)। कैबिनेट मंत्री श्रीमती संपतिया उइके की उपस्थिति में गुरुपूर्णिमा पखवाड़े के समापन अवसर पर माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा हाईस्कूल एवं हायर सेकेंडरी बोर्ड परीक्षा-2026 में शत-प्रतिशत परीक्षा परिणाम देने वाले विद्यालयों के प्राचायो का सम्मान जिला योजना भवन में आयोजित समारोह में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया।

जैविक संसाधन केंद्रों का निरीक्षण

मण्डला(स्वतंत्रमत)। कलेक्टर के निर्देशानुसार उपसंचालक सह परियोजना संचालक आत्मा अश्विनी झारिया ने विकासखंड बीजाडांडी के ग्राम लावरमुड़िया एवं धनवाही स्थित जैविक संसाधन केंद्र का निरीक्षण किया। इस दौरान केंद्रों में तैयार किए जा रहे प्राकृतिक खेती के विभिन्न जैविक आदानों और उपलब्ध संसाधनों का निरीक्षण कर उनके संचालन की समीक्षा की गई। भ्रमण के दौरान कृषि सखी गीता तेकाम, हीराकली वरकड़े, प्रभा देवी एवं रजनी मरावी ने केंद्रों में तैयार किए जा रहे जैविक उत्पादों तथा उनकी निर्माण प्रक्रिया की जानकारी दी। वहीं बीटीएम मोहित गोल्हानी ने बताया कि बीजाडांडी विकासखंड में लावर, धनवाही, मानिकसरा और विजयपुर में कुल चार जैविक संसाधन केंद्र संचालित हैं जहां प्राकृतिक खेती के लिए विभिन्न जैविक आदानों का निर्माण किया जा रहा है।

जनसुनवाई कलेक्टर से लगाई गुहार

मण्डला/मोहगांव(स्वतंत्रमत)। जिले के मोहगांव जनपद अंतर्गत ग्राम बिलगांव में शिक्षा व्यवस्था की गंभीर समस्या सामने आई है। वर्ष 2025-26 में हाईस्कूल का उन्नयन कर इसे पीएम श्री हायर सेकेंडरी स्कूल का दर्जा तो दे दिया गया लेकिन हायर सेकेंडरी कक्षाओं के लिए अब तक विषय विशेषज्ञ शिक्षकों की नियुक्ति नहीं हो सकी है इसका खामियाजा 11वीं और 12वीं के विद्यार्थियों को भुगतना पड़ रहा है समस्या के समाधान की मांग को लेकर ग्राम पंचायत बिलगांव के सरपंच लमतु सिंह धुर्वे के नेतृत्व में विद्यालय के छात्र-छात्राएं जिला मुख्यालय पहुंचे।

कैम्पा और एनपीवी मद से करोड़ों खर्च फिर भी नही सुधरे हालात लापरवाही घपलेबाजी या कहो मनमानी

मण्डला/मवई (स्वतंत्रमत)

पूर्व सामान्य वन मंडल के परिक्षेत्र मवई में चल रहे निर्माण कार्यो में सवाल हैं तो वहीं वृक्षारोपण जैसी महत्वपूर्ण योजना में भी घपलेबाजी की बूं दिखाई देने लगी है। जिससे स्थानीय रहवासियों में नराजगी देखी जा रही है। केंद्र सरकार द्वारा कैम्पा एवं एनपीवी मद के माध्यम से बिगड़े हुए वनों के पुनर्स्थापन खाली पड़े वन क्षेत्र में नए जंगल विकसित करने तथा जैव विविधता बढ़ाने के उद्देश्य से हर वर्ष करोड़ों रुपये खर्च किए जाते हैं। इन योजनाओं के तहत पहले बड़े पैमाने पर पौधारोपण कराया जाता है फिर पौधों की सुरक्षा के लिए फेंसिंग प्रवेश द्वार गेट चौकीदारी निराई-गुड़ाई सिंचाई और वर्षों तक रख-रखाव के नाम पर लगातार राशि खर्च की जाती है। उद्देश्य यह है कि कुछ वर्षों बाद वह क्षेत्र एक विकसित वन के रूप में तैयार हो जाए। लेकिन वन परिक्षेत्र पूर्व सामान्य मवई के कई वृक्षारोपण क्षेत्रों की जमीनी स्थिति इस उद्देश्य पर गंभीर सवाल खड़े कर रही है। मझगांव वृत्त अंतर्गत मझगांव बीट के कक्ष क्रमांक 1210 में वर्ष 2024-25 में 25 हेक्टेयर क्षेत्र में कैम्पा एनपीवी मद से कराए गए मिश्रित वृक्षारोपण क्षेत्र में लगे सूचना पटल में केवल कक्ष क्रमांक, वर्ष एवं 25 हेक्टेयर क्षेत्रफल का उल्लेख है जबकि कार्य की कुल स्वीकृत लागत, लगाए गए पौधों की संख्या किस-किस प्रजाति के पौधे लगाए गए तथा उनकी संख्या जैसी महत्वपूर्ण जानकारी का कहीं उल्लेख नहीं है। सूचना का अधिकार अधिनियम और सुशासन की भावना के अनुरूप सार्वजनिक धन से होने वाले कार्यों में पारदर्शिता अपेक्षित होती है लेकिन यहां सूचना पटल ही अधूरा दिखाई देता है। इससे यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि जनता के धन से हुए कार्य की मूलभूत जानकारी आखिर क्यों छिपाई गई है। जिस कार्य को विभाग ने मिश्रित वृक्षारोपण बताया है वहां मौके पर मुश्किल से एक या दो प्रजातियों के पौधे ही स्पष्ट रूप से दिखाई दिए। जबकि

मिश्रित वृक्षारोपण का उद्देश्य विभिन्न स्थानीय प्रजातियों के पौधे लगाकर जैव विविधता विकसित करना होता है। ऐसे में प्रश्न उठता है कि यदि वास्तव में मिश्रित प्रजातियों का वृक्षारोपण किया गया था तो शेष प्रजातियां कहां हैं चौंकाने वाली बात यह भी है कि यह स्थिति केवल मझगांव बीट तक सीमित नहीं है। मड़फा वृत्त के खड़देवरी मड़फा एवं मुरता सहित अन्य वृक्षारोपण क्षेत्रों में भी हालात कमोबेश ऐसे ही बताए जा रहे हैं। कई स्थानों पर पौधों की अपेक्षा घास अधिक दिखाई देती है जबकि इन क्षेत्रों पर वर्षों से पौधारोपण और रख-रखाव के नाम पर लगातार सरकारी राशि खर्च होती रही है। विडंबना यह है कि जहां एक ओर करोड़ों रुपये खर्च कर कृत्रिम वृक्षारोपण किया जा रहा है वहीं दूसरी ओर प्राकृतिक रूप से विकसित हो रहे जंगल अधिक घने स्वस्थ और जैव विविधता से भरपूर दिखाई देते हैं। यह तुलना स्वयं इस बात पर प्रश्नचिह्न लगाती है कि क्या वृक्षारोपण कार्य अपने मूल उद्देश्य को पूरा कर पा रहे हैं इस संबंध में जब मझगांव वृत्त के डिप्टी रेंजर से दूरभाष पर जानकारी लेने का प्रयास किया गया तो उन्होंने बताया कि उन्हें इस कार्य की जानकारी तत्काल याद नहीं है तथा दस्तावेज और संबंधित फाइल देखने के बाद ही जानकारी उपलब्ध करा सकेंगे। क्षेत्र में हुए महत्वपूर्ण कार्य के संबंध में जिम्मेदार अधिकारी द्वारा तत्काल जानकारी उपलब्ध न करा पाना भी विभागीय निगरानी और जवाबदेही पर सवाल खड़े करता है। अब स्थानीय लोगों के बीच कई सवाल चर्चा का विषय बने हुए हैं। 25 हेक्टेयर वृक्षारोपण पर कुल कितनी राशि खर्च हुई कौन-कौन सी प्रजातियों के कितने पौधे लगाए गए वर्तमान में कितने पौधे जीवित हैं रख-रखाव पर अब तक कितनी राशि खर्च की जा चुकी है और यदि इतना खर्च हुआ है तो धरातल पर अपेक्षित परिणाम क्यों दिखाई नहीं दे रहे स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी कैम्पा एवं एनपीवी योजनाओं का वास्तविक उद्देश्य जंगल विकसित करना और पर्यावरण संरक्षण है तो मवई वन परिक्षेत्र के सभी वृक्षारोपण कार्यों का स्वतंत्र भौतिक सत्यापन सामाजिक अंकेक्षण तथा व्यय की जांच कराई जानी चाहिए।

प्रवाहिनी समिति ने किया पौधारोपण

मण्डला(स्वतंत्रमत)

म.प्र. जन अभियान परिषद् द्वारा चयनित नवांकुर संस्था प्रवाहिनी समिति नेतृत्व में स्वैच्छिकता पर्व अंतर्गत पौधारोपण किया गया एवं नशामुक्ति कार्यक्रम का आयोजन ग्राम पंचायत बकछेरादोना में किया गया। इस अवसर पर विकास खण्ड समन्वयक संतोष कुमार झारिया ने कहा कि पेड़ हैं तो हम हैं नहीं तो हमारा अस्तित्व ही समाप्त हो जाएगा एक पेड़ मां के नाम अभियान मातृत्व के प्रति सम्मान प्रकट करने और पर्यावरण की रक्षा करने की एक अनूठी पहल है। प्रवाहिनी समिति की अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा ज्योतिषी ने नशामुक्ति अभियान के जानकारी देते हुए कहा कि नशा से दूरी है जरूरी नशा नाश की जड़ है जो हमारे समाज के लिए अभिशाप है वरिष्ठ समाजसेविका श्रीमती अनीता तिवारी ने नशा मुक्ति शपथ दिलाई इस दौरान मनोनीत पार्षद श्रीमती ममता साहू, ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति के अध्यक्ष कुंजी लाल मरावी, शाला परिवार के शिक्षक गण एवं अन्य ग्रामीण जनों की उपस्थित रहे।

गायत्री परिवार ने रक्तदान से मनाई गुरूपूर्णिमा

मण्डला(स्वतंत्रमत)

गायत्री परिवार ट्रस्ट द्वारा गायत्री शक्तिपीठ में गुरु पूर्णिमा पर्व श्रद्धा भक्ति और सेवा भाव के साथ मनाया गया। दो दिवसीय आयोजन के तहत 28 जुलाई को प्रातः 6 बजे से सायं 6 बजे तक अखंड जाप साधना संपन्न हुआ। जिसमें बड़ी संख्या में गायत्री परिवार के परिजनों ने सहभागिता कर आध्यात्मिक साधना की। वहीं 29 जुलाई को प्रातः 9 बजे से पांच कुंडीय गायत्री महायज्ञ का आयोजन किया गया। यज्ञ के उपरांत आयोजित रक्तदान शिविर में 14 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। यहा पर मण्डला ब्लड बैंक की टीम ने रक्तदातों का स्वस्थ्य परीक्षण करते हुये रक्तदान की प्रक्रिया पूरी की रक्तदाताओं ने

स्वेच्छा से रक्तदान कर मानव सेवा का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान जिला प्रशासन के सहयोग से सभी उपस्थित परिजनों ने नशामुक्त मध्यप्रदेश का संकल्प भी लिया और समाज को नशामुक्त बनाने के लिए जनजागरण का संदेश दिया। इस अवसर पर गायत्री परिवार के सभी परिजनों एवं ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने तन मन और धन से आयोजन को सफल बनाने में सक्रिय सहयोग प्रदान किया। कार्यक्रम के अंत में मुख्य प्रबंध ट्रस्टी संदीप साहू ने आयोजन में सहयोग करने वाले सभी परिजनों, ट्रस्टीगणों एवं उपस्थित श्रद्धालुओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उनके सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

वूशु में बारह खिलाड़ी संभाग में चयनित

मण्डला(स्वतंत्रमत)। जिला स्तरीय शालेय वूशु प्रतियोगिता का सफल आयोजन वूशु कोच पूर्णिमा रजक के निर्देशन में सम्पन्न हुआ प्रतियोगिता में जिले के विभिन्न विद्यालयों के खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। खिलाड़ियों के प्रदर्शन के आधार पर 12 प्रतिभाओं का चयन संभाग स्तरीय शालेय वूशु प्रतियोगिता के लिए किया गया है चयनित खिलाड़ी आगामी 5 अगस्त को सिवनी में आयोजित संभागीय शालेय वूशु प्रतियोगिता में मंडला जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे चयनित खिलाड़ियों में प्रखर बर्मन 45 किग्रा, संकेत ज्योतिषी 48 किग्रा, अनस अल्वी 52 किग्रा, हर्ष बनवाला 56 किग्रा, अनुज रजक 60 किग्रा, श्रेयांश चौरसिया 48 किग्रा, आर्या शुक्ला 45 किग्रा, गरिमा 48 किग्रा, आशी रजक 52 किग्रा, लवलीन 56 किग्रा, हेतल 70 किग्रा एवं शिवी श्रीवास्तव 45 किग्रा शामिल हैं प्रतियोगिता का संचालन वूशु कोच पूर्णिमा रजक ने किया। इस अवसर पर वेलवेदर स्कूल की पीटीआई दीपा रघुवंशी भी उपस्थित रहीं और खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया जिला शिक्षा अधिकारी मुन्नी वरकड़े एवं जिला खेल अधिकारी कन्दीलाल मरकाम ने सभी चयनित खिलाड़ियों को बधाई देते हुए संभागीय प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए शुभकामनाए दीं।

सुरंगदेवरी में नशा से दूरी कार्यक्रम

मण्डला(स्वतंत्रमत)

मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद् द्वारा चयनित नवांकुर संस्था सृजन समाज विकास समिति एवं पुलिस विभाग के संयुक्त तत्वाधान में ग्राम पंचायत मानादेई के पोषक ग्राम सुरंगदेवरी में नशा से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान के अंतर्गत नशामुक्ति संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान स्वैच्छिकता पर्व के अंतर्गत एक पेड़ मां के नाम अभियान में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया गया कार्यक्रम में एएसआई मन्नूलाल पन्द्रे ने कहा कि नशा मुक्त भारत अभियान का उद्देश्य मादक पदार्थों के सेवन एवं दुरुपयोग के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना युवाओं को स्वस्थ एवं अनुशासित जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना तथा नशामुक्त समाज का निर्माण करना है। विकासखंड समन्वयक संतोष कुमार झारिया ने कहा कि नशा समाज के लिए अभिशाप है और इससे दूर रहकर ही स्वस्थ एवं सुरक्षित जीवन संभव है। संगोष्ठी में उपस्थित वक्ताओं ने भी नशामुक्ति के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम के समापन पर सभी प्रतिभागियों ने मानव श्रृंखला बनाकर नशामुक्ति की शपथ ली तथा पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प दोहराया इस अवसर पर शाला परिवार के शिक्षक सुनील कुमार नामदेव, बृजेश डोंगसरे, मुकेश बैरागी, अमर सोनी, सोम प्रकाश पाठक विप्लव पटेल, ग्राम सचिव किशन बरमैया, पंच इन्द्र कुमार सैयाम, महिला आरक्षक आरती जंघेला, नवांकुर संस्था के कार्यक्रम समन्वयक जितेन्द्र लारेश्वर, ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति मानादेई के अध्यक्ष दीपक कुमार यादव सहित ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

महर्षि सांदीपनि में गुरु पर्व का आयोजन

मण्डला/बिछिया(स्वतंत्रमत)

शासकीय स्नातक महाविद्यालय भुआ बिछिया में भारतीय ज्ञान परम्परा प्रकोष्ठ के तत्वाधान मे गुरुपूर्णिमा अवसर पर महर्षि सांदीपनि में गुरु पर्व का आयोजन किया गया यह कार्यक्रम महाविद्यालय के प्राचार्य रोहणी कुमार कोष्टा की अध्यक्षता में संपन्न हुआ कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं मां सरस्वती की वंदना से हुआ तत्पश्चात मुख्य अतिथि महा विद्यालय के जन भागीदारी समिति अध्यक्ष पंकजपुरी गोस्वामी एवं विशिष्ट अतिथि श्रीमती रजनी मरावी अध्यक्ष नगर परिषद भुआ बिछिया एवं महाविद्यालय के समस्त शैक्षणिक स्टाफ का

पुष्पगुच्छ एवं शॉल श्रीफल द्वारा स्वागत एवं सम्मान किया गया कार्यक्रम में विद्यार्थियों द्वारा गुरु पूर्णिमा के महत्व पर प्रेरणादायक भाषण गुरु वंदना सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गई अतिथियों के उद्बोधन में सर्वप्रथम जन भागीदारी अध्यक्ष पंकज पुरी गोस्वामी के द्वारा भारतीय संस्कृति में गुरु के स्थान गुरु शिष्य परंपरा शिक्षा के महत्व तथा नैतिक मूल्यों पर प्रकाश डाला गया महाविद्यालय के प्राध्यापक अनिल कुमार परते के द्वारा प्रेरणादायक विचारों से सभी छात्राओ का मार्गदर्शन किया गया तत्पश्चात वक्ताओं द्वारा गुरु पूर्णिमा के महत्व पर प्रेरणादायक भाषण गुरु शिष्य परंपरा शिक्षा के महत्व तथा महाविद्यालय के प्राध्यापक सुखदेव सिंह वरकड़े के द्वारा महर्षि सांदीपनि जैसे महान गुरु को स्मरण करते हुए महर्षि जी के योगदान एवं उनके गुरु शिष्य परंपरा की गरिमा की अमर गाथा का बखान किया गया महाविद्यालय के प्राचार्य आरके कोष्टा के द्वारा छात्र-छात्राओं को मंगलमय आर्शीवचन से अनुग्रहित किया गया अंत में एक पेड़ गुरु के नाम थीम पर महाविद्यालय परिसर में पौधारोपण का कार्यक्रम आयोजित किया गया कार्यक्रम का सफल संचालन भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ प्रभारी संगीता मसराम एवं आभार प्रदर्शन रंजीत सिंह सैयाम के द्वारा किया गया।

श्रीकांत खंडेलवाल का निधन

नैनपुर(स्वतंत्र मत)

नगर के प्रतिष्ठित व्यवसायी श्रीकांत खंडेलवाल का अल्प बीमारी के चलते कल निधन हो गया। आपकी अंतिम यात्रा में नगर क्षेत्र के कृषकों व्यापारियों सामाजिक बन्धु सामिल हुए सभी ने अपनी संवेदनाएं प्रकट करते दो मिनट का मोन रख अश्रुपूरित श्रद्धांजलि अर्पित किया। उनके पुत्र अंकुर खण्डेलवाल ने उन्हें मुखाग्नि देकर अंतिम बिदाई दी।

ड्राइवरों ने निकाली रैली सौंपा ज्ञापन

मण्डला(स्वतंत्रमत)

राष्ट्रवादी चालक सेवा संगठन के बैनर तले ड्राइवरों ने गुरुवार को कलेक्ट्रेट पहुंचकर कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपते हुये अपनी लंबित समस्याओं के निराकरण मांग की ज्ञापन एवं रैली का नेतृत्व करते हुए संगठन के जिलाध्यक्ष श्रीचंद यादव ने बताया कि कठिन परिस्थितियों और अभावों में रहकर कार्य करने के बावजूद ड्राइवरों को अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ता है कई बार दुर्घटना स्थल पर आम लोगों के साथ-साथ पुलिस और यातायात विभाग द्वारा भी परेशान किया

जाता है उन्होंने इन समस्याओं के स्थाई समाधान के साथ-साथ अन्य मांगों को शीघ्र पूरा करने मांग की। प्रमुख मांगें ड्राइवरों की समस्याओं के त्वरित समाधान हेतु जिला स्तर पर सहायता एवं शिकायत निवारण केंद्र बनाया जाए दुर्घटना की स्थिति में ड्राइवरों को तत्कालिक आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाए बेरोजगार युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए ड्राइविंग प्रशिक्षण एवं कौशल विकास केंद्र खोला जाए। प्रत्येक ड्राइवर का लायसेंस बनवाने के साथ-साथ दुर्घटना बीमा अनिवार्य रूप से किया जाए प्रशासन और ड्राइवर संघ की संयुक्त समन्वय समिति बनाकर समय-समय पर समस्याओं का निराकरण किया जाए यादव ने कहा कि हमें पूर्ण विश्वास है कि प्रशासन हमारी मांगों पर सकारात्मक कार्यवाही करेगा जिससे ड्राइवर समाज को सम्मान और सुरक्षा प्राप्त हो सकेगी इस अवसर पर संगठन के प्रदेश अध्यक्ष संतोष यादव की उपस्थिति में सोहन गायगवाल, जबलपुर से अंकुर राजपूत, छिंदवाड़ा जिला अध्यक्ष जीतू चंद्रवंशी, यूसुफ खान, सिवनी से प्रदेश उपाध्यक्ष माखन ठाकुर, केवल पटेल, मनीष कुशवाहा सहित संगठन के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में ड्राइवर उपस्थित थे।

श्री सिद्धेश्वर धाम पहुंचे भक्त लिया आर्शीवाद

मण्डला(स्वतंत्रमत)। गुरु पूर्णिमा का पावन पर्व बुधवार को जिलेभर में श्रद्धा भक्ति और उल्लास के साथ मनाया गया। विभिन्न आश्रमों मंदिरों और नर्मदा तटों पर सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी शिष्यों ने अपने गुरुजनों का पूजन अर्चन कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया कई स्थानों पर धार्मिक अनुष्ठान भजन कीर्तन कन्या पूजन एवं भंडारे का आयोजन भी किया गया श्री सिद्धेश्वर

धाम सुरंगदेवरी में गुरु पूर्णिमा का विशेष आयोजन हुआ जहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं शिष्य अपने आराध्य गुरु पंडित ललित नारायण मिश्रा के दर्शन एवं आशीर्वाद के लिए पहुंचे। शिष्यों ने विधि-विधान के साथ गुरु पूजन कर पंडित ललित नारायण मिश्रा एवं गुरु माता की आरती उतारी इस दौरान गुरु महिमा के जयकारों से पूरा धाम भक्तिमय वातावरण में सराबोर हो गया।

विद्या रूपी समय सागर की अनंत विमल सरिताएं

नैनपुर(स्वतंत्र मत)

लघु तीर्थ क्षेत्र व्रती नगरी पिंडरई में संत शिरोमणि आचार्य भगवन श्रीविद्यासागरजी की परम प्रभावी शिष्या एवं विद्या शिरोमणि आचार्य महाराज श्रीसमयसागरजी के आज्ञानुवर्ती आर्यिका श्री 105 विमल मति माता जी का ससंघ चातुर्मास हेतु लघु तीर्थ क्षेत्र व्रती नगरी पिंडरई में भव्य मंगल प्रवेश हुआ। परम सौभाग्य से एक साथ भगवती स्वरूप सात माता जी का लाभ इस वर्ष व्रती नगरी वासियों को प्राप्त होने जा रहा है द्य सकल दिगम्बर जैन समाज बड़े हर्षोल्लास के साथ आर्यिका संघ की आगवानी में शामिल हुई। नगर के जिनालयों की वंदना के उपरांत पूज्य आर्यिका मां विमल मति माता जी की मंगल देशना का लाभ समस्त धर्म प्रेमी बंधुओं को प्राप्त हुआ। साथ ही सकल दिगम्बर जैन समाज लघु तीर्थ क्षेत्र व्रती नगरी पिंडरई द्वारा विद्या रूपी समय के सागर की अनंत विमल सरिताओं में डुबकी लगाने हेतु भारत वर्षीय सकल दिगम्बर जैन समाज को आमंत्रित भी किया गया है।

संपादकीय

उम्मीद का टास्क फोर्स

2024 की नीट-यूजी परीक्षा ने देश के लाखों छात्रों और उनके अभिभावकों को एक ऐसे दोराहे पर ला खड़ा किया था, जहां उनका सालों का परिश्रम दांव पर लग गया था। पटना और गोधरा से शुरू हुए पेपर लीक के दावों ने जब तूल पकड़ा, तो पूरे देश में हाहाकार मच गया। 2026 में फिर उसी परीक्षा का पेपर लीक हो गया। लेकिन, इस बार दिल्ली का जंतर-मंतर छात्रों के आक्रोश, विरोध-प्रदर्शनों और नारों का केंद्र बन गया। विवाद इतना बढ़ा कि केंद्र सरकार को नेशनल टेस्टिंग एजेंसी की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाने पड़े और परीक्षा प्रणाली को दुरुस्त करने के लिए उच्च स्तरीय कदम उठाने पड़े। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस मुद्दे पर खुद छात्रों से मुखातिब हुए, और एक हाई-पावर्ड टास्क फोर्स का ऐलान कर चुके हैं। लेकिन सवाल यह उठता है कि क्या केवल नई कमेटियां या टास्क फोर्स बना देने भर से यह व्यवस्था सुधर जाएगी? जून 2024 में सरकार ने एक हाई-लेवल कमेटी बनाई थी और फिर हाल ही में एक नया टास्क फोर्स सामने आया है। इन दोनों टीमों में क्या अंतर है, इनकी पृष्ठभूमि क्या है और क्या इस बार वाकई कोई बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा? 2024 का नीट पेपर लीक मुख्य रूप से बिहार के पटना और हजारीबाग से जुड़ा था। जांच में सामने आया कि पेपर को परीक्षा केंद्र से पहले चोरी कर चुनिंदा छात्रों तक दलालों के जरिए पहुंचाया गया। सुप्रीम कोर्ट ने माना कि गड़बड़ी सीमित दायरे में थी और पूरे देश में पेपर लीक होने के पक्के सबूत नहीं हैं, इसलिए राष्ट्रीय स्तर पर दोबारा परीक्षा नहीं कराई गई। सरकार ने ये दलील देकर भी छात्रों का गुस्सा शांत कर दिया कि एनटीए में रिफॉर्म के लिए हाई-लेवल कमेटी बना दी गई है। लेकिन, 2026 का मामला बुनियादी तौर पर अलग था। नीट पेपर लीक लोकल गैंग तक सीमित नहीं रहा, बल्कि परीक्षा शुरू होने से पहले बड़े स्तर पर फैल गया और परीक्षा की विश्वसनीयता ही सवालों में आ गई। इसी वजह से पूरी नीट-यूजी परीक्षा रद्द करनी पड़ी और देशभर के लाखों छात्रों को दोबारा परीक्षा देनी पड़ी। छात्रों का गुस्सा सिर्फ पेपर लीक पर नहीं, बल्कि दोबारा तैयारी, मानसिक तनाव, आर्थिक बोझ और पूरे सिस्टम पर भरोसा टूटने की वजह से कहीं ज्यादा भड़क गया। 2024 के नीट पेपर लीक कांड के बाद जिस पहली कमेटी का गठन किया गया, उसके पीछे एक स्पेशलाइज्ड एडमिनिस्ट्रेटिव अप्रोच थी। तत्कालीन हाई-लेवल कमेटी की अगुआई इसरो के पूर्व चेयरमैन डॉ. के. राधाकृष्णन ने की थी। इसमें शिक्षाविदों, आईआईटी के प्रोफेसरों और प्रशासनिक अधिकारियों को शामिल किया गया था, ताकि परीक्षा के इंफ्रास्ट्रक्चर, डेटा सिक्योरिटी और एनटीए के आंतरिक ढांचे का एनालिसिस किया जा सके. और सुधार के लिए सिफारिश दी जा सके। वहीं, प्रधानमंत्री मोदी ने जिस नई हाई-लेवल टास्क फोर्स/कमेटी का ऐलान किया है, उसका दायरा काफी बड़ा और टेक्निकल होने के साथ-साथ कहीं अधिक मॉडर्न रखा गया है। इस नई टीम में इंफोसिस के को-फाउंडर नंदन नीलेकणी, इसरो चेयरमैन एस. सोमनाथ, पूर्व आईबी चीफ तपन डेका, आईआईटी मद्रास के निदेशक वी. कामाकोटी, पूर्व शिक्षा सचिव अनिता करवाल जैसे दिग्गज नाम शामिल हैं। डिजिटल इंडिया के इस दौर में जब हर सेवा ऑनलाइन और सिक्योर हो रही है, तब देश की सबसे बड़ी मेडिकल प्रवेश परीक्षा में सेंध लगना सिस्टम पर बड़ा धब्बा है। नया टास्क फोर्स एक उम्मीद तो जगाता है। लेकिन छात्रों के लिए असली जीत तब होगी जब बिना किसी पेपर लीक, बिना किसी तकनीकी खराबी और पूर्ण पारदर्शिता के साथ परीक्षाएं संपन्न होंगी। समय सबसे बलवान है, और अब देखना यह होगा कि क्या यह नई टीम भारतीय परीक्षा प्रणाली को एक नया और सुरक्षित कल दे पाती है?

शिक्षा पर किया गया खर्च व्यय नहीं बल्कि भविष्य में किया सबसे बड़ा निवेश है

शिक्षा ही विकसित भारत की सबसे मजबूत नींव

सौरभ वार्ष्णेय

किसी भी राष्ट्र की उन्नति, उसकी आर्थिक शक्ति, वैज्ञानिक उपलब्धियाँ, सामाजिक समरसता और लोकतांत्रिक मूल्यों का आधार उसकी शिक्षा व्यवस्था होती है। यदि किसी देश की शिक्षा व्यवस्था मजबूत है तो वह देश सीमित प्राकृतिक संसाधनों के बावजूद विश्व में अग्रणी स्थान प्राप्त कर सकता है। जापान, दक्षिण कोरिया, सिंगापुर और फिनलैंड जैसे देशों ने यह सिद्ध किया है कि प्राकृतिक संसाधनों से अधिक महत्वपूर्ण मानव संसाधन होता है और मानव संसाधन को श्रेष्ठ बनाने का सबसे प्रभावी माध्यम शिक्षा है।

भारत आज विश्व की सबसे युवा आबादी वाला देश है। यह हमारे लिए सबसे बड़ा अवसर भी है और सबसे बड़ी चुनौती भी। यदि इस युवा शक्ति को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, आधुनिक कौशल और शोध के अवसर मिलते हैं तो भारत विश्व की अग्रणी अर्थव्यवस्था बन सकता है। लेकिन यदि शिक्षा व्यवस्था कमजोर रही तो यही जनसंख्या हमारे लिए बेरोजगारी, असमानता और सामाजिक तनाव का कारण भी बन सकती है। इसलिए आज सबसे अधिक आवश्यकता शिक्षा तंत्र में व्यापक और गंभीर सुधार की है।

शिक्षा का उद्देश्य केवल विद्यार्थियों को परीक्षा पास कराना या डिग्री दिलाना नहीं होना चाहिए। वास्तविक शिक्षा वह है जो व्यक्ति को सोचने की क्षमता दे, उसे जिम्मेदार नागरिक बनाए, वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करे और समाज के प्रति उत्तरदायित्व का भाव पैदा करे।

आज दुर्भाग्य से हमारी शिक्षा व्यवस्था का बड़ा हिस्सा अंक, प्रमाणपत्र और प्रतियोगी परीक्षाओं तक सीमित होकर रह गया है। विद्यार्थी का मूल्यांकन उसकी रचनात्मकता, नैतिकता और व्यावहारिक ज्ञान से अधिक उसके परीक्षा परिणामों से किया जाता है। इससे शिक्षा का मूल उद्देश्य कहीं पीछे छूटता जा रहा है।

किसी भी भवन की मजबूती उसकी नींव पर निर्भर करती है। यही बात शिक्षा पर भी लागू होती है। यदि प्राथमिक शिक्षा मजबूत नहीं होगी तो उच्च शिक्षा की पूरी संरचना कमजोर रह जाएगी।

देश के हजारों सरकारी प्राथमिक विद्यालय आज भी बुनियादी सुविधाओं से वंचित हैं। कहीं पर्याप्त शिक्षक नहीं हैं, कहीं भवन जर्जर हैं, कहीं प्रयोगशालाएँ नहीं हैं, तो कहीं पुस्तकालय केवल नाम मात्र के हैं। कई विद्यालयों में एक ही शिक्षक पूरी स्कूल व्यवस्था संभालने को मजबूर है। ऐसे में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की कल्पना कैसे की जा सकती है?

ग्रामीण क्षेत्रों में स्थिति और भी चिंताजनक है। अनेक बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध नहीं हो पाती। परिणामस्वरूप शहरी और ग्रामीण विद्यार्थियों के बीच एक बड़ा शैक्षणिक अंतर पैदा हो जाता है, जो आगे चलकर प्रतियोगी परीक्षाओं और रोजगार के अवसरों में भी दिखाई देता है। आज समाज का एक बड़ा वर्ग सरकारी विद्यालयों की बजाय निजी विद्यालयों को प्राथमिकता देता है। इसका सबसे बड़ा कारण गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की अपेक्षा है।

यदि सरकारी विद्यालयों में पर्याप्त शिक्षक, आधुनिक प्रयोगशालाएँ, डिजिटल कक्षाएँ, खेल सुविधाएँ और अनुशासित शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराया जाए तो लाखों गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों को बेहतर शिक्षा मिल सकती है। दुर्भाग्य यह है कि सरकारी विद्यालयों में पढने् वाले अधिकांश बच्चे आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग से आते हैं। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का अभाव सामाजिक असमानता को और बढ़ाता है।सरकारों को सरकारी विद्यालयों को केवल योजनाओं का केंद्र नहीं बल्कि उत्कृष्ट शिक्षा का मॉडल बनाना होगा।

शिक्षा व्यवस्था की गुणवत्ता का सबसे महत्वपूर्ण आधार शिक्षक होता है। आधुनिक भवन, स्मार्ट क्लास और डिजिटल उपकरण तभी उपयोगी हैं जब शिक्षक प्रेरित, प्रशिक्षित और उत्तरदायी हों। आज अनेक राज्यों में वर्षों तक शिक्षक भर्ती नहीं होती। कई विद्यालय अतिथि शिक्षकों के भरोसे चल रहे हैं। दूसरी ओर शिक्षकों को पढ़ाने से अधिक गैर-शैक्षणिक कार्यों में लगाया जाता है। चुनाव ड्यूटी, सर्वेक्षण, जनगणना और अनेक प्रशासनिक कार्य उनके मूल दायित्व को प्रभावित करते हैं।शिक्षकों को निरंतर प्रशिक्षण, आधुनिक शिक्षण तकनीकों की जानकारी और सम्मानजनक कार्य वातावरण उपलब्ध कराना समय की आवश्यकता है। जिस देश में शिक्षक का सम्मान कम होगा, वहाँ शिक्षा का स्तर भी लंबे समय तक ऊँचा नहीं रह सकता।

विश्व तेजी से बदल रहा है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता रोबोटिक्स, डेटा साइंस, साइबर सुरक्षा, सेमीकंडक्टर, जैव प्रौद्योगिकी और हरित ऊर्जा जैसे क्षेत्र भविष्य की अर्थव्यवस्था निर्धारित करेंगे। भारत के अनेक शिक्षण संस्थानों में अभी भी पुराने पाठ्यक्रम पढ़ाए जा रहे हैं। उद्योगों की आवश्यकता और शिक्षा के बीच बड़ा अंतर है। परिणाम यह है कि डिग्रीधारी युवाओं की संख्या बढ़ रही है, लेकिन रोजगार योग्य युवाओं की संख्या अपेक्षाकृत कम है।शिक्षा को उद्योग, अनुसंधान और कौशल विकास से जोडऩा होगा। विद्यालय स्तर से ही विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच, नवाचार और उद्यमिता को प्रोत्साहित करना होगा।पिछले कुछ वर्षों में विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक, परीक्षा रद्द होने, परिणामों में देरी और पारदर्शिता पर प्रश्नचिह्न जैसे मामलों ने लाखों युवाओं का विश्वास कमजोर किया है। एक विद्यार्थी कई वर्षों तक कठिन परिश्रम करता है। परिवार अपनी आर्थिक क्षमता से अधिक खर्च करता है। लेकिन यदि परीक्षा व्यवस्था ही संदिग्ध हो जाए तो सबसे बड़ा नुकसान विद्यार्थियों के मनोबल का होता है।परीक्षा प्रणाली को पूरी तरह डिजिटल सुरक्षा, पारदर्शिता और समयबद्ध प्रक्रिया से जोडऩा होगा। दोषियों के विरुद्ध कठोर दंड सुनिश्चित होना चाहिए ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। आज भारत के हजारों प्रतिभाशाली विद्यार्थी उच्च शिक्षा के लिए विदेश जा रहे हैं। इसके पीछे केवल बेहतर विश्वविद्यालय ही कारण नहीं हैं बल्कि अनुसंधान सुविधाएँ, प्रयोगशालाएँ, आर्थिक सहायता और नवाचार का वातावरण भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

यदि भारत में विश्वस्तरीय शोध संस्थान, पर्याप्त अनुसंधान निधि और उत्कृष्ट शिक्षकों की उपलब्धता सुनिश्चित हो तो बड़ी संख्या में विद्यार्थी देश में ही रहकर शोध और नवाचार करना चाहेंगे।प्रतिभा का पलायन केवल आर्थिक नुकसान नहीं है, बल्कि यह बौद्धिक पूंजी का भी नुकसान है। विश्व के अग्रणी देशों की पहचान उनके विश्वविद्यालयों और शोध संस्थानों से होती है। भारत में भी अनेक उत्कृष्ट संस्थान हैं, लेकिन उनकी संख्या देश की आवश्यकता के अनुपात में बहुत कम है।

विश्वविद्यालयों में शोध को केवल औपचारिकता नहीं बल्कि नवाचार का माध्यम बनाना होगा। उद्योग और विश्वविद्यालयों के बीच सहयोग बढ़ाया जाए ताकि शोध का लाभ समाज और अर्थव्यवस्था दोनों को मिल सके।

शिक्षा को मातृभाषा से जोडऩा अत्यंत आवश्यक है क्योंकि प्रारंभिक शिक्षा मातृभाषा में अधिक प्रभावी होती है। साथ ही अंग्रेज़ी सहित अन्य वैश्विक भाषाओं का ज्ञान भी आवश्यक है।वास्तविक आवश्यकता भाषा विवाद की नहीं बल्कि भाषा संतुलन की है। विद्यार्थी अपनी भाषा में सोच सके और वैश्विक मंच पर किसी भी भाषा में संवाद भी कर सके।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति ने अनेक सकारात्मक दिशा-निर्देश दिए हैं-बहुविषयक शिक्षा, कौशल विकास, मातृभाषा पर जोर, लचीला पाठ्यक्रम और शोध को प्रोत्साहन। लेकिन किसी भी नीति की सफलता उसके प्रभावी क्रियान्वयन पर निर्भर करती है।नीति तभी सफल होगी जब राज्यों, शिक्षकों, अभिभावकों और समाज की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित हो।

शिक्षा का दायित्व केवल सरकार का नहीं है। परिवार, समाज, उद्योग, शिक्षण संस्थान और स्वयं विद्यार्थी भी समान रूप से जिम्मेदार हैं। अभिभावकों को बच्चों पर केवल अंक लाने का दबाव नहीं डालना चाहिए, बल्कि उनकी रुचि और क्षमता को समझना चाहिए। समाज को विद्यालयों से जुडऩा होगा और उद्योग जगत को शिक्षा एवं कौशल विकास में निवेश बढ़ाना होगा। यदि भारत को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाना है तो सबसे बड़ा निवेश शिक्षा में करना होगा। सड़कें, पुल, हवाई अड्डे और उद्योग महत्वपूर्ण हैं, लेकिन उनसे भी अधिक महत्वपूर्ण वह मानव संसाधन है जो इन सबका निर्माण करता है।गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, पारदर्शी परीक्षा प्रणाली, सक्षम शिक्षक, आधुनिक पाठ्यक्रम, मजबूत सरकारी विद्यालय, विश्वस्तरीय शोध संस्थान और समान अवसर-यही विकसित भारत की वास्तविक पहचान होंगे।

भारत आज एक निर्णायक मोड़ पर खड़ा है। हमारे पास विश्व की सबसे बड़ी युवा शक्ति है। यदि इस शक्ति को सही दिशा मिली तो भारत केवल आर्थिक महाशक्ति ही नहीं बल्कि ज्ञान महाशक्ति भी बन सकता है।

शिक्षा पर किया गया खर्च व्यय नहीं बल्कि भविष्य में किया गया सबसे बड़ा निवेश है। सरकारों को शिक्षा को चुनावी घोषणाओं का विषय बनाने की बजाय राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाना होगा। संसद से लेकर पंचायत तक, नीति निर्माण से लेकर विद्यालय तक और शिक्षक से लेकर अभिभावक तक-हर स्तर पर शिक्षा को सर्वोच्च महत्व देना होगा।

जिस दिन देश का प्रत्येक बच्चा समान अवसरों के साथ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करेगा, उसी दिन विकसित भारत का सपना वास्तविकता में बदलने लगेगा। शिक्षा तंत्र में सुधार केवल शिक्षा का प्रश्न नहीं, बल्कि भारत के भविष्य, लोकतंत्र की मजबूती और आने वाली पीढ़ियों के उज्वल कल का प्रश्न है। इसलिए समय की मांग है कि शिक्षा को राजनीति से ऊपर उठाकर राष्ट्र निर्माण के सबसे बड़े अभियान के रूप में देखा जाए।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार, चिंतक, राजनीतिक विचारक है।)

सावधान! घर बैठे कमाई वाला वो एक मैसेज आपको बना सकता है डिजिटल गुलाम

दिलीप कुमार पाठक

घर बैठे मोबाइल से कमाएं रोज के पांच हजार रुपए! आजकल फेसबुक, इंस्टाग्राम या व्हाट्सएप खोलते ही ऐसे लुभावने मैसेज हर तरफ तैरते हुए दिख जाते हैं। मंदी और बेरोजगारी के इस दौर में जब जेब तंग हो, तो ऐसे विज्ञापन किसी वरदान या लॉटरी जैसे लगते हैं। लेकिन जरा ठहरिए! जिस लिंक पर आप एक क्लिक करने जा रहे हैं, वो आपको अमीर बनाने का रास्ता नहीं, बल्कि एक ऐसे दलदल का रास्ता है जहाँ से आप कंगाल और बर्बाद होकर ही बाहर निकलेंगे। हर साल 30 जुलाई को दुनिया भर में मानव तस्करी के खिलाफ विश्व दिवस मनाया जाता है।

जब भी हम मानव तस्करी का नाम सुनते हैं, तो हमारे दिमाग में पुरानी फिल्मों जैसा कोई सीन आता है - जैसे किसी का जबरन किडनैप कर लेना, किसी मासूम को बंधक बनाकर मजदूरी कराना या भीख मंगवाना। लेकिन आज के इस चमचमाते डिजिटल जमाने में अपराधियों ने अपना तरीका पूरी तरह बदल लिया है। आज का सबसे नया और खतरनाक सच है साइबर स्लेवरी यानी डिजिटल गुलामी। अब इंसानों को किसी अंधेरी कोठरी में नहीं, बल्कि कंप्यूटर स्क्रीन के सामने बैठाकर इंटरनेट की अदृश्य जंजीरों से गुलाम बनाया जा रहा है। इस पूरे काले खेल की शुरुआत बहुत ही सीधे और मासूम तरीके से होती है। आपको व्हाट्सएप पर एक अनजान नंबर से मैसेज आएगा कि यूट्यूब वीडियो लाइक करो और घर बैठे पैसे कमाओ। आप उनके कहे अनुसार वीडियो लाइक करते हैं और आपके खाते में सचमुच 200-300 रुपए आ भी जाते हैं। यहाँ पर बड़ी चालाकी से आपका भरोसा जीत लिया जाता है। इसके बाद असली जाल बिछाया जाता है। वो आपसे कहेंगे कि अगर और ज्यादा मोटी कमाई करनी है, तो आपको थोड़ा पैसा इन्वेस्ट करना होगा। घर बैठे रातों-रात अमीर बनने के लालच में लोग अपनी जिंदगी भर की जमा-पूंजी, यहाँ तक कि कर्ज लेकर या घर के गहने बेचकर लाखों रुपए इन फर्जी वेबसाइट्स पर लगा देते हैं। जब तक हमें समझ आता है कि हम पूरी तरह लुट चुके हैं, तब तक स्क्रीन के उस पार बैठा ठग अपना डिजिटल बोरिया-बिस्तर समेटकर गायब हो चुका होता है। यह तो इस गंदे खेल का सिर्फ एक हिस्सा है।

इसका दूसरा और सबसे डरावना रूप वो है जो हमारे देश के पढ़े-लिखे युवाओं के साथ विदेशों में हो रहा है। कंबोडिया, म्यांमार और थाईलैंड जैसे देशों में डेटा एंट्री या कंप्यूटर ऑपरेटर की आलीशान नौकरी का लालच देकर भारतीय लड़कों को बुलाया जाता है। वहां पहुंचते ही उनके पासपोर्ट छीन लिए जाते हैं और उन्हें बंदूक की नोक पर बड़ी-बड़ी इमारतों में बंद कर दिया जाता है। इसके बाद उनसे जबरन भारत में बैठे मासूम लोगों को फोन करके या मैसेज भेजकर ठगने का काम कराया जाता है। जो युवा ऐसा करने से मना करते हैं, उन्हें कई-कई दिनों तक भूखा रखा जाता है, लोहे की रॉड से बेरहमी से पीटा जाता है और करंट के झटके दिए जाते हैं। यानी हमारे ही देश के बेरोजगार लड़कों को बंधक बनाकर, उन्हीं के हाथों दूसरे भारतीयों को लुटवाया जा रहा है। यह स्थिति बेहद भयानक है। सरकार और पुलिस अपनी तरफ से कोशिश कर रही हैं, लेकिन सिर्फ पुलिस के भरोसे इस अदृश्य दुश्मन से नहीं जीता जा सकता। इस डिजिटल गुलामी की जंजीरों को तोड़ने का एक ही तरीका है - हमारी खुद की समझदारी। हमें यह छोटी सी बात समझनी होगी कि दुनिया में कोई भी कंपनी बिना किसी मेहनत या बिना किसी इंटरव्यू के घर बैठे मुफ्त में पैसे नहीं बांटती। अगर कोई ऑफर जरूरत से ज्यादा अच्छा लग रहा है, तो समझ जाइए कि दाल में कुछ काला नहीं, बल्कि पूरी दाल ही काली है। अगर कभी अनजाने में आप ऐसे किसी जाल में फंस जाएं या आपके साथ कोई ऑनलाइन फ्रॉड हो जाए, तो डरने या समाज के डर से छिपने की बिल्कुल जरूरत नहीं है। सरकार ने इसके लिए पुख्ता इंतजाम किए हैं। ऐसी स्थिति में तुरंत भारत सरकार के राष्ट्रीय साइबर अपराध हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करें। जितनी जल्दी आप इस नंबर पर शिकायत करेंगे, आपके पैसे वापस मिलने की उम्मीद उतनी ही ज्यादा होगी, याद रखिए, आपकी एक सावधानी आपको बर्बाद होने से बचा सकती है।

(लेखक पत्रकार हैं)

बार-बार सड़कों पर उतरती जनता लोकतंत्र के लिए चेतावनी या अवसर

अनिरुद्ध सिंह 'कुसुम'
लेखक/पत्रकार

प्रदर्शन की लोकतंत्र में एक अहम भूमिका है, और लोकतंत्र में प्रदर्शन नागरिकों का मूलभूत अधिकार भी है। हम कह सकते हैं कि लोकतंत्र है तो प्रदर्शन भी है, इसलिए लोकतंत्र में प्रदर्शन कोई चिंताजनक बात नहीं लेकिन ज्यादा प्रदर्शन जरूर चिन्ता का विषय है, की सरकार जनसमुदाय की बातों की बिल्कुल भी नहीं सुन रही, यहां एक बात और गौरतलब है कि प्रदर्शन ना होना गंभीर बात है दरअसल इसका मतलब ये है कि या तो सरकार प्रदर्शन के सख़्त खिलाफ़ है या जनता बेहद डरी हुई है बहरहाल भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। यहाँ संविधान ने हर नागरिक को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, शांतिपूर्ण विरोध और अपनी बात सरकार तक पहुँचाने का अधिकार दिया है। लोकतंत्र में प्रदर्शन सिर्फ नारेबाजी नहीं, बल्कि जनता की आवाज़ का सबसे बड़ा हथियार है। लेकिन जब हर हफ्ते कोई न कोई वर्ग सड़क पर दिखे, तो यह सवाल उठता है कि क्या हमारी व्यवस्था में कहीं संवाद की कमी तो नहीं? पिछले कुछ वर्षों में भारत में आंदोलनों की बाढ़ सी आ गई है। कभी किसान ख्क्ककको लेकर दिल्ली की सीमाओं पर डटते हैं, कभी छात्र पेपर लीक और भर्ती घोटालों के खिलाफ जंतर-मंतर पर बैठते हैं। युवा रोजगार की मांग में, कर्मचारी पुरानी पेंशन के लिए, महिलाएं सुरक्षा के लिए, व्यापारी टैक्स नीतियों के खिलाफ और विभिन्न जातीय व क्षेत्रीय संगठन अपने हक की आवाज़ उठाते नजर आते हैं। यह विविधता लोकतंत्र की ताकत है। लेकिन इसकी आवृत्ति चिंता का कारण भी है। जब एक ही समय में देश के अलग-अलग कोनों से असंतोष की आवाजें उठें, तो इसका मतलब साफ है कि समाज के कई वर्ग खुद को नजरअंदाज महसूस कर रहे हैं। उनकी समस्याएं फाइलों में दब रही हैं, और समाधान के लिए उनके पास सड़क के अलावा कोई रास्ता नहीं बचता।

लोकतंत्र में विरोध का होना स्वस्थ संकेत है। यह दिखाता है कि नागरिक जागरूक हैं और अपने अधिकारों के प्रति सजग हैं। शांतिपूर्ण प्रदर्शन से नीतियों में बदलाव भी हुए हैं। लेकिन जब विरोध की संस्कृति आदत बन जाए, जब हर समस्या का हल केवल धरने-प्रदर्शन से निकले, तब यह व्यवस्था की नाकामी को भी उजागर करता है। सबसे बड़ा खतरा तब पैदा होता है जब संवाद टूट जाता है। सरकार और जनता के बीच सेतु कमजोर हो जाए, तो अविश्वास बढ़ता है। फिर छोटी मांग भी बड़े आंदोलन का रूप ले लेती है। लाठी, इंटरनेट बंदी और गिरफ्तारी से समस्या दबती जरूर है, लेकिन खत्म नहीं होती। वह अगले रूप में, अगले मुद्दे के साथ फिर सामने आती है। अर्थशास्त्री मानते हैं कि लगातार आंदोलन का असर विकास पर भी पड़ता है। उद्योग, निवेश, शिक्षा और रोजमर्रा का जीवन प्रभावित होता है। सामाजिक ताना-बाना भी कमजोर होता है। एक वर्ग का आंदोलन दूसरे वर्ग के लिए असुविधा बन जाता है। तब सवाल उठता है कि लोकतंत्र की जीत किसकी हुई? लेकिन निराशा के बीच अवसर भी है। हर प्रदर्शन एक फीडबैक है। यह सरकार को बताता है कि नीति कागज पर अच्छी लग सकती है, लेकिन जमीन पर उसका असर क्या है। यदि इस फीडबैक को गंभीरता से लिया जाए तो प्रदर्शन टकराव से संवाद में बदल सकते हैं। इसके लिए 3 चीजें जरूरी हैं। पहला, समयबद्ध संवाद। कोई भी बड़ा निर्णय लेने से पहले संबंधित वर्गों से बात हो। दूसरा, पारदर्शिता। नीतियों के पीछे का तर्क जनता को समझाया जाए। तीसरा, जवाबदेही। घोषणा के बाद क्रियान्वयन की निगरानी हो और देरी पर जवाब मांगा जाए। एक मजबूत लोकतंत्र वही है जहाँ जनता को बार-बार सड़क पर न उतरना पड़े। जहाँ पंचायत से लेकर संसद तक हर स्तर पर जनता की बात सुनी जाए। जहाँ विकास का लाभ आखिरी व्यक्ति तक पहुंचे। जहाँ अदालतों और संस्थाओं पर भरोसा हो कि वह बिना दबाव के न्याय करेंगे।

लोकतंत्र में प्रदर्शन का दोहरा चेहरा

सकारात्मक पक्ष-1.जनता की आवाज़ सरकार तक पहुंचती है 2. नीतियों में सुधार,जवाबदेही आती है 3.नागरिक समाज जागरूक होता है

चिंता का पक्ष-1. शासन और जनता के बीच अविश्वास बढ़ता है 2. आर्थिक गतिविधियां और जनजीवन प्रभावित होता है। 3. संस्थाओं पर से भरोसा कम होता है

आख़िर क्या हो प्रदर्शन प्रोटोकॉल ताकि न होने पाए उपद्रव?

कमलेश पांडे

किसी भी लोकतंत्र में प्रदर्शन का अधिकार और जन-जीवन की सुरक्षा-दोनों समान रूप से महत्वपूर्ण हैं। इसलिए ऐसा प्रोटोकॉल होना चाहिए जो शांतिपूर्ण विरोध की रक्षा करे, लेकिन हिंसा, आगजनी और तोड़फोड़ को रोके। गत दिनों कॉकरोच जनता पार्टी/सीजेपी के विरोध प्रदर्शन के दौरान दिल्ली या अन्य राज्यों में जो कुछ हुआ, उससे यह प्रश्न एक बार पुनः प्रासंगिक हो चुका है।

चूंकि इससे पहले भी अनेक प्रदर्शन उग्र हुए, जिससे सरकारी व निजी संपत्ति की क्षति हुई, पर कार्रवाई वही लीपापोती वाली या फिर दलगत प्रतिशोध जैसी, जबकि दोनों अनुचित हो। ऐसी कोई भी कार्रवाई निष्पक्ष होनी चाहिए। जानकारों की राय में एक संतुलित प्रदर्शन प्रोटोकॉल इस प्रकार हो सकता है-

पहला, पूर्व अनुमति और उत्तरदायित्व- आयोजकों को समय, मार्ग, अनुमानित भीड़ और जिम्मेदार पदाधिकारियों की जानकारी पहले से देनी चाहिए।

दूसरा, शांति की लिखित प्रतिज्ञा- आयोजक यह लिखित आश्वासन दें कि प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहेगा। हिंसा होने पर दोषी व्यक्तियों के विरुद्ध कार्रवाई में सहयोग करेंगे।

तीसरा, निर्धारित स्थान और मार्ग- प्रदर्शन के लिए तय मार्ग और स्थान हों, ताकि अस्पताल, स्कूल, एम्बुलेंस और आवश्यक सेवाएं बाधित न हों।

चौथा, वीडियो रिकॉर्डिंग और बॉडी कैमरा- पुलिस और आयोजकों-दोनों की ओर से रिकॉर्डिंग हो, ताकि बाद में यह स्पष्ट हो सके कि हिंसा किसने शुरू की।

पांचवां, हथियार और खतरनाक सामग्री पर प्रतिबंध- लाठी, पेट्रोल, पत्थर, ज्वलनशील पदार्थ या अन्य खतरनाक सामान लाने पर रोक हो।

छठा, चरणबद्ध पुलिस कार्रवाई- पुलिस पहले संवाद करे, फिर चेतावनी दे, उसके बाद ही आवश्यकता पड़ने पर न्यूनतम बल का प्रयोग करे।

सातवां, तोड़फोड़ की भरपाई- यदि जांच में साबित हो कि किसी व्यक्ति या समूह ने सार्वजनिक या निजी संपत्ति को नुकसान पहुंचाया है, तो उससे क्षतिपूर्ति वसूली जाए। केवल भीड़ में मौजूद होने के आधार पर किसी पर दायित्व न डाला जाए।

आठवां, उकसाने वालों की पहचान- सीसीटीवी, ड्रोन और वीडियो साक्ष्यों के आधार पर वास्तविक उपद्रवियों की पहचान कर कार्रवाई हो। शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों और हिंसक तत्वों में स्पष्ट अंतर किया जाए।

नौवां, स्वतंत्र निगरानी- बड़े प्रदर्शनों में न्यायिक या स्वतंत्र पर्यवेक्षकों की व्यवस्था हो, जिससे पुलिस और प्रदर्शनकारियों-दोनों की जवाबदेही बनी रहे।

दसवां, समान कानून, समान अनुपालन- नियम किसी भी संगठन, दल, जाति या विचारधारा के लिए अलग-अलग नहीं होने चाहिए। कानून का निष्पक्ष और समान रूप से पालन ही जनता का विश्वास बढ़ाता है।

ऐसा प्रोटोकॉल लोकतंत्र को कमजोर नहीं, बल्कि मजबूत करेगा। इससे नागरिकों का शांतिपूर्ण विरोध का अधिकार भी सुरक्षित रहेगा और समाज को हिंसा, आगजनी तथा सार्वजनिक संपत्ति की क्षति से भी बचाया जा सकेगा।

ज्वलंत प्रश्न- प्रोटोकॉल टूटने पर राजनीतिक दलों और संगठनों के नेतृत्व व संलिप्त तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होना चाहिए या नहीं? चूंकि यह एक नीतिगत और कानूनी प्रश्न है। लिहाजा इसका संतुलित उत्तर यह है कि सिर्फ नेतृत्व के पद पर होने के कारण कार्रवाई नहीं होनी चाहिए, लेकिन यदि कानून के अनुसार उनकी जिम्मेदारी या संलिप्तता सिद्ध होती है, तो अवश्य होनी चाहिए।

लोकतांत्रिक व्यवस्था में निम्न सिद्धांत उचित माने जा सकते हैं- एक, यदि नेतृत्व ने हिंसा के लिए उकसाया, उसका निर्देश दिया, या हिंसक गतिविधियों की योजना में शामिल था, तो उसके विरुद्ध आपराधिक कार्रवाई होनी चाहिए।

दो, यदि न्यायिक प्रक्रिया या जांच से यह सिद्ध हो कि नेतृत्व ने जानबूझकर हिंसा रोकने के अपने दायित्व की अनदेखी की, तो प्रासंगिक कानूनों के तहत जवाबदेही तय की जा सकती है।

तीन, यदि प्रदर्शन की शर्तों का गंभीर उल्लंघन हुआ और आयोजक ने सहयोग नहीं किया, तो भविष्य में अनुमति पर प्रतिबंध, आर्थिक दंड या अन्य वैधानिक कार्रवाई जैसे उपाय किए जा सकते हैं।

लेकिन केवल इसलिए कि कोई व्यक्ति किसी दल या संगठन का प्रमुख है, उसके विरुद्ध बिना साक्ष्य के कार्रवाई करना कानून के शासन और प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के विपरीत होगा।

सबसे उपयुक्त व्यवस्था यह होगी कि व्यक्तिगत आपराधिक जिम्मेदारी साक्ष्य के आधार पर तय हो। संगठनात्मक जिम्मेदारी अलग से तय हो, जैसे क्षतिपूर्ति या प्रशासनिक दंड। सभी दलों और संगठनों पर एक ही नियम समान रूप से लागू हों। अंतिम निर्णय स्वतंत्र जांच और न्यायिक प्रक्रिया के आधार पर हो, न कि राजनीतिक दबाव में। इस प्रकार, कठोर जवाबदेही होनी चाहिए, लेकिन वह साक्ष्य, निष्पक्ष जांच और विधि के शासन पर आधारित होनी चाहिए, न कि केवल पद या राजनीतिक पहचान पर।

स्वतंत्र मत
जबलपुर
गुरुवार 30 जुलाई 2026

एआई ने बदली पढ़ाई की दुनिया, पाठकों को मिल रही किताबों से बातचीत की सुविधा

न्यूयॉर्क

जरा सोचिए एक ऐसी दुनिया के बारे में जहां आप किताब पढ़ते समय उससे कोई सवाल पूछ सकें। अब नए एआई टूल्स यही सुविधा दे रहे हैं जिससे पाठक ठीक ऐसा ही कर सकते हैं। इन टूल्स की मदद से यूजर्स को ई-बुक या ऑडियोबुक के साथ-साथ एक एआई चैटबॉट भी मिलता है।

अगर आप किसी किरदार के मकसद या कहानी के ऐतिहासिक बैकग्राउंड को लेकर उलझन में हैं तो बस पूछ लीजिए। पाठक किसी किरदार की सोच, ऐतिहासिक संदर्भ या किसी दार्शनिक विचार को गहराई से समझ सकते हैं इसके लिए अलग से रिसर्च करने की जरूरत नहीं है।

टेस्टिंग के दौर से गुजर रहे Sinai.ai के सीईओ अहमद कामेल कहते हैं, आप एक किताब के साथ ऐसे व्यवहार कर रहे हैं जैसे वह कोई जीवित चीज हो। यह बिल्कुल अलग है। फ्रांसीसी स्टार्टअप माई स्मार्ट बुक ने अप्रैल के बीच में कुछ ऐसा ही लॉन्च किया। सिनाई की तरह इसका चैटबॉट भी सिर्फ किताब के असली टेक्स्ट का इस्तेमाल करता है। इसमें कोई बाहरी जानकारी शामिल नहीं होती।

किताबें बेचने वाली दिग्गज कंपनी अमेजन भी इसमें शामिल है। उसकी ऑडियोबुक कंपनी

ऑडिबल ने आस्क ए क्वेश्चन (सवाल पूछें) नाम का एक फीचर लॉन्च किया था। सुनते समय आप एक बटन दबाकर अपना सवाल पूछ सकते हैं, जवाब सुन सकते हैं और फिर कहानी को वहीं से आगे बढ़ा सकते हैं जहां आपने उसे छोड़ा था। ऑडिबल के एक प्रवक्ता ने कहा, हम कस्टमर एक्सपीरियंस को बेहतर बनाने के लिए एआई-पावर्ड फीचर की संभावनाओं को लेकर उत्साहित हैं। उन्होंने आगे कहा कि यह टूल खास तौर पर उस ऑडियोबुक के बारे में सवालों के जवाब देने के लिए बनाया गया है जिसे सुनने वाला अभी सुन रहा है।

इसके अलावा एआई वॉइस टेक की उभरती हुई कंपनी ElevenLabs ने ElevenReader Voice Chat बनाया है। कंपनी का कहना है कि यह किसी भी किताब को दोतरफा बातचीत में बदल देता है। इन सब के बीच एक सवाल यह भी है कि पढ़ने की इस नई सुपरपावर को बनाने के लिए किसे पैसे मिलते हैं या किसे इसकी इजाजत है। यह एक मुश्किल सवाल है। Sinai.ai का कहना है कि वह सिर्फ वही किताबें उपलब्ध कराता है जो या तो पब्लिक डोमेन में हैं या जिनके लिए लेखक, उनके एस्टेट या पब्लिशर ने पहले मंजूरी दी है। एक और कंपनी iChatbook अलग तरह से काम करती है। इसके फाउंडर ब्रायन यांग कहते हैं, हमारी चैट बुक किताबों की लाइब्रेरी नहीं है। यह कॉन्सेप्ट, आइडिया और फैक्ट्स की लाइब्रेरी है।

असली टेक्स्ट देने के बजाय एआई मुख्य आइडिया निकालता है और उन्हें आसान भाषा में समझाता है। यांग को लगता है कि यह छात्रों के लिए फायदेमंद हो सकता है और चूंकि यह कभी भी किताब से सीधे कोट नहीं करता इसलिए यह कॉपीराइट से जुड़ी कई परेशानियों से बच जाता है।

हालांकि, हर प्लेटफॉर्म इतना सावधान नहीं है। जैसे माईरीडर यूजर्स को कोई भी किताब अपलोड करने देते हैं चाहे वह कॉपीराइट के तहत हो या नहीं और फिर उसे एआई इंटरफेस से जोड़ देते हैं। गूगल का नोटबुकएलएम भी कॉपीराइट की जांच नहीं करता है और न ही BookWorm AI ऐसा करता है जो चैटजीपीटी पर आधारित एक टूल है और खुद को बुक कंपैनियन कहता है। Sinai.ai का कहना है कि उसने कुछ ऐसा बनाया है जिसे वह एआई राइट्स कहता है। एक ऐसा सिस्टम जो लेखकों और पब्लिशर्स को तब पैसे देता है जब उनके काम का इस्तेमाल चैटबॉट द्वारा किया जाता है।

दिसंबर में ऑथर्स गिल्ड ने अमेजन के आस्क दिस बुक टूल की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा, इसके लिए कोई लाइसेंस नहीं लिया गया है, इससे कोई नई कमाई नहीं होती है और पब्लिशर्स और लेखकों को इसमें शामिल होने या न होने का कोई विकल्प नहीं मिलता है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि इससे एक खतरनाक मिसाल कायम होती है।

जेलेंस्की-नेतन्याहू की मुलाकात से 1914 जैसे हालात

रूस-ईरान के खिलाफ साथ मिलकर लड़ेंगे यूक्रेन-इजरायल और अमेरिका?

वाशिंगटन

रूस और यूक्रेन के बीच करीब चार साल से युद्ध चल रहा है। वहीं इस साल फरवरी में अमेरिका-इजरायल के ईरान पर हमला करने से मिडिल ईस्ट में भी युद्ध छिड़ गया। ये दोनों युद्ध अलग-अलग भू-राजनीतिक घटनाओं के तौर पर चल रहे हैं, लेकिन मंगलवार को अमेरिका में यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की और इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की मुलाकात ने कई तरह की अटकलों को शुरू कर दिया है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की और इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू लगभग एक ही समय पर वाशिंगटन पहुंचे। वे दिवंगत सीनेटर लिंडसे ग्राहम के अंतिम संस्कार में शामिल होने आए थे।

लिंडसे ग्राहम ईरान के खिलाफ अमेरिका के सख्त रुख के समर्थक थे। वहीं उन्होंने रूस के खिलाफ यूक्रेन की युद्ध नीतियों का भी

समर्थन किया। जेलेंस्की और नेतन्याहू की मुलाकात से व्हाइट हाउस दो ऐसे युद्धों के केंद्र में आ गया है जो तेजी से एक-दूसरे से जुड़ते जा रहे हैं। इस मुलाकात के साथ ही यह सवाल खड़ा हो गया है कि ये मुलाकात सिर्फ राजनीतिक तौर पर सीमित रहेगी या यह इन युद्धों को और ज्यादा हिंसक रूप दे देगी। कुछ इतिहासकार और राजनयिक का मानना है कि दुनिया में प्रथम विश्व युद्ध से पहले के 1914 से हालात बनते जा रहे हैं। इनका मानना है कि अलग-अलग क्षेत्रीय संकटों के गठबंधन, गलत अनुमान और तनाव बढ़ने की वजह से आपस में जुड़ने का जो खतरा तब था, वैसा ही कुछ अब भी दिखाई दे रहा है।

विश्लेषकों की इन बातों के पीछे की वजह कैस्पियन सागर में शुरू हुआ नया टकराव है। यह दुनिया का सबसे बड़ा अंतर्देशीय जल निकाय है। जेलेंस्की ने दावा किया कि यूक्रेनी सेना ने उन जहाजों पर हमला किया जो कथित तौर पर रूस और ईरान के बीच सैन्य सामान ले जा रहे थे।

यूक्रेन की सुरक्षा सेवा ने बताया कि उन्होंने ईरानी ड्रोन और सैन्य आपूर्ति ले जाने वाले जहाजों के साथ-साथ रूस की अन्य सैन्य संपत्तियों को भी निशाना बनाया। ईरान ने इस दावे को खारिज कर दिया। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने यूक्रेन पर ईरानी जहाज पर हमला करने और एक नाविक की जान लेने का आरोप लगाया। अराघची ने यूक्रेन को चेतावनी देते हुए कहा, इन हरकतों का जवाब जरूर दिया जाएगा।

ईरान की वॉर्निंग पर यूक्रेन के विदेश मंत्री एंड्री सिबिहा ने कहा, ईरान के पास पीड़ित होने का दिखावा करने का कोई आधार नहीं है। कीव का कहना है कि ईरान ने मॉस्को को हथियार देकर सालों पहले ही यूक्रेन युद्ध में अपनी भागीदारी शुरू कर दी थी। एंड्री सिबिहा ने दावा किया कि तेहरान 2022 से ही रूस को शाहिद ड्रोन और अन्य सैन्य तकनीक की आपूर्ति कर रहा है, ऐसे हथियार जिनसे यूक्रेनी नागरिकों की मौत हुई है।

भीषण गर्मी से परेशान यूरोप में एसी खरीदने की होड़

पेरिस। यूरोप के ज्यादातर हिस्सों में एयर कंडीशनिंग को एक गैर-जरूरी विलासिता माना जाता था, जबकि अमेरिकियों ने इसे रोजमर्रा की जिंदगी का एक आम हिस्सा बना लिया था। पश्चिमी यूरोप के लोगों की इस सोच में अब बदलाव आ गया है, क्योंकि इस बार यूरोप में जबरदस्त हीटवेव के कारण तापमान 100एस्र से ऊपर पहुंच गया। हीटवेव के चलते यूरोपीय लोग बड़ी संख्या में एसी यूनिट खरीद रहे हैं। बिजनेस इनसाइडर की रिपोर्ट के मुताबिक, बाजार के जानकारों का कहना है कि यह ट्रेंड स्थायी है, न कि अस्थायी। यूरोप में जहां कूलिंग समाधानों को पहले फिजूलखर्ची माना जाता था, लेकिन अब लोगों की सोच में बदलाव आ रहा है। इंग्लैंड के एसेक्स में रहने वाले कीरन हीथ जैसे लोगों की सोच बदल गई है। गर्मियों में बढ़ती गर्मी और पंखों से जूझने के बाद, हीथ ने पिछले साल एक पोर्टेबल यूनिट पर यू 585 खर्च किए। इंग्लैंड के इस शख्स ने बताया, एक बार जब आप इसे ले लेते हैं, तो आपको एहसास होता है कि यह कितना सही फैसला था यूरोप में लोगों की बदलती सोच दिखा रही है कि एसी अब कोई विलासिता नहीं, बल्कि जीवित रहने के लिए जरूरी चीज बन गया है।

पत्नी और 6 बच्चों को गोलियों से भूनकर पति ने किया सुसाइड, इंटर्न के साथ अफेयर का था आरोप

मिशिगन

अमेरिका के मिशिगन में 6 बच्चों के साथ मारी गई महिला ने अपनी मौत से पहले पति पर एक युवा इंटर्न के साथ कथित अफेयर का आरोप लगाया था। उसने रेडिट पर इस अफेयर से उसके रिश्ते पर पड़े असर के बारे में भी लिखा। रिपोर्ट के अनुसार, 47 साल के क्रिस्टोफर कैरोल्कीविज ने मिशिगन के ग्रैंड हेवन टाउनशिप में अपने घर पर अपनी पत्नी 39 साल की अमांडा मैंडी कैरोल्कीविज और 5 से 15 साल की उम्र के अपने छह बच्चों की गोली मारकर हत्या कर दी और फिर खुदकुशी कर ली। जांचकर्ताओं का यह भी

मानना है कि गोलीबारी के बाद घर के अंदर जान-बूझकर कई जगहों पर आग लगाई गई थी।

24 जुलाई को आग लगे घर में इमरजेंसी सर्विस वालों को बुलाए जाने के बाद उस जोड़े और उनके बच्चों के शव मिले। सोमवार को ओटावा काउंटी शेरिफ ऑफिस ने पुष्टि की कि परिवार के सभी आठ सदस्यों की मौत गोली लगने से हुई थी और इस मामले को हत्या-आत्महत्या का संदिग्ध मामला बताया। अधिकारियों ने यह भी बताया कि आग में परिवार के पालतू जानवरों की भी मौत हो गई।

द डेट्रॉइट न्यूज और द हॉलैंड सेंटिनल के अनुसार, मैंडी ने 2024 में रेडिट यूजरनेम MandyK1179 से अपनी शादी के बारे में पोस्ट किया था। पोस्ट में मैंडी ने बताया कि क्रिस्टोफर से उनकी मुलाकात तब हुई थी जब वह इंटर्न के तौर पर काम कर रही थीं। उस समय क्रिस्टोफर उनसे उम्र में बड़े थे और उनका तलाक हो चुका था। सालों बाद जब वे साथ मिलकर जिंदगी बिता चुके थे और बच्चों की परवरिश कर चुके थे तो मैंडी ने आरोप लगाया कि क्रिस्टोफर का किसी दूसरी इंटर्न के साथ संबंध बन गया था और वह इंटर्न उसी उम्र की थी, जिस उम्र की मैंडी थीं जब वे दोनों पहली बार मिले थे।

उन्होंने लिखा, उनका तलाक हो चुका था और वे मुझसे उम्र में बड़े थे। दस साल और पांच बच्चों के बाद वे फिर से इंटर्न के साथ धोखा कर रहे थे। वही उम्र, जो मेरी तब थी जब मैं इंटर्न थी। उन्होंने लिखा कि एक साल तक खुद को दोष देने के बाद उन्हें आखिरकार एहसास हुआ कि उन्हें अपने पति के कामों का बोझ नहीं उठाना चाहिए। कथित अफेयर के बावजूद उन्होंने कहा कि उन्होंने मुख्य रूप से अपने बच्चों की खातिर शादी बचाने की कोशिश की। उन्होंने लिखा, मैं खुद से कहती रही इस समय मैं अपने पति से जितनी नफरत करती हूं, उससे कहीं ज्यादा अपने बच्चों से प्यार करती हूं। उन्हें इस बात का जरा भी अंदाजा नहीं था। साढ़े चार साल बाद अब हम बेहतर स्थिति में हैं लेकिन रिश्ते को अच्छा बनाए रखने के लिए अभी भी संघर्ष करना पड़ता है। उनमें हमेशा से ही कुछ गंभीर कमियां थीं, जिन्हें मैंने नजरअंदाज कर दिया था। वे एक ऐसे टॉक्सिक पारिवारिक माहौल में पले-बढ़े थे जहां हर बात पर झूठ बोलने को बढ़ावा दिया जाता था। मैंडी ने यह भी दावा किया कि पति के गुप्त व्यवहार को पकड़ने के बाद दंपति ने वैवाहिक परामर्श लिया।

अतिक्रमण हटाने की मांग को लेकर टॉवर पर चढ़ा युवक

प्रयागराज, (वार्ता)

उत्तर प्रदेश में प्रयागराज जिले के सोरांव थाना क्षेत्र में सरकारी तालाब से अतिक्रमण हटाने की मांग को लेकर एक युवक बुधवार सुबह करीब 120 फीट ऊंचे मोबाइल टावर पर चढ़ गया। प्रशासन के समझाने और राजस्व टीम द्वारा मौके पर पैमाइश शुरू किए जाने के बावजूद युवक कई घंटे तक टावर से नीचे नहीं उतरा। पुलिस सूत्रों के अनुसार सोरांव थाना क्षेत्र के बेनीपुरी गांव निवासी किसान लवकुश सिंह का आरोप है कि उनके घर के सामने स्थित सरकारी तालाब पर पड़ोसियों ने अवैध कब्जा कर रखा है। उन्होंने बताया कि पिछले तीन माह से वह अतिक्रमण हटाने के लिए प्रशासनिक अधिकारियों से शिकायत कर रहे हैं, लेकिन कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई।इसी से क्षुब्ध होकर लवकुश बुधवार सुबह लहठी बाजार स्थित करीब 120 फीट ऊंचे मोबाइल टावर पर चढ़ गए। उनके हाथ में संबंधित अभिलेखों की फाइल भी थी। उन्होंने घोषणा की कि जब तक तालाब से कब्जा नहीं हटाया जाएगा, तब तक वह नीचे नहीं उतरेंगे। सूचना मिलने पर चौकी प्रभारी अनुराग शर्मा, नायब तहसीलदार धर्मेंद्र कुमार, पुलिस उपायुक्त श्यामजीत, अन्य राजस्व अधिकारी तथा स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची। अधिकारियों ने युवक को समझाकर नीचे उतारने का प्रयास किया, लेकिन वह अपनी मांग पर अड़ा रहा। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बातचीत दौरान नायब तहसीलदार द्वारा युवक से टावर पर चढ़ने के कारण पूछे जाने पर दोनों के बीच तीखी नोकझोंक भी हुई। इसके बाद राजस्व विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर सरकारी तालाब की पैमाइश और सीमांकन की कार्रवाई शुरू कर दी। प्रशासन ने युवक को भरोसा दिलाया कि अतिक्रमण संबंधी शिकायत पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

अमर्यादित आचरण के आरोप में दो शिक्षक निलंबित

पटना, (वार्ता)। पश्चिम चंपारण जिले में बुधवार को अमर्यादित आचरण तथा अनुशासनहीनता के आरोप में दो शिक्षकों को निलंबित कर दिया गया है। शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी के निर्देश पर जिला शिक्षा पदाधिकारी ने यह कार्रवाई की। इस मामले में विभाग ने दोनों शिक्षकों के कृत्य को पद की गरिमा और सरकारी सेवक के आचरण नियमों का उल्लंघन माना है। शिक्षा विभाग से जारी सूचना के अनुसार निलंबित की गई विशिष्ट शिक्षिका गीतांजलि देवी और विशिष्ट शिक्षक रामप्रवेश पासवान नरकटियागंज प्रखंड के बरवा-2 स्थित राजकीय प्राथमिक विद्यालय में कार्यरत थे। विभाग ने दोनों शिक्षकों से उनके आचरण और अनुशासनहीनता के बारे में स्पष्टीकरण मांगा गया था।

छत्तीसगढ़ में ऑनलाइन हाजिरी को लेकर शिक्षकों का विरोध, आंदोलन की चेतावनी

रायपुर, (वार्ता)

छत्तीसगढ़ में शिक्षकों की ऑनलाइन हाजिरी को लेकर विरोध तेज हो गया है। छत्तीसगढ़ शालेय शिक्षक संघ ने वीएसके ऐप आधारित ऑनलाइन हाजिरी प्रणाली की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए इसमें सुधार की मांग की है। संघ ने चेतावनी दी है कि यदि तकनीकी खामियों का समाधान नहीं किया गया तो प्रदेशभर में आंदोलन किया जाएगा।

शालेय शिक्षक संघ के अध्यक्ष वीरेंद्र दुबे ने कहा कि वर्तमान ऑनलाइन अटेंडेंस व्यवस्था पूरी तरह अव्यवहारिक है। उन्होंने आरोप लगाया कि ऐप में कई तकनीकी खामियां हैं, जिसके कारण शिक्षकों को प्रतिदिन परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

वीरेंद्र दुबे ने कहा, तकनीकी समस्याओं की जिम्मेदारी शिक्षकों पर नहीं थोपी जा सकती। विभाग को पहले ऐप और पूरी व्यवस्था की कमियों को दूर करना चाहिए, तभी ऑनलाइन अटेंडेंस को प्रभावी ढंग से लागू किया जा सकता है।

संघ का कहना है कि ऑनलाइन उपस्थिति लागू करने से पहले व्यवस्था की तकनीकी मजबूती और व्यावहारिक पहलुओं पर ध्यान दिया जाना जरूरी है। शिक्षकों ने विभाग से जल्द समाधान की मांग की है।

इधर, लोक शिक्षण संचालनालय ने राज्य के सभी संभाग संयुक्त संचालकों और जिला शिक्षा अधिकारियों को निर्देश जारी किए हैं। निर्देश में कहा गया है कि जुलाई महीने का वेतन ऑनलाइन हाजिरी के आधार पर दिया जाएगा। इसके बाद शिक्षा विभाग में नई व्यवस्था को लेकर चर्चा तेज हो गई है।

शिक्षक संघ ने स्पष्ट किया है कि यदि जल्द ही तकनीकी समस्याओं को दूर कर व्यवस्था में सुधार नहीं किया गया, तो प्रदेश के शिक्षक आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे।

भक्ति भाव से मथुरा में मनायी गयी गुरु पूर्णिमा

मथुरा, (वार्ता)। उत्तर प्रदेश के मथुरा स्थित ठाकुर श्री प्रियाकांतजू मंदिर में बुधवार को गुरु पूर्णिमा महोत्सव श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर देश के विभिन्न राज्यों से पहुंचे हजारों शिष्यों ने धर्मगुरु देवकीनंदन ठाकुर जी महाराज का पूजन कर गुरु-शिष्य परंपरा का निर्वहन किया। महाराज ने शिष्यों को नशामुक्त, सात्विक एवं संस्कारयुक्त जीवन जीने का संकल्प दिलाते हुए धर्म के मार्ग पर चलने का संदेश दिया। छटीकरा मार्ग स्थित प्रियाकांतजू मंदिर के शांति सेवा सभागार में आयोजित कार्यक्रम में प्रात:काल से ही गुरु पूजन के लिए श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी रहीं। देवकीनंदन ठाकुर जी महाराज के मंदिर पहुंचने पर भक्तों ने उनका भव्य स्वागत किया ।

फिल्म/टीवी मनोरंजन

आपकी नजरों ने समझा प्यार के काबिल मुझे' जैसे अमर गीतों के रचनाकार थे राजा मेहदी अली खान

हिंदी सिनेमा में राजा मेहदी अली खान का नाम ऐसे गीतकार के रूप में याद किया जाता है, जिन्होंने प्रेम, विरह और देशभक्ति की भावनाओं से ओतप्रोत गीतों के माध्यम से श्रोताओं के दिलों पर अमिट छाप छोड़ी। राजा मेहदी अली खान ने अपने गीतों में 'आप' शब्द का अत्यंत सुंदर और प्रभावशाली प्रयोग किया। उनके लोकप्रिय गीतों में 'आप यूँ ही अगर हमसे मिलते रहे', 'आपके पहलू में आकर रो दिए', 'आपकी नजरों ने समझा प्यार के काबिल मुझे' और 'आपको राज छुपाने की बुरी आदत है' जैसे सदाबहार नगमे शामिल हैं।

एक जमींदार परिवार में जन्मे राजा मेहदी अली खान ने अपने करियर की शुरुआत आकाशवाणी, दिल्ली से की। बाद में नौकरी छोड़कर वह मुंबई पहुंचे, जहां अपने एक मित्र के प्रयास से उन्हें अभिनेता अशोक कुमार की फिल्म 'एट डेज' के लिए संवाद लिखने का अवसर मिला।

वर्ष 1945 में उनकी मुलाकात फिल्मिस्तान स्टूडियो के प्रमुख एस. मुखर्जी से हुई। एस. मुखर्जी ने उन्हें फिल्म 'दो भाई' के लिए गीत लिखने का प्रस्ताव दिया। इस फिल्म का गीत 'मेरा सुंदर सपना बीत गया' बेहद लोकप्रिय हुआ और इसके साथ ही राजा मेहदी अली खान ने बतौर गीतकार फिल्म उद्योग में अपनी मजबूत पहचान बना ली।

देशभक्ति से ओतप्रोत गीतों के क्षेत्र में भी उनका योगदान उल्लेखनीय रहा। फिल्म 'शहीद' के लिए लिखा गया उनका गीत 'वतन की राह में वतन के नौजवान शहीद हो' आज भी देशभक्ति गीतों में विशेष स्थान रखता है और श्रोताओं को भावुक कर देता है।

फिल्म उद्योग में प्रतिष्ठा हासिल करने के बावजूद राजा मेहदी अली खान बेहद विनम्र स्वभाव के थे। उन्होंने कभी यह नहीं देखा कि वह किसी नए संगीतकार के साथ काम कर रहे हैं या किसी स्थापित नाम के साथ। वर्ष 1950 में फिल्म 'मदहोश' के माध्यम से संगीतकार मदन मोहन के साथ उनकी जोड़ी बनी, जो आगे चलकर हिंदी सिनेमा की सबसे सफल गीतकार-संगीतकार जोड़ियों में शुमार हुई।

'मदहोश' के बाद राजा मेहदी अली खान और मदन मोहन ने मिलकर अनेक यादगार गीत रचे, जिन्होंने हिंदी फिल्म संगीत को नई ऊंचाइयां प्रदान कीं। गीत लेखन के अलावा उन्होंने कई कविताएं और कहानियां भी लिखीं, जो बीसवीं सदी, खिलौना और शमा जैसी प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में प्रकाशित होती थीं। अपने गीतों से लगभग चार दशकों तक श्रोताओं को भावविभोर करने वाले महान गीतकार राजा मेहदी अली खान का 29 जुलाई 1996 को निधन हो गया। उनके रचे गीत आज भी संगीत प्रेमियों के दिलों में जीवित हैं और आने वाली पीढ़ियों को भी प्रेरित करते रहेंगे।

67वर्ष के हुए संजय दत्त

अभिनेता संजय दत्त आज 67 के हो गए। 29 जुलाई 1959 को मुंबई में जन्मे संजय दत्त को अभिनय की कला विरासत में मिली। उनके पिता सुनील दत्त हिंदी सिनेमा के प्रतिष्ठित अभिनेता और मां नरगिस जानी-मानी फिल्म

अभिनेत्री थीं। फिल्मी माहौल में पले-बढ़े संजय दत्त अक्सर अपने माता-पिता के साथ शूटिंग देखने जाते थे, जिससे उनका रुझान भी अभिनय की ओर बढ़ा। उन्होंने बतौर बाल कलाकार अपने पिता के बैनर तले बनी फिल्म रेशमा और शेरा से सिने करियर की शुरुआत की। बतौर अभिनेता संजय दत्त ने 1981 में प्रदर्शित फिल्म रॉकी से बॉलीवुड में कदम रखा। फिल्म की सफलता ने उन्हें रातोंरात पहचान दिलाई। इसके बाद 1982 में उन्हें सुभाष घई निर्देशित विधाता में काम करने का अवसर मिला। हालांकि 1982 से 1986 तक का दौर उनके करियर के लिए चुनौतीपूर्ण रहा और उनकी कई फिल्में बॉक्स ऑफिस पर असफल रहीं। 1993 में आई खलनायक उनके करियर की सबसे सफल फिल्मों में गिनी जाती है। फिल्म में ग्रे शेड वाले किरदार को उन्होंने प्रभावशाली ढंग से निभाया। इसी मुंबई बम विस्फोट मामले में नाम आने के कारण उन्हें कानूनी परेशानियों और जेल यात्रा का सामना भी करना पड़ा। 1999 में प्रदर्शित वास्तव ने उनके करियर को नई ऊंचाई दी। इस फिल्म में शानदार अभिनय के लिए उन्हें पहली बार सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का फिल्मफेयर पुरस्कार मिला। इसी रिलीज हुई हसीना मान जाएगी में उन्होंने अपने हास्य अभिनय से भी दर्शकों को प्रभावित किया। संजय दत्त के करियर का सबसे लोकप्रिय अध्याय 2003 में प्रदर्शित मुन्ना भाई एम.बी.बी.एस. से जुड़ा रहा। फिल्म में उनकी और अरशद वारसी की जोड़ी को दर्शकों ने बेहद पसंद किया। फिल्म में उत्कृष्ट अभिनय के लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ हास्य अभिनेता का फिल्मफेयर पुरस्कार मिला। 2006 में इसका सीक्वल लगे रहो मुन्ना भाई भी बड़ी हिट साबित हुआ।

बस कंडक्टर से कॉमेडी किंग बने जॉनी वाकर

बॉलीवुड में अपने जबरदस्त कॉमिक अभिनय से दर्शकों के दिलो में गुदगुदी पैदा करने वाले हंसी के बादशाह जॉनी वाकर को बतौर अभिनेता अपने सपनों को साकार करने के लिए बस कंडक्टर की नौकरी भी करनी पड़ी थी। मध्य प्रदेश के इंदौर में एक मध्यमवर्गीय मुस्लिम परिवार में जन्मे बदरुद्दीन जमालुद्दीन काजी, जिन्हें दुनिया जॉनी वाकर के नाम से जानती है, बचपन से ही अभिनेता बनने का सपना देखते थे। वर्ष 1942 में उनका परिवार मुंबई आ गया। परिवार की आर्थिक स्थिति को देखते हुए उन्होंने बस कंडक्टर की नौकरी शुरू की। नौकरी के दौरान उनका अनोखा अंदाज यात्रियों को खूब पसंद आता था और इसी ने आगे चलकर उनके लिए फिल्मी दुनिया के दरवाजे खोले।

बस कंडक्टरी के दौरान उनकी मुलाकात अभिनेता बलराज साहनी से हुई, जिन्होंने उनकी प्रतिभा को पहचानते हुए उन्हें फिल्मकार गुरु दत्त से मिलने की सलाह दी। गुरु दत्त उनकी हास्य प्रतिभा से इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने अपनी फिल्म बाजी (1951) में उन्हें काम करने का अवसर दिया। इस फिल्म की सफलता के बाद जॉनी वाकर ने बतौर हास्य अभिनेता अपनी अलग पहचान बना ली।

बाजी के बाद वह गुरु दत्त के पसंदीदा कलाकारों में शामिल हो गए और आर-पार, मिस्टर एंड मिसेज 55, प्यासा, कागज के फूल तथा चौदहवीं का चांद जैसी फिल्मों में अपने अभिनय का जादू बिखेरा। इसके अलावा टैक्सी ड्राइवर, देवदास, चोरी-चोरी, मधुमती, मुगल-ए-आजम, मेरे महबूब और बहू बेगम जैसी फिल्मों में भी उन्होंने दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। जॉनी वाकर की लोकप्रियता का एक बड़ा कारण उन पर फिल्माए गए गीत भी थे। फिल्म सीआईडी का गीत ऐ दिल है मुश्किल जीना यहां, जरा हटके जरा बचके ये है बंबई मेरी जान आज भी याद किया जाता है। प्यासा का सर जो तेरा चकराए, मिस्टर एंड मिसेज 55 का जाने कहां मेरा जिगर गया जी और चौदहवीं का चांद का मेरा यार बना है दुल्हा जैसे गीत उनकी लोकप्रियता को नई ऊंचाइयों तक ले गए। वर्ष 1958 में प्रदर्शित फिल्म मधुमती में उत्कृष्ट अभिनय के लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता का फिल्मफेयर पुरस्कार मिला। इसके बाद वर्ष 1968 की फिल्म शिकार के लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ हास्य अभिनेता के फिल्मफेयर पुरस्कार से सम्मानित किया गया। करीब पांच दशक लंबे सिने करियर में लगभग 300 फिल्मों में अभिनय करने वाले जॉनी वाकर ने अपनी विशिष्ट शैली, संवाद अदायगी और हास्य प्रतिभा से दर्शकों के दिलों में अमिट छाप छोड़ी। भारतीय सिनेमा के इस महान हास्य कलाकार का 29 जुलाई 2003 को निधन हो गया।

विद्यार्थी नियमित स्कूल आएं, शिक्षण बने रोचक

हर स्कूल बनाए बोर्ड परीक्षा की कार्ययोजना : कलेक्टर रजनी सिंह

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत।

प्रत्येक विद्यालय का लक्ष्य विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना और उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम सुनिश्चित करना होना चाहिए। विद्यार्थी नियमित रूप से स्कूल आएं, इसके लिए विद्यालयों में आकर्षक एवं प्रेरक शैक्षणिक वातावरण बनाया जाए तथा शिक्षण को रोचक एवं गतिविधि आधारित बनाया जाए। यह निर्देश कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने शिक्षा विभाग की साईखेड़ा में आयोजित समीक्षा बैठक में प्राचार्यों को दिए। बैठक में शासकीय हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी विद्यालयों के परीक्षा परिणाम, शैक्षणिक गुणवत्ता और नामांकन की विस्तृत समीक्षा की गई। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने कहा कि विद्यालयों में बैगलेस डे, खेलकूद तथा अन्य सह-शैक्षणिक गतिविधियों को बढ़ावा दिया जाए, जिससे विद्यार्थियों की रुचि विद्यालय आने और सीखने में बढ़े। उन्होंने प्राचार्यों को निर्देशित किया कि कठिन विषयों की अपेक्षा पहले सरल विषयों और अध्यायों का अध्यापन कर विद्यार्थियों में आत्मविश्वास विकसित करें, इसके बाद जटिल विषयों की ओर बढ़ें। बोर्ड परीक्षा के टॉपर्स को विद्यार्थियों के बीच बुलाकर उनसे रूबरू कराया जाए। टॉपर्स की अध्ययन पद्धति और सफलता की रणनीति विद्यार्थियों के साथ साझा कराई जाए, ताकि अन्य विद्यार्थी भी उनसे प्रेरणा लेकर बेहतर प्रदर्शन कर सकें।कलेक्टर श्रीमती सिंह ने निर्देश दिए कि विद्यार्थियों पर शैक्षणिक सत्र की शुरुआत से ही सतत ध्यान रखा जाए। त्रैमासिक एवं अर्द्धवार्षिक परीक्षाओं के परिणामों का विषयवार और अध्यायवार विश्लेषण किया जाए, ताकि यह पता चल सके कि विद्यार्थियों को किन विषयों और किन अध्यायों में अधिक कठिनाई हो रही है। जिन विद्यार्थी परीक्षा में अनुत्तीर्ण हुए हैं अथवा अपेक्षाकृत कम अंक प्राप्त कर रहे हैं, उनके लिए विशेष शैक्षणिक योजना बनाकर अतिरिक्त कक्षाएं एवं मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने कहा कि साईखेड़ा ब्लॉक का परीक्षा परिणाम पिछले वर्ष कम रहा था इसे बेहतर बनाने की दिशा में प्रयास किया जाना होगा। समीक्षा के दौरान कक्षा 10वीं के परीक्षा परिणाम में खुर्सीपार उच्चतर माध्यमिक विद्यालय एवं देतपोन हाई स्कूल का परिणाम संतोषजनक नहीं पाए जाने पर संबंधित प्राचार्यों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए। वहीं बिछुआ हाई स्कूल एवं मनवारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय का कक्षा 10वीं का परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत रहने पर इन विद्यालयों के प्राचार्यों की सराहना की गई तथा उनकी कार्यप्रणाली और रणनीति साझा की गई। कलेक्टर ने कहा कि प्रत्येक विद्यालय अभी से बोर्ड परीक्षाओं के लिए विस्तृत कार्ययोजना तैयार करे तथा उसका नियमित क्रियान्वयन सुनिश्चित करे। साथ ही विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए भी तैयार किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि इच्छुक विद्यार्थियों को जेईई एवं नीट जैसी राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं की तैयारी के लिए विशेष मार्गदर्शन, अध्ययन सामग्री एवं अतिरिक्त शैक्षणिक सहयोग उपलब्ध कराया जाए, ताकि ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों को भी प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं में सफलता के समान अवसर मिल सकें। बैठक में अधिकारियों एवं प्राचार्यों को निर्देश दिए गए कि सभी विद्यालय निर्धारित कार्ययोजना के अनुसार कार्य करें और शिक्षा की गुणवत्ता में निरंतर सुधार लाते हुए जिले के परीक्षा परिणामों को बेहतर बनाने के लिए मिशन मोड में प्रयास करें। इस अवसर पर एसडीएम श्रीमती प्रगति वर्मा, जिला शिक्षा अधिकारी श्री अनिल कुशवाहा, जिला परियोजना समन्वयक (डीपीसी) श्री प्रदीप द्विवेदी, विकासखंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) सुश्री सीमा डोंगरे, संकुल प्राचार्य, बीआरसी एवं बीएसी उपस्थित रहे।

गुरु पूर्णिमा पर बरमान घाट का निरीक्षण

कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक पहुंचे बरमान घाट

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत।

गुरु पूर्णिमा पर्व के अवसर पर बरमान घाट पर श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं सुव्यवस्थित व्यवस्थाओं को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह एवं पुलिस अधीक्षक डॉ. ऋषिकेश मीणा ने संयुक्त रूप से व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों ने संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जाए।

निरीक्षण के दौरान निर्देश दिए गए कि होमगार्ड की टीम पूरी मुस्तैदी के साथ घाट पर तैनात रहे तथा वालंटियर्स को अलग एवं आसानी से पहचान में आने वाली यूनिफॉर्म में ड्यूटी पर लगाया जाए, ताकि श्रद्धालुओं को आवश्यकता पड़ने पर तत्काल सहायता मिल सके। कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने निर्देशित किया कि बरमान पुल एवं घाट क्षेत्र में पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। साथ ही श्रद्धालुओं को नदी के गहरे पानी में जाने से रोकने के लिए बैरिकेडिंग, चेतावनी बोर्ड एवं सतत मुनादी की व्यवस्था की जाए। उन्होंने कहा कि नाव में सवार प्रत्येक व्यक्ति के लिए लाइफ जैकेट पहनना अनिवार्य किया जाए तथा बिना लाइफ जैकेट किसी भी नाव का संचालन न हो। सभी नाव संचालकों को सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण में निर्देश दिए कि बरमान घाट पर अस्थायी नियंत्रण एवं सहायता शिविर स्थापित किया जाए, जहां पुलिस, राजस्व, होमगार्ड एवं स्थानीय गोताखोरों की संयुक्त टीम चौबीसों घंटे तैनात रहे, ताकि किसी भी आपात स्थिति में तत्काल राहत एवं बचाव कार्य किया जा सके। कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने संबंधित अधिकारियों से कहा कि गुरु पूर्णिमा पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आगमन को देखते हुए सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें और श्रद्धालुओं को सुरक्षित, व्यवस्थित एवं सुगम दर्शन एवं स्नान की सुविधा उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

महर्षि आश्रम में गुरुपूर्णिमा पर्व धूमधूाम से मनाया गया

नरसिंहपुर।स्वतंत्रमत।

महर्षि वेद विज्ञान विद्यापीठ महर्षि आश्रम में गुरुपूर्णिमा महोत्सव धूम धाम से मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत गुरुपूजन से हुआ। तत्पश्चात्य गुरु की महिमा पर विचार आश्रम प्रभारी सतीश श्रीवास्तव एवं प्रभारी अश्वनी भार्गव ने व्यक्त किए एवं कार्यक्रम में पत्रकार नीलेश जाट ने गुरु के महत्व पर प्रकाश डालते हुए महर्षि संस्थान द्वारा किए जा रहे कार्यों की प्रशंसा करते हुए यहां की शिक्षा को महत्वपूर्ण बताया। प्राचार्य सुनील शर्मा एवं आचार्य राज पाठक का सम्मान किया गया। उक्त मौके पर सुभाष ठाकुर, बद्री पटेल, गंगाराम पटेल, संतोष पटेल, जीवन पुरी,राजा श्रीवास्तव के अलावा क्षेत्रीय नागरिक, शिक्षक एवं बटुक ब्रह्मचारी मौजूद थे।

जिला अस्पताल में पहली बार लेप्रोस्कोपिक सर्जरी

नरसिंहपुर।जिला चिकित्सालय नरसिंहपुर ने स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करते हुए पहली बार लेप्रोस्कोपिक कोलेसिस्टेक्टॉमी (दूरबीन विधि से पित्ताशय की पथरी का ऑपरेशन) सफलतापूर्वक संपन्न की है। इस उपलब्धि के साथ अब जिले के मरीजों को इस अत्याधुनिक सर्जरी के लिए बड़े शहरों की ओर नहीं जाना पड़ेगा, बल्कि उन्हें अपने ही जिले में आधुनिक और विशेषज्ञ चिकित्सा सुविधा उपलब्ध हो सकेगी।इस महत्वपूर्ण उपलब्धि के पीछे कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह की दूरदर्शी पहल और स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने की प्रतिबद्धता प्रमुख रही। उनके प्रयासों से एनटीपीसी गाडरवारा द्वारा कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के अंतर्गत लगभग 3.50 करोड़ रुपये की लागत से जिला चिकित्सालय को अत्याधुनिक चिकित्सा उपकरण उपलब्ध कराए गए। इन्हीं उपकरणों की मदद से यह जटिल सर्जरी पहली बार सफलतापूर्वक की जा सकी। यह शल्यक्रिया सिविल सर्जन डॉ. राजकुमार चौधरी के मार्गदर्शन में संपन्न हुई। सर्जरी विशेषज्ञ डॉ. इति चंदोरकर एवं डॉ. संदीप प्रजापति द्वारा सफलतापूर्वक की गई, जबकि एनेस्थीसिया की जिम्मेदारी डॉ. मनीष सिसोदिया ने डॉ. शुभलक्ष्मी सिंघाई के मार्गदर्शन में निभाई। ऑपरेशन थियेटर टीम के नर्सिंग ऑफिसर भूपेंद्र सोलंकी, सुश्मिता विश्वकर्मा, प्रिया हदयु एवं नितिन साहू ने उत्कृष्ट समन्वय के साथ अपनी भूमिका निभाई। वहीं फार्मासिस्ट एवं ओटी टेक्नीशियन श्री अनीकेत पटेल का तकनीकी सहयोग भी अत्यंत सराहनीय रहा, जिनकी दक्षता से पूरी प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूर्ण हुई लेप्रोस्कोपिक सर्जरी आधुनिक चिकित्सा विज्ञान की एक उन्नत तकनीक है, जिसमें बड़े चीरे के स्थान पर छोटे-छोटे छिद्रों के माध्यम से ऑपरेशन किया जाता है। इससे मरीज को कम दर्द होता है, रक्तस्राव कम होता है, संक्रमण की संभावना घटती है तथा मरीज शीघ्र स्वस्थ होकर सामान्य जीवन में लौट सकता है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनीष कुमार मिश्रा ने इस उपलब्धि पर पूरी सर्जिकल टीम को बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता जिले की स्वास्थ्य सेवाओं को नई दिशा देने वाली है। उन्होंने बताया कि अब जिले के मरीजों को उच्च गुणवत्ता की चिकित्सा सेवाएं स्थानीय स्तर पर ही मिल सकेंगी।

विश्व हेपेटाइटिस दिवस पर केंद्रीय जेल नरसिंहपुर में स्वास्थ्य शिविर आयोजित

नरसिंहपुर।स्वतंत्रमत।

विश्व हेपेटाइटिस दिवस के अवसर पर केंद्रीय जेल नरसिंहपुर में एक विशेष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में सभी बंदियों की हेपेटाइटिस बी एवं सी की जांच की गई, साथ ही टीबी की जांच के लिए एक्स-रे भी किए गए। इस अवसर पर जिला चिकित्सा नोडल अधिकारी डॉ. राहुल नेमा, डॉ. गुलाब खातरकर एवं एपिडेमियोलॉजिस्ट/नोडल अधिकारी द्वारा बंदियों को हेपेटाइटिस ए, बी, सी, डी एवं ई के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। उन्होंने बीमारी के लक्षण, जांच, उपचार एवं बचाव के उपायों के संबंध में जागरूक करते हुए समय पर जांच कराने और सावधानी बरतने की सलाह दी। जिला अस्पताल में भी पोस्टरों के माध्यम से हेपेटाइटिस के प्रति जनजागरूकता फैलाने का कार्य किया गया तथा लैब में नियमित मॉनिटरिंग की गई। कार्यक्रम में जेल अधीक्षक, जेल स्टाफ नर्स सहित अन्य स्टाफ उपस्थित रहे।

पॉलिथीन मुक्त गाडरवारा की दिशा में नगर पालिका की अभिनव पहल, दुकानदारों को दिए गए सम्मान पत्र

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)।

नगर पालिका परिषद गाडरवारा द्वारा शहर को पॉलिथीन मुक्त बनाने के उद्देश्य से एक अभिनव अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत ऐसे दुकानदारों को सम्मान पत्र प्रदान किए जा रहे हैं, जिन्होंने अपनी दुकानों पर प्रतिबंधित पॉलिथीन का उपयोग पूरी तरह बंद कर पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सराहनीय योगदान दिया है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी रितु मेहरा की पहल पर संचालित इस अभियान का उद्देश्य व्यापारियों को जागरूक करने के साथ-साथ उन्हें पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित करना है। नगर पालिका का मानना है कि सम्मान और प्रोत्साहन के माध्यम से अधिक से अधिक व्यापारी इस अभियान से जुड़ेंगे और शहर को स्वच्छ एवं प्रदूषण मुक्त बनाने में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएंगे।

अभियान के दौरान दुकानदारों से कपड़े एवं कागज के थैलों के उपयोग को बढ़ावा देने तथा प्रतिबंधित पॉलिथीन का पूर्णतः बहिष्कार करने की अपील भी की गई। व्यापारियों ने भी इस पहल का स्वागत करते हुए नगर पालिका को अपना पूर्ण सहयोग देने का भरोसा दिलाया।

इस अभियान को सफल बनाने में संध्या उइके, सफाई व्यवस्था प्रभारी संजय श्रीवास, प्रमोद राज चौहान, संजय व्यास सहित नगर पालिका के अनेक अधिकारियों एवं कर्मचारियों की उल्लेखनीय भूमिका रही। नगर पालिका ने नागरिकों से भी अपील की है कि वे पॉलिथीन का उपयोग न करें और पर्यावरण संरक्षण के इस जनअभियान में सहभागी बनें।

कौशल प्रदर्शनी में नवाचारों की चमक

आईटी एवं आईटीईएस विद्यार्थियों के मॉडलों ने बटोरी वाहवाही

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)। विश्व युवा कौशल दिवस के अवसर पर विकास खंड चीचली के उत्कृष्ट विद्यालय चीचली में आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक एंड हार्डवेयर विषय के विद्यार्थियों द्वारा तकनीकी नवाचारों पर आधारित मॉडल प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी में विद्यार्थियों ने आधुनिक तकनीक, डिजिटल समाधान तथा रोजगारपरक कौशल से जुड़े अनेक आकर्षक एवं उपयोगी मॉडल प्रस्तुत कर अपनी रचनात्मकता, तकनीकी दक्षता और नवाचार क्षमता का उत्कृष्ट परिचय दिया। प्रदर्शनी का शुभारंभ विद्यालय प्राचार्य भूपेश ठाकुर एवं व्यावसायिक शिक्षा प्रभारी सत्यम ताम्रकार द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा तैयार किए गए विभिन्न मॉडल जैसे स्मार्ट सिटी मॉडल, स्मार्ट होम ऑटोमेशन सिस्टम, डिजिटल बैंकिंग सिस्टम, साइबर सुरक्षा मॉडल, रोबोटिक आर्म, स्मार्ट ट्रैफिक कंट्रोल सिस्टम, ई-गवर्नेंस मॉडल, बायोमेट्रिक अटेंडेंस सिस्टम विशेष आकर्षण का केंद्र रहे।

विद्यार्थियों ने प्रत्येक मॉडल की कार्यप्रणाली, उपयोगिता एवं समाज में उसकी आवश्यकता को सरल एवं प्रभावशाली ढंग से समझाया। उन्होंने बताया कि सूचना प्रौद्योगिकी केवल कंप्यूटर तक सीमित नहीं है, बल्कि आज शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, उद्योग, बैंकिंग, प्रशासन तथा दैनिक जीवन के लगभग प्रत्येक क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विद्यालय की व्यवसायिक शिक्षक मोहम्मद सरफराज तथा दिनेश गर्ग ने कहा कि वर्तमान समय कौशल आधारित शिक्षा का है। केवल डिग्री ही नहीं, बल्कि तकनीकी ज्ञान, डिजिटल दक्षता, समस्या समाधान क्षमता और नवाचार की सोच ही युवाओं को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करती है।

विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत मॉडल इस बात का प्रमाण हैं कि ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थी भी अवसर मिलने पर राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकते हैं। प्रदर्शनी के दौरान शिक्षकों एवं अभिभावकों ने भी विद्यार्थियों के मॉडलों का अवलोकन किया तथा उनके तकनीकी ज्ञान और प्रस्तुतीकरण की सराहना की। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को नवाचार, स्टार्टअप संस्कृति, डिजिटल इंडिया, मेक इन इंडिया तथा आत्मनिर्भर भारत अभियान से जुड़कर अपने कौशल को विकसित करने के लिए प्रेरित किया गया। इस प्रकार के आयोजन से विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच, तकनीकी कौशल, आत्मविश्वास एवं नवाचार की भावना को नई दिशा देंगे तथा उन्हें भविष्य में रोजगार एवं स्वरोजगार के बेहतर अवसर प्राप्त करने के लिए प्रेरित करेंगे।

कार्यशाला आयोजित कर छात्रों को योजनाओं स्वच्छता और नशामुक्ति के प्रति किया जागरूक

करेली। नगर पालिका परिषद करेली द्वारा नगर के सांदीपनि विद्यालय एवं पीएम श्री कन्या शाला में जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्रीकांत पाटर ने विद्यार्थियों से प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी), स्वच्छता, कचरा पृथक्करण, पौधारोपण एवं नशामुक्ति सहित विभिन्न विषयों पर संवाद किया। कार्यशाला में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत पात्रता एवं योजना के लाभ की जानकारी दी गई। विद्यार्थियों को बताया गया कि पात्र हितग्राही आवश्यक दस्तावेजों के साथ ऑनलाइन आवेदन कर योजना का लाभ प्राप्त कर सकते हैं। साथ ही आवास निर्माण के लिए बैंक ऋण एवं योजना के तहत मिलने वाली सुविधाओं की जानकारी भी दी गई। नशामुक्ति अभियान के तहत विद्यार्थियों से संवाद कर नशे से होने वाले दुष्परिणामों की जानकारी दी गई। समाज को नशे से दूर रखने के लिए जागरूकता फैलाने और स्वस्थ समाज के निर्माण में युवाओं की भूमिका पर चर्चा की गई। विद्यार्थियों को नशामुक्त समाज बनाने का संकल्प भी दिलाया गया। पर्यावरण संरक्षण को लेकर विद्यार्थियों को पौधारोपण के लिए प्रेरित किया गया। नगर पालिका अधिकारियों ने छात्र-छात्राओं से अपने जन्मदिन एवं अन्य शुभ अवसरों पर पौधा लगाने और उसकी देखभाल करने का संकल्प लेने का आह्वान किया। स्वच्छता की पाठशाला के दौरान विद्यार्थियों को चार प्रकार के डस्टबिन के उपयोग एवं कचरा पृथक्करण की जानकारी दी गई। बताया गया कि हरे डस्टबिन में गीला कचरा, नीले डस्टबिन में सूखा कचरा, काले डस्टबिन में घरेलू हानिकारक केमिकल वेस्ट तथा पीले डस्टबिन में डायपर और सेनेटरी पैड जैसे कचरे का निपटान किया जाना चाहिए। विद्यार्थियों से स्वच्छता को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने और अन्य लोगों को भी इसके लिए जागरूक करने की अपील की गई। कार्यशाला में मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्रीकांत पाटर, उपयंत्री श्रीमती शैव्या श्रीवास्तव, श्रीमती निधि तिवारी, आकाश पटेल, अभिषेक जाटव, संदीप पस्टारिया सहित नगर पालिका के अधिकारी-कर्मचारी एवं विद्यालय के छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

संस्कृति व परंपरा के साथ हो समाज का विकास

वनवासी कल्याण आश्रम की राष्ट्रीय बैठक संपन्न

करेली।

मानव सभ्यता और उसके विकास में संस्कृति, परंपरा,इतिहास का महत्वपूर्ण योगदान है। इनके बिना समाज अधूरा है। हमारी पहचान ही हमारी परंपरायें हैं। अस्मिता, अस्तित्व और सर्वांगीण विकास विषय पर आधारित अखिल भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम की राष्ट्रीय बैठक मध्यप्रदेश,महाकौशल प्रांत के करेली,नरसिंहपुर में संपन्न हुई। 23 से 25 जुलाई तक आहूत जागरण श्रेणी की इस बैठक में प्रांत,क्षेत्र एवं राष्ट्रीय दायित्ववान कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

देश भर से लगभग तीन सौ पचास महिला-पुरूष प्रतिनिधियों ने सहभाग किया। नेपाल से भी प्रतिनिधि शामिल रहे। बैठक करेली के तीन स्थान राजमहल,संस्कार व डी एम पैलेस सभागार में आयोजित हुई। उद्घाटन, समापन के साथ नौ सत्र संपन्न हुये।

छः आयाम जनजाति सुरक्षा मंच,जनजाति हितरक्षा, श्रद्धा जागरण, प्रचार-प्रसार लोक कला, जनजाति संपर्क आयाम के अंतर्गत जागरण श्रेणी का कार्य विभक्त है। जनजातीय समाज का सर्वांगीण विकास और स्वाभिमान के साथ जीवन यापन सुनिश्चित करना अखिल भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम का मुख्य कार्य है।

बैठक में भारत के लगभग 22000 गांवों में कार्यकर्ताओं द्वारा ग्राम-देव-दर्शन एवं गांव के देवी-देवताओं के धार्मिक स्थलों का दर्शन आगामी समय में करने का भी संकल्प लिया गया तथा पेसा-अधिनियम एवं वनाधिकार- कानून को शत-प्रतिशत गांवों में लागू करने पर जोर दिया गया।

जनजाति समाज की महिलाओं एवं युवाओं को अपने पुरखों के धर्म, संस्कृति, सभ्यता, परंपरा एवं पूजा-पद्धति से आगे भी जुड़े रहने के विषय पर बल दिया गया। इसके साथ ही कल्याण आश्रम की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक भी 26-27 जुलाई को संपन्न हुई।

उक्त बैठक में वनवासी कल्याण आश्रम के केन्द्रीय पदाधिकारी, राष्ट्रीय आयाम प्रमुख, महिला कार्य प्रमुख सहित क्षेत्र संगठन मंत्री, प्रांत संगठन मंत्री, प्रांत अध्यक्ष, प्रांत सचिव व विभाग, प्रबंधक, जिला टोली के सभी सदस्य उपस्थित रहे।

आश्रमों और मंदिरों में गूंजे गुरु वंदना के स्वर

धार्मिक स्थलों पर दिनभर चले गुरु पूजन, प्रवचन, भजन-कीर्तन व भंडारे

कटनी (स्वतंत्रमत)

गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर जिलेभर के आश्रमों और मंदिरों में श्रद्धा और भक्ति का अनुपम संगम देखने को मिला। शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक स्थित गुरु धामों में श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। गुरु पूजन, चरण वंदना, सुंदरकांड, रुद्राभिषेक, भजन-कीर्तन, आध्यात्मिक प्रवचन, महाआरती एवं विशाल भंडारों के बीच पूरा जिला भक्तिमय वातावरण में सराबोर नजर आया। प्रमुख धार्मिक स्थलों को आकर्षक ढंग से सजाया गया, जहां श्रद्धालु अपने गुरुओं के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त करते रहे। सबसे अधिक श्रद्धालुओं की भीड़ दद्दा धाम में देखने को मिली। ब्रह्मलीन परम पूज्य पं. देव प्रभाकर शास्त्री 'दद्दा जी' की पावन स्मृति में आयोजित गुरु पूर्णिमा महोत्सव में सुबह से ही समाधि स्थल पर दर्शन के लिए लंबी कतारें लगी रहीं। धाम परिसर में पार्थिव शिवलिंग निर्माण का विशेष धार्मिक अनुष्ठान आकर्षण का केंद्र रहा, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने पूरे भक्तिभाव से सहभागिता की। महारुद्राभिषेक, गुरु पूजन और महाआरती के साथ पूरा परिसर 'हर-हर महादेव' और 'दद्दा जी' के जयघोषों से गुंजायमान रहा। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए धाम समिति द्वारा व्यापक व्यवस्थाएं भी की गईं। स्लीमनाबाद-पान उमरिया मार्ग स्थित भरभरा आश्रम में परम कृपालु श्री 1008 बनवारी दास जी महाराज के सानिध्य में गुरु पूर्णिमा महोत्सव श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जा रहा है। सुबह से ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु आश्रम पहुंचकर गुरु महाराज के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त कर रहे हैं। आश्रम में गुरु पूजन, चरण वंदना, आध्यात्मिक प्रवचन एवं भजन-कीर्तन का क्रम लगातार जारी है। गुरु महाराज के प्रेरणादायी संदेशों का श्रवण करने के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ जुटी रही। कृपा पात्र सेवक रमाकांत पाठक ने बताया की आश्रम परिसर में सुबह से शाम तक गुरु प्रसाद (भंडारा) की व्यवस्था की गई है, जिसमें दूर-दराज से पहुंचे श्रद्धालु प्रसाद ग्रहण कर रहे हैं। पूरा आश्रम गुरु भक्ति और आध्यात्मिक वातावरण से सराबोर दिखाई दे रहा है।

आलौकिक छटा से गुलज़ार रहा सिध्न धाम

श्री सिद्धधाम लोढ़ा पहाड़ आश्रम में भी गुरु पूर्णिमा महोत्सव परम पूज्य गुरुदेव भगवान अनंत विभूषित पूज्य संत जु महाराज के पावन सानिध्य में महंत श्री सीता शरण जी महाराज जी के साथ श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ मनाया जा रहा है। प्रातः काल से ही गुरु भाई-बहन एवं श्रद्धालु आश्रम पहुंचकर गुरु पूजन, चरण वंदना और आशीर्वाद प्राप्त कर रहे हैं। आश्रम में भजन-कीर्तन, आध्यात्मिक सत्संग, आरती एवं महाप्रसाद का आयोजन निरंतर चल रहा है। पूरे परिसर को विशेष रूप से सजाया गया है और श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए व्यापक व्यवस्थाएं की गई हैं। कृपा पात्र भत विवेक गोल्डन पांडे, सुनील मिश्रा ने बताया की दिनभर दर्शन और गुरु कृपा प्राप्त करने के लिए श्रद्धालुओं का सिलसिला लगातार जारी रहा।

राधा भवन बना आस्था का केंद्र

लक्ष्मी नारायण मंदिर रोड स्थित राधा भवन में परम पूज्य स्वामी श्री भूपनारायण जी महाराज एवं डॉ. बालेंदु जी महाराज के सानिध्य में गुरु पूर्णिमा महोत्सव श्रद्धापूर्वक मनाया जा रहा है। कार्यक्रम की शुरुआत गणेश पूजन से हुई, जिसके बाद सुंदरकांड पाठ, गुरु पूजन एवं वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हवन संपन्न कराया गया। श्रद्धालुओं ने गुरु चरणों में पुष्प अर्पित कर आशीर्वाद प्राप्त किया। आयोजक मंडल के ऋषि चतुर्वेदी ने बताया की धार्मिक अनुष्ठानों के उपरांत विशाल भंडारे का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु प्रसाद ग्रहण कर रहे हैं। पूरे परिसर में भक्ति, श्रद्धा और गुरु वंदना का वातावरण बना हुआ है।

जिले भर अनेक आयोजन

इसके अलावा चंडिका नगर स्थित मां चंडिका मंदिर में श्री श्री 1008 लहरी जी महाराज के सानिध्य में संगीतमय सुंदरकांड, गुरु पूजन एवं विशाल भंडारा आयोजित किया जा रहा है। हनुमत कुटी धाम (देवरी आश्रम) में संत श्री 1008 सुरेंद्र दास जी महाराज के सानिध्य में गुरु वंदन, सुंदरकांड पाठ एवं महाप्रसाद का आयोजन हो रहा है। बांधा इमलाज स्थित श्री राधाकृष्ण मंदिर (लघु वृंदावन धाम) में महाआरती, संकीर्तन एवं प्रसाद वितरण तथा कुठला महाकाली मंदिर सहित जिले के अन्य प्रमुख धार्मिक स्थलों पर भी गुरु पूर्णिमा श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई जा रही है। दिनभर चले धार्मिक आयोजनों में हजारों श्रद्धालुओं ने गुरु परंपरा के प्रति अपनी अटूट आस्था व्यक्त करते हुए गुरुजनों का आशीर्वाद प्राप्त किया। भक्ति, सेवा और समर्पण के भाव से सराबोर गुरु पूर्णिमा महोत्सव ने पूरे जिले को आध्यात्मिक ऊर्जा और श्रद्धा के रंग में रंग दिया।

अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के संगठन विस्तार एवं मजबूती को लेकर जिला कांग्रेस कार्यालय में महत्वपूर्ण बैठक

कटनी (स्वतंत्रमत)

जिला कांग्रेस कार्यालय में जिला कांग्रेस कमेटी शहर के तत्वावधान में जिला अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में संगठन को और अधिक मजबूत एवं सक्रिय बनाने, नए अध्यक्षों एवं पदाधिकारियों की नियुक्ति, संगठन विस्तार तथा आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा को लेकर विस्तारपूर्वक वन-टू-वन चर्चा की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला अल्पसंख्यक प्रभारी जनाब अकबर खान एवं जिला कांग्रेस कमेटी शहर अध्यक्ष एड. अमित शुक्ला ने की। इस अवसर पर जनाब अकबर खान ने कहा कि कांग्रेस का अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ संगठन की एक मजबूत कड़ी है। प्रत्येक कार्यकर्ता को जनता के बीच सक्रिय रहकर पार्टी की विचारधारा और जनहित के मुद्दों को मजबूती से उठाना होगा। संगठन जितना मजबूत होगा, कांग्रेस उतनी ही प्रभावी ढंग से जनता की आवाज बनकर कार्य करेगी। वहीं एड. अमित शुक्ला ने कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा सामाजिक सद्भाव, समानता और भाईचारे की विचारधारा पर चलती आई है। समर्पित एवं सक्रिय कार्यकर्ताओं को संगठन में जिम्मेदारी देकर प्रत्येक वार्ड एवं बूथ स्तर तक संगठन का विस्तार किया जाएगा, जिससे कांग्रेस और अधिक सशक्त होकर जनता के बीच कार्य कर सके। बैठक में संगठन विस्तार, नए नेतृत्व को अवसर देने तथा अल्पसंख्यक समाज के बीच कांग्रेस की नीतियों एवं जनहित के मुद्दों को प्रभावी ढंग से पहुँचाने का संकल्प लिया गया। बैठक में जिला कांग्रेस कमेटी शहर अध्यक्ष एड. अमित शुक्ला, जिला अल्पसंख्यक प्रभारी जनाब अकबर खान, मारूफ अहमद हानिफी, हाजी मुश्ताक, हाजी अब्दुल कादिर (मुन्ना भाईजान), अहमद कुरैशी, राजा खान, गुलाम जफर, सैय्यद शकील, शेख कमल मंसूरी, जार्ज डेविड, सलाहुद्दीन, मजीद खान, शाजिद खान, मोहम्मद फरीद, इकलाख, अशफाक चिश्ती सहित जिला एवं शहर कांग्रेस तथा अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बरही में भीषण सड़क हादसा बेकाबू बस ने मचाई तबाही

कटनी (स्वतंत्रमत)। कटनी जिले के बरही नगर में बुधवार दोपहर एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। गहरवार बस सर्विस की एक तेज रफ्तार और अनियंत्रित बस ने सड़क किनारे खड़े एवं गुजर रहे कई वाहनों को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में एक बाइक, स्कूटी, कार तथा ठेला-टपरा क्षतिग्रस्त हो गए। घटना के दौरान सड़क पर अफरा-तफरी मच गई और लोगों ने इधर-उधर भागकर अपनी जान बचाई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बस तेज गति से आ रही थी और अचानक चालक का नियंत्रण वाहन पर नहीं रहा। देखते ही देखते बस ने एक के बाद एक कई वाहनों को टक्कर मार दी। गनीमत रही कि समय रहते लोगों ने भागकर अपनी जान बचा ली, अन्यथा बड़ा जनहानि का हादसा हो सकता था। हादसे की सूचना मिलते ही घटनास्थल पर भारी संख्या में लोगों की भीड़ जमा हो गई। मौके पर यातायात कुछ समय के लिए पूरी तरह बाधित हो गया। सूचना मिलते ही बरही पुलिस तत्काल घटनास्थल पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित करने के साथ यातायात व्यवस्था सुचारू कराने में जुट गई।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार यह हादसा बेलगाम एवं लापरवाह यातायात व्यवस्था का परिणाम माना जा रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि नगर में भारी वाहनों की तेज रफ्तार और यातायात नियमों की अनदेखी लगातार बड़े हादसों को न्योता दे रही है। नागरिकों ने प्रशासन से दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करने तथा नगर में यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने की मांग की है। फिलहाल पुलिस घटना की जांच कर रही है तथा हादसे में हुए नुकसान और संभावित घायलों की जानकारी एकत्र की जा रही है। घटना के संबंध में विस्तृत जानकारी की प्रतीक्षा है।

वैश्य महासम्मेलन का शपथ ग्रहण समारोह 2026 गरिमामय वातावरण में संपन्न

कटनी (स्वतंत्रमत)

वैश्य महासम्मेलन कटनी जिला महिला एवं युवा इकाई का शपथ ग्रहण समारोह गरिमामय एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में होटल राघव रीजेंसी में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में संगठन के नवनियुक्त पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों ने संगठन, समाज की एकता, सेवा और विकास के प्रति निष्ठापूर्वक कार्य करने की शपथ ली। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों एवं समाज के वरिष्ठजनों ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि समाज की एकता, संगठन की मजबूती और सामाजिक सेवा के क्षेत्र में सभी पदाधिकारी सक्रिय भूमिका निभाएं। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष अरविंद जैन ने कहा कि वैश्य महासम्मेलन समाज के

प्रत्येक वर्ग को साथ लेकर सामाजिक एकता, सहयोग और सेवा के क्षेत्र में निरंतर कार्य करेगा। उन्होंने कहा कि संगठन का उद्देश्य समाज के लोगों को एकजुट कर समाजहित एवं राष्ट्रहित में सकारात्मक योगदान देना है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रदेश अध्यक्ष सुधीर अग्रवाल, विशिष्ट अतिथि प्रदेश अध्यक्ष ज्योति जैन, विशिष्ट अतिथि प्रदेश महामंत्री एवं कटनी संभाग प्रभारी सुरेश सोनी, भाजपा जिला अध्यक्ष दीपक सोनी टंडन, कटनी संभाग अध्यक्ष राकेश अग्रवाल, रितु अग्रवाल, दमोह जिला प्रभारी सुशील गुप्ता, जिला अध्यक्ष दमोह के सी अग्रवाल, संभागीय युवा प्रभारी जुगल किशोर अग्रवाल, दमोह युवा अध्यक्ष विकास अग्रवाल, कटनी जिला प्रभारी मनीष त्रिसोलिया, महिला जिला प्रभारी जयंती खंताल, नवनियुक्त जिला अध्यक्ष अरविंद जैन मंचासीन एवं जिला महामंत्री बृजेश गट्टानी, जिला कोषाध्यक्ष गणेश प्रसाद गुप्ता, नगर प्रभारी अभिनंदन सरावगी, नगर अध्यक्ष सिंघई, नवनियुक्त महिला जिला अध्यक्ष नीतू गुप्ता, महिला महामंत्री आशु सुहाने, युवा जिला अध्यक्ष अंकुर जैन, बड़ी संख्या में समाज बंधु एवं संगठन के पदाधिकारी सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन गोपाल सिंघानिया एवं एडवोकेट एड. राखी गुप्ता द्वारा किया गया। आभार जिला मंत्री बृजेश गट्टानी द्वारा किया गया।

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और बेहतर सुविधाओं से सजेंगे निगम विद्यालय: महापौर ने ली शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक

कटनी (स्वतंत्रमत)। नगर निगम स्वामित्व के विद्यालयों में छात्र-छात्राओं को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से महापौर प्रीति संजीव सूरी ने बुधवार को नगर निगम शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक ली। बैठक में विद्यालयों के प्राचार्यों, शिक्षकों एवं संबंधित अधिकारियों से शैक्षणिक गतिविधियों, आधारभूत सुविधाओं और विकास कार्यों की विस्तृत जानकारी ली गई।

बैठक के दौरान ए. रविंद्र राव विद्यालय के प्राचार्य मनोज चौधरी, साधुराम विद्यालय के प्राचार्य सुमन लता तथा के.सी.एस. उच्चतर माध्यमिक शाला की प्राचार्या रूप भास्कर सहित सहायक यंत्री आदेश जैन, उपयंत्री मोना करेरा एवं शैलेंद्र प्यासी एवं शिक्षक गण बैठक में उपस्थित रहे। महापौर ने कहा कि निगम विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य निर्माण के लिए सभी शिक्षक और अधिकारी पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ कार्य करें। उन्होंने कहा कि निगम द्वारा विद्यालयों में आवश्यक विकास कार्य निरंतर कराए जा रहे हैं और यह क्रम आगे भी जारी रहेगा, ताकि विद्यार्थियों को निजी विद्यालयों के समान गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराया जा सके। बैठक के दौरान प्राचार्यों ने बताया कि निगम द्वारा कराए गए अधोसंरचनात्मक विकास, खेलकूद, सांस्कृतिक एवं रचनात्मक गतिविधियों के कारण विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और प्रवेश संख्या में भी इजाफा देखने को मिला है। ग्रामीण अंचलों के विद्यार्थी भी निगम स्कूलों में दाखिला लेने में रुचि दिखा रहे है। बैठक में प्राचार्यों ने विभिन्न आवश्यकताओं से अवगत कराया। इनमें निगम छात्रावास से विद्यालय तक विद्यार्थियों के आवागमन हेतु वाहन, शिफ्टवार चौकीदारों की व्यवस्था, भृत्य की नियुक्ति, रिक्त पदों पर विषय विशेषज्ञ शिक्षकों की पदस्थापना तथा आवश्यक शैक्षणिक उपकरण एवं फर्नीचर की मांग शामिल थीं। जिसपर महापौर ने संबंधित अधिकारियों को मांगों का परीक्षण कर प्राथमिकता के आधार पर कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। महापौर ने सभी प्राचार्यों एवं शिक्षकों को गुरुपूर्णिमा की शुभकामनाएं देते हुए 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस समारोह के अवसर पर आयोजित होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए नगर निगम विद्यालयों की प्रतिभाशाली टीम तैयार करने के निर्देश दिए, ताकि विद्यार्थी अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन कर नगर का गौरव बढ़ा सकें। महापौर ने बैठक के दौरान नगर के अन्य शासकीय स्कूलों में निगम प्रशासन के माध्यम से कराए जा रहे विकास एवं मरम्मत कार्यों की प्रगति की भी विस्तार से समीक्षा की।

क्षेत्रीय समस्याओं को लेकर दिया धरना

मण्डला(स्वतंत्रमत)। ग्राम पंचायत पोड़ी लिंगा एवं आसपास के ग्रामीणों द्वारा क्षेत्रीय समस्याओं को लेकर मंगलवार को मंडला डिंडोरी मार्ग बकौरी चौराहा ग्राम पंचायत पोड़ी में चक्काजाम किया गया। जानकारी के अनुसार क्षेत्रिय समस्याओं के निराकरण पर अनेक बार जिला प्रशासन को अवगत कराया गया किंतु ग्रामीणों की समस्याओं का शासन प्रशासन द्वारा लगातार नजर अंदाज किया जा रहा है जिससे क्षेत्रिय जनमानस में भारी रोष व्याप्त है स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि बालक माध्यमिक विद्यालय पोड़ी के भवन निर्माण, विद्युत आपूर्ति हेतु नर्मदा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पोड़ी लिंगा में बाउंड्री वॉल निर्माण एवं छात्राओं के लिए शौचालय मूत्रालय निर्माण हेतु ओर ग्राम पौड़ी माल पोड़ी रैयत में नलकूप के सुधार कार्य एवं विभिन्न मांगो को लेकर प्रशासन को अवगत कराया गया परन्तु आज दिनांक तक प्रशासन मौन धारण किए हुए है स्थानीय ग्रामीणों में भारी आक्रोश है ग्राम पंचायत पौड़ी के आसपास के दर्जनों गांवों की जनता इस चक्काजाम में सम्मिलित हुए जनता बुनियादी जरूरतों को लेकर एकजुट है प्रशासन को आवेदन के माध्यम से सूचित कर दिया गया है प्रशासन द्वारा ध्यान नहीं दिया गया।

पालक अभिभावक प्रकोष्ठ में नई नियुक्तियां

कटनी (स्वतंत्रमत)। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा जिलों में पालक अभिभावक प्रकोष्ठ के शहर ग्रामीण अध्यक्ष नियुक्त किए गए हैं। जिनमें जिला कांग्रेस अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक कुंवर सौरभ सिंह की सहमति से विजयराघवगढ़ विधानसभा क्षेत्र के अन्तर्गत बरही कचराडी को पालक अभिभावक संघ का ग्रामीण जिला अध्यक्ष बनाया गया है। वहीं दूसरी ओर क्षेत्र के दौरे के दौरान कैमोर निवासी विकास पांडे को ग्रामीण संगठन द्वारा जिला उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इनकी नियुक्ति पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता राजेंद्र सोनी, नवनियुक कांग्रेस नगर अध्यक्ष श्रीकांत गुप्ता,

उद्योग प्रकोष्ठ के प्रदेश सचिव रवि सिंह परिहार, ग्रामीण जिला संगठन महासचिव जितेंद्र सिंह एवं कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं ने हर्ष जताया है।

नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0 अभियान के तहत कटनी पुलिस द्वारा फॉरेस्टर प्लेग्राउंड से मिशन चौक तक जागरूकता मैराथन का आयोजन

कटनी (स्वतंत्रमत)

पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देशन में कटनी पुलिस द्वारा संचालित प्रदेशव्यापी नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0 जन-जागरूकता अभियान के अंतर्गत पुलिस अधीक्षक कटनी अभिनय विश्वकर्मा के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमल मौर्य के मार्गदर्शन में फॉरेस्टर प्लेग्राउंड से मिशन चौक तक एक विशाल जागरूकता मैराथन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं एवं आमजन को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराते हुए उन्हें नशामुक्त जीवन अपनाने के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्ज्वलन एवं पुष्प अर्पित कर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमल मौर्य द्वारा किया गया। इस अवसर

पर उन्होंने उपस्थित छात्र-छात्राओं एवं नागरिकों को संबोधित करते हुए कहा कि नशा केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को ही नहीं, बल्कि उसके परिवार, समाज एवं भविष्य को भी प्रभावित करता है। उन्होंने सभी से स्वयं नशे से दूर रहने तथा दूसरों को भी इसके दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करने का आह्वान किया। मैराथन में साधुराम हायर सेकेंडरी स्कूल, बाडस्ले हायर सेकेंडरी स्कूल एवं कन्या शाला पुरवार के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागियों ने नशे से दूरी है ज़रूरी, नशा मुक्त हो मध्य प्रदेश, स्वस्थ युवा, सशक्त भारत तथा भारत माता की जय जैसे प्रेरणादायी नारों के साथ शहरवासियों को नशामुक्त समाज के निर्माण का संदेश दिया। मैराथन मार्ग पर उपस्थित नागरिकों ने भी इस अभियान का उत्साहपूर्वक स्वागत किया। मैराथन के उपरांत फॉरेस्टर प्लेग्राउंड परिसर में छात्र-छात्राओं, पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा मानव श्रृंखला बनाकर नशामुक्त समाज का संकल्प लिया गया तथा सामूहिक रूप से जनजागरूकता का संदेश प्रसारित किया गया। इस दौरान उपस्थित सभी प्रतिभागियों ने शपथ लेकर नशे से दूर रहने एवं समाज को नशामुक्त बनाने में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाने का संकल्प भी लिया। कार्यक्रम के समापन पर मैराथन में भाग लेने वाले छात्र-छात्राओं एवं अन्य प्रतिभागियों के लिए फल, मिष्ठान एवं पेयजल की व्यवस्था की गई। इस अवसर पर थाना प्रभारी कोतवाली राखी पांडे, रक्षित निरीक्षक संध्या राजपूत, यातायात प्रभारी अनूप सिंह, शिक्षा विभाग से क्रीड़ा अधिकारी अनूप डांगीवाला, खेल विभाग से श्रद्धा पांडे, उमा चढ़ार, रेखा पटेल, सामाजिक न्याय विभाग से दिव्यांशु कुररिया सहित पुलिस अधिकारी, कर्मचारी, शिक्षकगण, छात्र-छात्राएं एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे। कटनी पुलिस द्वारा नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0 अभियान के माध्यम से जिलेभर में विभिन्न जागरूकता गतिविधियों का आयोजन लगातार किया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य समाज के प्रत्येक वर्ग, विशेषकर युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से जागरूक कर स्वस्थ, सुरक्षित एवं नशामुक्त मध्य प्रदेश के निर्माण में जनसहभागिता सुनिश्चित करना है।

गुलवीर सिंह और हरजिंदर कौर ने जीते रजत पदक

ग्लासगो (स्कॉटलैंड) (वार्ता)

राष्ट्रमंडल खेल 2026 में पांचवें दिन धावक गुलवीर सिंह ने ऐतिहासिक प्रदर्शन कर पुरुषों की 10 हजार मीटर दौड़ में रजत पदक जीता और वहीं भारोत्तोलन में 69 किग्रा वर्ग में हरजिंदर कौर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक अपने नाम किया।

गुलवीर सिंह ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में इतिहास रच दिया। वे राष्ट्रमंडल खेलों में पुरुषों की 10,000 मीटर दौड़ में पदक जीतने वाले पहले भारतीय एथलीट बन गए। मौजूदा एशियाई चैंपियन गुलवीर ने स्कॉट्सटाउन स्टेडियम में 27:49.78 का समय लिया और ऑस्ट्रेलिया के काई रॉबिन्सन (27: 48.93) के बाद दूसरे स्थान पर रहे, जबकि आइल ऑफ मैन के डेविड मुल्लार्की ने 27ः50.28 के समय के साथ कांस्य पदक जीता। वहीं दूसरी ओर, टीनएज हाई जम्पर पूजा सिंह अपने पहले कॉमनवेल्थ गेम्स में आठवें स्थान पर रहीं, जबकि विशाल टीके पुरुषों की 400 मीटर दौड़ के सेमीफाइनल में पहुँच गए। 25-लैप की इस दौड़ के ज़्यादातर हिस्से में लगातार बारिश के बीच दौड़ते हुए, गुलवीर शुरू से ही आगे रहने वाले ग्रुप के साथ बने रहे।

उन्होंने 3000 मीटर की दूरी 8ः39.2 में पूरी की, पांचवें स्थान पर खिसकने के बावजूद 6000 मीटर तक मुकाबले में बने रहे, और आखिरी लैप का संकेत देने वाली घंटी बजने से पहले तीसरे स्थान पर आ गए। इसके बाद भारत के इस बेहतरीन लॉन्ग-डिस्टेंस रनर ने शानदार फ़िनिशिंग की और रजत पदक पक्का किया। यह 1986 के कॉमनवेल्थ गेम्स के बाद पहली बार था जब पुरुषों की 10,000 मीटर दौड़ में कोई भी अफ़्रीकी एथलीट टॉप तीन में जगह नहीं बना पाया। यह मेडल पिछले दो सालों में गुलवीर की शानदार तरक्की में एक और उपलब्धि है। 28 वर्षीय भारतीय एथलीट ने 2023 एशियाई खेलों में ब्रॉन्ज़ मेडल जीता था, 2024 से कई बार भारतीय 10,000 मीटर का रिकॉर्ड तोड़ा है और उनके नाम 27ः00.22 का नेशनल रिकॉर्ड है। इस साल की शुरुआत में, उन्होंने इस इवेंट में वर्ल्ड एथलेटिक्स रैंकिंग के टॉप 10 में भी जगह बनाई थी। गुलवीर ग्लासगो में 5000 मीटर दौड़ में भी हिस्सा लेंगे। भारोत्तोलन में हरजिंदर कौर ने महिलाओं के 69 किग्रा स्पर्धा में रजत पदक जीता। एसईसी आर्माडिलो में खेलते हुए, 29 वर्षीय भारतीय वेटलिफ्टर ने कुल 227 किग्रा (101 किग्रा स्नैच 126 किग्रा क्लीन एंड जर्क) का भार उठाकर कॉमनवेल्थ गेम्स में लगातार अपना दूसरा पदक हासिल किया। हरजिंदर ने बर्मिंघम 2022 में महिलाओं के 71 किग्रा कैटेगरी में कुल 212 किग्रा (93 किग्रा स्नैच 119 किग्रा क्लीन एंड जर्क) का भार उठाकर कांस्य पदक जीता था।

कनाडा की शार्लेट सिमोन्यू ने 240किग्रा (108किग्रा 132किग्रा) के राष्ट्रमंडल खेल रिकॉर्ड कुल वजन के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि ऑस्ट्रेलिया की नया फीबे हेमन ने 218किग्रा (97किग्रा 121किग्रा) के साथ कांस्य पदक हासिल किया। हरजिंदर का स्नैच मुक़ाबला शानदार रहा, जिसमें उन्होंने 95किग्रा, 99किग्रा और 101किग्रा का वजन सफलतापूर्वक उठाया। उनकी आखिरी लिफ़्ट कुछ समय के लिए कॉमनवेल्थ गेम्स का रिकॉर्ड बनी, लेकिन फिर सिमोन्यू ने 104किग्रा और 108किग्रा की सफल लिफ़्ट के साथ उसे तोड़ दिया।

भारतीय खिलाड़ी ने क्लीन एंड जर्क में भी अपना शानदार फ़ॉर्म जारी रखा और 120किग्रा, 123किग्रा और 126किग्रा का वजन उठाकर बढ़त बना ली। उनकी आखिरी लिफ़्ट भी कुछ समय के लिए कॉमनवेल्थ गेम्स का रिकॉर्ड बनी, लेकिन सिमोन्यू ने क्लीन एंड जर्क की अपनी पहली कोशिश में 127किग्रा का वजन उठाकर जवाब दिया और आखिरकार स्वर्ण जीतने के सफर में इस रिकॉर्ड को और बेहतर किया।

जादुमणि सिंह, साक्षी चौधरी और प्रिया घनघस सेमीफाइनल में

भारत के जादुमणि सिंह, साक्षी चौधरी और प्रिया घनघस ने राष्ट्रमंडल खेलों के मुक्केबाजी मुकाबलों के सेमीफाइनल में प्रवेश करने के साथ ही देश के लिए पदक पक्के कर दिए हैं। जादुमणि सिंह ने ज़ाम्बिया के म्वेंगो म्वाले की आक्रामक शुरुआत का सामना करते हुए 5-0 से शानदार जीत हासिल की और पुरुषों के 55 किग्रा वर्ग के सेमीफ़ाइनल में अपनी जगह पक्की की। भारतीय मुक्केबाज साक्षी चौधरी ने महिलाओं के 51 किग्रा वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए सेमीफाइनल में जगह बनाकर भारत के लिए एक और पदक पक्का कर लिया है। साक्षी ने आयरलैंड की कैटलिन फ्रायर्स को 5-0 से हराया। अब साक्षी शुक्रवार को फ़ाइनल में जगह बनाने के लिए कनाडा की एम्बर-जेन वॉल से मुकाबला करेंगी। प्रिया घनघस ने महिलाओं के 60 किग्रा क्वार्टर-फ़ाइनल में स्कॉटलैंड की नियाम मिशेल को स्प्लिट फ़ैसले में 4-1 से हराकर सेमीफ़ाइनल में अपनी जगह पक्की की। लेकिन परवीन हुड्डा महिलाओं के 65 किग्रा क्वार्टर-फ़ाइनल में इंग्लैंड की साशा हिकी से स्प्लिट फ़ैसले में 3-2 से हार गईं।

श्रीहरि नटराज फ़ाइनल में जगह बनाने से चूके

ओलंपियन श्रीहरि नटराज पुरुषों की 100 मीटर बैकस्ट्रोक के सेमीफ़ाइनल 2 में 55.52 सेकंड के समय के साथ छठे स्थान पर रहे और फ़ाइनल में जगह नहीं बना पाए। पैरा तैराकी बुडिगिना और अली इमाम क्रमशः छठे और आठवें स्थान पर रहे पुरुषों की 50 मीटर फ्रीस्टाइल एस 13 फ़ाइनल में आरवीवीबीके बुडिगिना 25.68 सेकंड के समय के साथ छठे स्थान पर रहे, जबकि अली इमाम 28.28 सेकंड के समय के साथ आठवें स्थान पर रहे।

वेस्टइंडीज ने पाकिस्तान को 90 रनों से हराया

तारोबा (वार्ता) जेडेन सील्स (पांच विकेट), जस्टिन ग्रीव्स और केमार रोच (दो-दो विकेट) के बेहतरीन गेंदबाजी प्रदर्शन की बदौलत वेस्टइंडीज ने पहले टेस्ट मैच के चौथे दिन पाकिस्तान को दूसरी पारी में 120 रन समेट कर मुकाबला 90 रनों से जीत लिया। इसी के साथ वेस्टइंडीज ने दो मैचों की सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली है। वेस्टइंडीज ने दूसरी पारी में सात विकेट पर 126 रन से आगे खेलना शुरु किया। चौथे दिन सुबह के सत्र में मोहम्मद अली ने शमार जोसेफ (38) रन को बोल्ड कर इस साझेदारी का अंत किया। 48वें ओवर में मोहम्मद अब्बास ने केमार रोच (18) का शिकार कर लिया। 55वें ओवर की पांचवीं गेंद पर अब्बास ने जोमेल वारिकन (14) को बोल्ड कर वेस्टइंडीज की दूसरी पारी का 181 रन के स्कोर पर अंत कर दिया। इस दौरान वेस्टइंडीज के निचले क्रम के बल्लेबाजों ने उनकी बढ़त को 155 से बढ़ाकर 210 रन तक पहुंचाकर पाकिस्तान परेशानी में डाल दिया। दूसरी पारी में पाकिस्तान को जीत के लिए 211 रनों का लक्ष्य मिला। इसके बाद बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान को वेस्टइंडीज के गेंदबाजों ने शुरुआती झटके दिए, जिससे वे कभी वापसी नहीं कर पाए। पूरे दिन बाबर आज़म अकेले संघर्ष करते दिखे, जबकि उनके साथ बल्लेबाजी करने वाले साथी आते-जाते रहे। पाकिस्तान के पास लक्ष्य का पीछा करने के लिए पांच से कुछ ज़्यादा सेशन थे। वे मुश्किल से दो सेशन ही टिक पाए और हार गए। लंच ब्रेक से पहले ही शुरुआती झटकों ने उन्हें मुश्किल में डाल दिया था। तीसरे ओवर में ही इमाम-उल-हक केमार रोच का शिकार बने। अतिरिक्त उछाल के कारण वे चकमा खा गए और गेंद उनके बल्ले का किनारा लेकर पीछे होप के हाथों में चली गई। सील्स ने एक साधारण सी गेंद पर विकेट लेकर अपने पांच विकेट का सिलसिला शुरू किया, जब ओपनर अज़ान अवैस ने शरीर से दूर शॉट खेलने की कोशिश में हाफ-वॉली पर गेंद का किनारा दे दिया। इसके बाद सील्स ने सलमान आगा को पगबाधा आउट किया, जो छह गेंदों का सामना करने के बाद भी खाता नहीं खोल पाए। लंच तक पाकिस्तान का स्कोर 10 ओवर में 28/3 था।

अनिमेष कुजूर 200 मी सेमीफ़ाइनल के लिए क्वालिफ़ाई

भारत के अनिमेष कुजूर ने अपनी हीट जीतकर और ओवरऑल स्टैंडिंग में सातवें स्थान पर रहकर राष्ट्रमंडल खेलों में पुरुषों के 200 मी सेमीफ़ाइनल के लिए क्वालिफ़ाई किया। भारतीय नेशनल रिकॉर्ड होल्डर ने सीज़न के बेस्ट 20.46 सेकंड के साथ अपनी हीट जीती और अब वह गुरुवार को सेमीफ़ाइनल के लिए ट्रैक पर वापसी करेंगे। अनिमेष कुजूर ने 200 मी हीट जीतने के बाद कहा, मैंने सिर्फ सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करने के लिए खुद को तैयार किया। सेमीफाइनल में, मुझे अपना बेस्ट देना होगा। कोई दूसरा ऑप्शन नहीं है। उन्होंने आगे कहा, यह पहली बार है जब मैं इस ट्रैक पर कदम रख रहा हूं, और यह बहुत अच्छा लगा। और मुझे ऐसा लग रहा है कि मैं उड़ने वाला हूं।

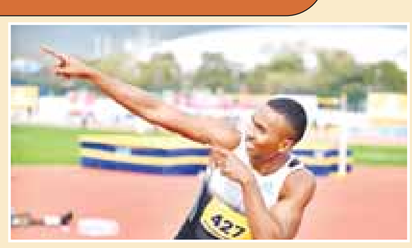

तेजिंदरपाल और समरदीप फाइनल के लिए क्वालिफाई

भारतीय एथलीट तेजिंदरपाल सिंह तूर और समरदीप सिंह गिल ने बुधवार को राष्ट्रमंडल खेलों 2026 की शॉट पुट स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में जगह बना ली है। आज यहां हुए मुकाबले में तेजिंदरपाल ने अपने दूसरे प्रयास में 20.14 मीटर की दूरी तक गोला फेंका और 20 मीटर के ऑटोमैटिक क्वालिफ़िकेशन मार्क को पार करते हुए फाइनल में जगह बनाई। न्यूजीलैंड के निक वॉल्श 21.03 मीटर के थ्रो के साथ क्वालिफ़ाइंग में शीर्ष पर रहे, जिससे यह साबित होता है कि वे इस इवेंट को जीतने के लिए सबसे बड़े दावेदार क्यों हैं। भारतीय एथलीट गिल 19.95 मीटर के थ्रो के साथ पांचवें स्थान पर रहते हुए फाइनल मुकाबले के लिए क्वालीफाई किया।

गिल बने वनडे के नंबर वन बल्लेबाज

दुबई (वार्ता)। टेस्ट और एकदिवसीय टीम कप्तान शुभमन गिल जुलाई महीने में इंग्लैंड के खिलाफ तीन वनडे मेचों में 188 रन बनाने के बाद आईसीसी बल्लेबाजी रैंकिंग में फिर से नंबर वन बल्लेबाज बन गये है। यह उनके करियर में तीसरी बार है, जब उन्होंने इस सूची में शीर्ष स्थान हासिल किया है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ओर से जारी ताजा रैंकिंग रिपोर्ट के अनुसार पांच मैचों की सीरीज के बाद विल यंग (तीन स्थान की छलांग लगाकर संयुक्त 38वें), शरफेन रदरफोर्ड (13 स्थान ऊपर चढ़कर 45वें) और टॉम लैथम (पांच स्थान ऊपर जाकर 46वें) ने भी सुधार किया। हालांकि सबसे बड़ी छलांग नामीबिया के बर्नार्ड शॉल्ट्ज़ ने लगाई। उन्होंने सीडब्ल्यूसी लीग-2 के मुक़ाबलों में नीदरलैंड्स के खिलाफ 10 ओवर में 21 रन देकर एक विकेट और नेपाल के खिलाफ 10 ओवर में सिर्फ़ 14 रन दिए और कोई विकेट नहीं लिया।

शेयर बाजारों में तेजी
सेंसेक्स 889 अंक मजबूत

मुंबई (वार्ता)

चौतरफा लिवाली के बीच घरेलू शेयर बाजारों में बुधवार को तेजी रही और बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 889 अंक ऊपर बंद हुआ। सेंसेक्स की शुरुआत 658 अंक की शुरुआत के साथ 77,424 अंक पर हुई और दिन भर यह मजबूत रहा। एक समय यह 1,000 अंक चढ़ गया था। अंत में 888.68 अंक (1.16 प्रतिशत) की बढ़त के साथ 77,654.60 अंक पर पहुंच बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक भी 264.85 अंक यानी 1.1 प्रतिशत ऊपर 24,250.20 अंक पर बंद हुआ। वृहत बाजार में भी तेजी रही। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.63 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 1.48 प्रतिशत ऊपर बंद हुए। रियल्टी और ऑटो को छोड़कर सभी सेक्टरों में तेजी रही। निफ्टी आईटी सूचकांक 2.32 फीसदी और निफ्टी मेटल 2.31 फीसदी चढ़ गये। एफएमसीजी, वित्त, मीडिया, फार्मा और स्वास्थ्य समूहों के सूचकांक एक प्रतिशत से अधिक मजबूत हुए। एनएसई में जिन 3,441 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ उनमें से 2,129 के शेयर हरे निशान में और 1,181 के लाल निशान में रहे। अन्य 131 कंपनियों के शेयर दिन भर के उतार-चढ़ाव के बाद अपरिवर्तित रहे। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से 24 के शेयरों में तेजी रही। हिंदुस्तान यूनीलिवर का शेयर 4.70 प्रतिशत चढ़ गया। इंफोसिस में 4.50 प्रतिशत, ट्रेंट में 2.56 प्रतिशत, एलएंडटी में 2.55 और टाटा स्टील तथा भारती एयरटेल दोनों में 2.52 प्रतिशत की तेजी रही। टीसीएस का शेयर 1.99 प्रतिशत, एचसीएल टेक्नोलॉजीज का 1.86, एचडीएफसी बैंक का 1.74, कोटक महिंद्रा बैंक का 1.27, इटरनल का 1.22, एक्सिस बैंक का 1.03 मारुति सुजुकी का एक प्रतिशत की बढ़त में बंद हुआ। एशियन पेंट्स, आईसीआईसीआई बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, सनफार्मा, टेक महिंद्रा, आईटीसी और बजाज फाइनेंस के शेयर भी ऊपर रहे। अडानी पोर्ट्स 3.19 प्रतिशत और महिंद्रा एंड महिंद्रा 1.51 प्रतिशत के नुकसान में रही। पावरग्रिड और बीईएल के शेयर भी नीचे बंद हुए। वैश्विक स्तर पर एशिया में हांगकांग का हैंग सेंग 1.96 प्रतिशत और चीन का शंघाई कंपोजिट 0.40 प्रतिशत की बढ़त में रहे। जापान का निक्केई 1.49 फीसदी टूट गया। यूरोपीय बाजारों में शुरुआती कारोबार में जर्मनी का डैक्स 0.03 प्रतिशत और ब्रिटेन का एफटीएसई 0.08 प्रतिशत ऊपर था।

एशियन पेंट्स का मुनाफा 40 प्रतिशत बढ़ा

मुंबई (वार्ता)

पेंट बनाने वाली दिग्गज कंपनी एशियन पेंट्स को चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में समेकित आधार पर 1,539 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ है जो एक साल पहले की तुलना में 40 प्रतिशत अधिक है। कंपनी के निदेशक मंडल की बुधवार को हुई बैठक में वित्तीय परिणामों को मंजूरी दी गयी। इसके अनुसार, अप्रैल-जून तिमाही में कंपनी की कुल बिक्री 18 प्रतिशत बढ़कर 10,521 करोड़

रुपये हो गयी। उसका परिचालन लाभ 2,169 करोड़ रुपये दर्ज किया गया जो 34 प्रतिशत अधिक है। मुनाफा बढ़ने का मुख्य कारण पश्चिम एशिया संकट के कारण तैयार माल की इनवेंटरी के दाम बढ़ना रहा। इससे कंपनी को 598 करोड़ रुपये का फायदा हुआ जबकि पिछले वित्त वर्ष की पहली तिमाही में इस मद में 201 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ था। हालांकि कच्चे माल की लागत भी 4,004 करोड़ रुपये से बढ़कर 5,449 करोड़ रुपये पर पहुंच गयी। कंपनी की प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि मिस्र, संयुक्त अरब अमीरात, ओमान, नेपाल और बांग्लादेश में अच्छे प्रदर्शन के कारण उसका अंतरराष्ट्रीय कारोबार 27 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 937 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। स्थिर मुद्रा के आधार पर विदेश में बिक्री में 20 प्रतिशत का उछाल आया जबकि कर पूर्व लाभ में 95 प्रतिशत का जबरदस्त उछाल देखा गया और यह 74 करोड़ रुपये दर्ज किया गया। एशियन पेंट्स के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी अमित सिंगले ने कहा कि अनिश्चितता भरे माहौल के बीच कंपनी का प्रदर्शन उसकी नवाचार आधारित रणनीति, उपभोक्ताओं के साथ गहरा जुड़ाव और बाजार में मजबूत पकड़ को प्रतिबिंबित करता है।

संस्कृति-आधारित यात्रा बनी भारतीयों की पहली पसंद

नयी दिल्ली (वार्ता)। भारतीय यात्री अब दर्शनीय स्थलों की सैर से इतर स्थानीय विरासत, परंपराओं, खानपान, त्योहारों और समाज को करीब से जानने के लिए यात्रा पर जाना अधिक पसंद कर रहे हैं। वैश्विक ट्रैवल ऐप स्काईस्कैनर ने द इंडिया कल्चर ट्रैवल इंडेक्स नामक नयी रिपोर्ट में कहा है कि देश में संस्कृति-आधारित पर्यटन की लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है। रिपोर्ट तैयार करने के लिए कराये गये सर्वेक्षण में 84 प्रतिशत प्रतिभागियों ने कहा कि वे संस्कृति आधारित यात्रा करना चाहते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, विरासत और ऐतिहासिक स्थल संस्कृति-आधारित यात्रा के सबसे बड़े आकर्षण बने हुए हैं। सैंतालीस प्रतिशत भारतीय यात्रियों ने कहा कि वे अपनी यात्रा की योजना ऐतिहासिक और विरासत स्थलों के आधार पर बनाना पसंद करेंगे। केरल, राजस्थान और उत्तराखंड देश के प्रमुख सांस्कृतिक पर्यटन स्थलों में शामिल हैं, जो देश की स्थापत्य कला, ऐतिहासिक समुदायों और जीवंत परंपराओं के प्रति बढ़ती रुचि को दर्शाते हैं।

देश में धन-सम्पति सृजन करने वालों की 360 वन सूची में पहले तीन स्थान पर अडानी,अंबानी ,सुनील भारती मित्तल

मुंबई, (वार्ता)

देश में धन-सम्पत्ति का सृजन करने वाली हस्तियों और घरानों में धन-सम्पत्ति प्रबंधन कंपनी 360 वन की वर्ष 2026 की रिपोर्ट के अनुसार इस समय देश में गौतम अडानी एवं परिवार 9,08,178 करोड़ रुपये की सम्पत्ति के साथ प्रथम स्थान पर, मुकेश धीरूभाई अंबानी एवं परिवार 8,93,622 करोड़ रुपये की सम्पत्ति के साथ दूसरे और सुनील भारती मित्तल एवं परिवार 4,96,687 करोड़ रुपये की सम्पत्ति के साथ तीसरे स्थान पर है।

फर्म की ओर से बुधवार को जारी रिपोर्ट - 360 वन वेल्थ क्रिएटर्स लिस्ट-2026 में ऐसे 3,040 व्यक्तियों को शामिल किया गया है, जिनकी कुल संपत्ति 104 लाख करोड़ रुपये है। सूची में 425 करोड़ रुपये या उससे ऊपर की सम्पत्ति वालों को स्थान दिया गया है और इसे देश में धन-सम्पत्ति का सृजन करने वाले लोगों का अब तक का सबसे व्यापक मानचित्रण बताया गया है। फर्म 360 वन 7.76 लाख करोड़ रुपये (82 अरब डॉलर से अधिक) की परिसंपत्तियों का प्रबंधन करती । 360 वन ने क्रिसिल इंटेलीजेंस के सहयोग से यह रिपोर्ट तैयार की है। कंपनी की एक विज्ञप्ति में इस अध्ययन रिपोर्ट के हवाले से बताया गया है कि शीर्ष 100 कारोबारी परिवारों की कुल संपत्ति 76.5 लाख करोड़ रुपये है। सूची में शामिल शीर्ष 10 परिवार कुल संपत्ति पर 49 प्रतिशत नियंत्रित करते हैं। अंबानी परिवार के उत्तराधिकारी - अनंत अंबानी, ईशा अंबानी और आकाश अंबानी - लगातार शीर्ष तीन स्थानों पर बने हुए हैं। तीनों की व्यक्तिगत संपत्ति 2.75 लाख करोड़ रुपये से अधिक है। मुंबई भारत की संपत्ति राजधानी बनी हुई है। यहां 802 धन सृजक हैं, जो सूची की कुल संपत्ति का 38.4 प्रतिशत नियंत्रित करते हैं। औद्योगिक समूह सबसे बड़े क्षेत्र के रूप में उभरे हैं। इस क्षेत्र के 30 व्यक्तियों के पास कुल संपत्ति का 14.6 प्रतिशत हिस्सा है और प्रति व्यक्ति औसत संपत्ति लगभग50,000 करोड़ रुपये है। फार्मास्यूटिकल्स क्षेत्र के 273 व्यक्तियों के पास 11.3 प्रतिशत संपत्ति है। सूची में वित्तीय सेवाओं के 291 व्यक्तियों के पास 7.9 प्रतिशत संपत्ति पायी गयी है। जहां पारंपरिक क्षेत्रों का कुल संपत्ति में 83 प्रतिशत योगदान है, वहीं नए क्षेत्रों का योगदान 15.5 प्रतिशत तक पहुंच चुका है, जो भारत की नई अर्थव्यवस्था के निरंतर विस्तार का संकेत देता है। शीर्ष पांच शहर मिलकर सूची की कुल संपत्ति का लगभग 70.2 प्रतिशत प्रतिनिधित्व करते हैं। मुंबई ङ्क कुल संपत्ति का 38.4 प्रतिशत, अहमदाबाद 8.7 प्रतिशत, बेंगलुरु 8.1 प्रतिशत हिस्सा है। इसके बाद नई दिल्ली और गुरुग्राम का स्थान है। अहमदाबाद की संपत्ति मुख्य रूप से औद्योगिक समूहों और फार्मास्यूटिकल्स पर आधारित है, जबकि बेंगलुरु की पहचान प्रौद्योगिकी और इंजीनियरिंग क्षेत्र से जुड़ी है। सूची में शामिल व्यक्तियों की आयु 7 से 96 वर्ष के बीच है और मध्य आयु 57 वर्ष है। सूची में 1,696 नाम पहली पीढ़ी के उद्यमी, 1,290 विरासत आधारित उद्यमी, उत्तराधिकारी एवं व्यवसाय संचालक हैं। आयु के हिसाब से 285 व्यक्ति 40 वर्ष से कम आयु के 141 व्यक्ति 80 वर्ष से अधिक आयु के हैं। सम्पत्ति सृजन करने वालों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ रही है। 360 वन की 2026 की सूची में 738 महिलाएं शामिल हैं, जिनके पास कुल संपत्ति का 22.6 प्रतिशत हिस्सा है। 40 वर्ष से कम आयु की 51 महिलाओं की औसत संपत्ति 6,542 करोड़ रुपये है। सूची के 183 डॉलर अरबपतियों में से 47 महिलाएं हैं। विज्ञप्ति में कहा गया है कि यह देश में महिलाओं के नेतृत्व में उभरती नई संपत्ति निर्माण क्षमता को दर्शाता है। 360 वन के संस्थापक, प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी करण भगत ने कहा भारत में संपत्ति निर्माण की अनेक कहानियां एक साथ विभिन्न शहरों, उद्योगों और पीढ़ियों में विकसित हो रही हैं। यह रिपोर्ट इन सभी कहानियों को एक मंच पर लाती है ताकि दुनिया भारत की उद्यमशीलता की पूरी तस्वीर देख सके। 360 वन के लिए इन उद्यमियों को समझना, उनकी सोच और उनके लक्ष्यों को जानना ही हमें उनका विश्वसनीय भागीदार बनाता है। इस अध्ययन रिपोर्ट के लिए सार्वजनिक रूप से उपलब्ध 10,000 से अधिक सूचीबद्ध एवं गैर-सूचीबद्ध भारतीय कंपनियों की वार्षिक रिपोर्ट और फाइलिंग, विलय एवं अधिग्रहण, हिस्सेदारी बिक्री और इक्विटी निवेश से संबंधित लेन-देन का विश्लेषण तथा विभिन्न सार्वजनिक एवं द्वितीयक स्रोतों से प्राप्त डेटा का शामिल किया गया है।

मध्यप्रदेश में बाघों का कुनबा निरंतर बढ़ रहा : डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ने वन्य जीव संरक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वालों का किया सम्मान

भोपाल (स्वतंत्र मत)।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भारतीय संस्कृति में प्रकृति और सभी वन्यजीवों के प्रति उदारता की भाव समाहित है। हमारे देवी-देवताओं के वाहन भी अलग-अलग जीवों से जुड़ते हैं। जंगल का राजा बाघ शक्ति की देवी मां दुर्गा का वाहन है। प्रदेश में बाघ, चीता, घड़ियाल, हाथी और जंगली भैंसे सहित अन्य वन्यजीवों के संरक्षण की दिशा में अनेक महत्वपूर्ण कार्य हुए हैं। इसी का परिणाम है कि प्रदेश में बाघों का कुनबा तेजी से बढ़ रहा है और मध्यप्रदेश को टाइगर स्टेट का दर्जा हासिल है। प्रदेश में 53 साल पहले बाघों की संख्या दहाई के आंकड़े में सिमटी हुई थी। वर्ष 2016 में बाघों की संख्या लगभग 250 हो गई। वर्ष 2022 की गणना में प्रदेश में 785 बाघ हो गए। अगले साल नई गणना में बाघों की संख्या 1000 से अधिक होने का अनुमान है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश में समृद्ध जैव विरासत का स्वर्णिम और सुगम काल निरंतर जारी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस पर आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम को कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में संबोधित कर रहे थे।

कान्हा क्षेत्र की घास प्रजातियों पर केन्द्रित पुस्तक का हुआ विमोचन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्जवलित कर राज्य स्तरीय कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने वन्य जीव संरक्षण गतिविधियों पर केंद्रित प्रदर्शनी का उद्घाटन कर अवलोकन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वन्यजीव संरक्षण के लिये प्राप्त वाहनों का लोकार्पण भी किया। कार्यक्रम में स्कूल कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने बाघ संरक्षण पर केंद्रित नृत्य नाटिका प्रस्तुत की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विभागीय प्रकाशनों के अंतर्गत सतपुड़ा की तितलियों पर केन्द्रित पुस्तक फ्लटरिंग ज्वेल्स ऑफ सतपुड़ा, कान्हा क्षेत्र की घास प्रजातियों पर केन्द्रित पुस्तक, पिक्टोरियल हरबेरियम ऑफ कान्हा ग्रासेस, वन्यजीवन रेस्क्यू संकलन, बेस्ट प्रैक्टिसेस ऑफ वाईल्ड लाईफ कन्जर्वेशन इन मध्यप्रदेश और बॉयोडायवर्सिटी ऑफ वाईल्ड मशरूम्स इन पेंच टाइगर रिजर्व आदि का विमोचन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रातापानी टाइगर रिजर्व और वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व के लोगो का भी विमोचन किया।

मुख्यमंत्री ने एक जन-एक पत्ती अभियान में की भागीदारी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सतपुड़ा टाइगर रिजर्व में बारहसिंघा को पुनः बसाने पर केन्द्रित वृत्त चित्र और कान्हा टाइगर रिजर्व में टाइगर रिवाइल्डिंग पर केन्द्रित वृत्त चित्रों के टीजर रिलीज किये। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राज्य वन्य प्राणी बोर्ड के पद्मश्री अवार्ड से सम्मानित सदस्यों डॉ. नारायण व्यास और श्री मोहन नागर का अभिनन्दन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वन्य जीव सरंक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली वन सुरक्षा समितियों, ईको विकास समिति, ग्राम वन समिति और वन कर्मियों को पुरस्कार भी प्रदान किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व द्वारा जनभागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए आरंभ किए गए एक जन-एक पत्ती - जनभागीदारी, संरक्षण की शक्ति अभियान में भाग लिया। इसके अंतर्गत उन्होंने पत्ती के आकार की छोटी-कच्ची सिरेमिक टाइल पर बाघ का चेहरा उकेरा। इस प्रकार की टाइल को पकाकर विभिन्न रंगों में विकसित किया जाता है। इन्हीं टाइलों से वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व के हिनोती पर्यटन द्वार को सजाया जाएगा।

यह गतिविधि जनभागीदारी से वन और वन्य जीवन संरक्षण के प्रति सामूहिक प्रतिबद्धता का प्रतीक बनेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को पेंच टाइगर रिजर्व के कलाकारों ने कढाईदार शॉल भेंट किया।

घड़ियाल संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस और गुरु पूर्णिमा की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश बाघ संरक्षण के क्षेत्र में अपने सफल प्रयासों और अटूट प्रतिबद्धता के कारण देशभर में विशिष्ट पहचान रखता है। बाघ हमारे समृद्ध वनों, जैव विविधिता और पर्यावरणीय संतुलन के प्रतीक हैं। राज्य सरकार जनभागीदारी से प्रकृति और वन्यजीव संरक्षण के लिए संकल्पित हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि चंबल एशिया में सबसे स्वच्छ जल की नदी है। यहां घड़ियाल संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास किए गए हैं। कूनो क्षेत्र की नदियों में भी घड़ियाल छोड़े गए हैं। मध्यप्रदेश में 100 वर्ष पहले विलुप्त हो चुके जंगली भैंसे का पुनर्वसाहट का काम सफलतापूर्वक किया गया है।

हाथियों के संकट से मिली मुक्ति

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दो वर्ष पहले तक हाथियों के कारण डरावने संदेश आते थे। वन विभाग ने आधुनिक तकनीक और नवाचारी प्रयासों से हाथियों के संकट से मुक्ति दिलवाई है। प्रदेश में बहुत जल्द गैंडे भी लाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश को समृद्ध जैव विविधता विरासत में मिली है। वन विभाग ने वन प्रबंधन में अपने अधिकारियों-कर्मचारियों के साथ वन समितियों, स्थानीय ग्रामीणों को साथ जोड़कर प्रदेश को वन्य जीव संरक्षण में नई ऊंचाईयां प्रदान की हैं।

प्रदेश में प्रतिवर्ष आते हैं 28 लाख वन्य जीव पर्यटक

प्रधान मुख्य वन संरक्षक वन्यजीव समिता राजौरा ने कहा कि रुस में लिए गए संकल्प के बाद वर्ष 2011 से लगातार 29 जुलाई को अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस मनाया जा रहा है। बाघों के संरक्षण में मध्यप्रदेश का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। राज्य सरकार सभी वन्यजीवों के संरक्षण का प्रण लेकर आगे बढ़ रही है। प्रदेश में प्रतिवर्ष 28 लाख वन्य जीव पर्यटक आते हैं, जिनमें 1 लाख विदेशी भी शामिल होते हैं। प्रदेश के सभी 9 टाइगर रिजर्व्स में वर्तमान में बाघ संरक्षण से जुड़ी विभिन्न गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। बाघ संरक्षण अभियान में वन समितियां और स्थानीय लोगों का भी विशेष योगदान है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश बाघों के साथ सभी वन्य जीवों का संरक्षण हो रहा है। बाघ बचेंगे तो हमारे जंगल बचेंगे।

मध्यप्रदेश का नाम देश-दुनिया में रोशन हो रहा है

प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख शुभरंजन सेन ने कहा कि मध्यप्रदेश टाइगर स्टेट है। प्रदेश में बाघ और वन्य प्राणियो के संरक्षण का गौरवशाली इतिहास है। मध्यप्रदेश अब चीता स्टेट और लैपर्ड स्टेट भी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नेतृत्व में वन्य जीवों के संरक्षण की दिशा में अनेक महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। उन्होंने नए टाइगर रिजर्व की स्थापना और प्रदेश के इकलौते कंजर्वेशन रिजर्व का भी गठन किया है। वन्यजीव संरक्षण में मध्यप्रदेश का नाम देश-दुनिया में रोशन हो रहा है। कार्यक्रम में प्रमुख सचिव वन राघवेन्द्र सिंह, वन विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, वन समितियों के सदस्य तथा बड़ी संख्या में विद्यार्थी और वन और वन्य जीवों में रूचि रखने वाले उपस्थित थे।

गुरु पूर्णिमा पर आस्था का उमड़ा सैलाब

अजबधाम, गायत्री शक्तिपीठ, पीताम्बरा पीठ सहित विभिन्न स्थलों पर गुरु पूजन, पादुका पूजन और भंडारे का आयोजन

हटा (स्वतंत्र मत)। गुरु पूर्णिमा का पावन पर्व बुधवार को नगर एवं आसपास के क्षेत्रों में श्रद्धा, आस्था और भक्तिभाव के साथ मनाया गया। विभिन्न धार्मिक स्थलोंए आश्रमों और विद्वान आचार्यों के आवासों पर गुरु पूजनए पादुका पूजन, आरती, भजन कीर्तन, प्रसाद वितरण एवं गुरु वंदना के कार्यक्रम आयोजित किए गए।

श्रद्धालुओं ने अपने गुरुजनों का पूजन कर दान-दक्षिणा अर्पित की और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। गुरु पूर्णिमा का प्रमुख आयोजन अजबधाम में संपन्न हुआए जहां जै.जै सरकार की पावन पादुकाओं का पूजन एवं आरती छोटे सरकार महंत रामनुग्रह दास जी के सान्निध्य में हुई। महाआरती के पश्चात श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। इसके बाद छोटे सरकार का गुरु पूजन संपन्न हुआ। नगर के गायत्री शक्तिपीठ में युगऋषि पं. श्रीराम शर्मा आचार्य के गुरु पूजन का विशेष आयोजन किया गया। गायत्री महायज्ञ के उपरांत विशाल भंडारे में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

वहीं पीताम्बरा पीठ में ब्रह्मलीन संत गयाप्रसाद नायक श्बाबूजीश् की पादुकाओं का वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधिविधान से पूजन किया गया।

चंडीजी मंदिर में वीरेंद्र शास्त्री के सान्निध्य में गुरु पूजन समारोह आयोजित हुआ। इसके अलावा शशि दुबे, वीरेंद्र शास्त्री, लक्ष्मीकांत तथा पंडित सुरेश पाण्डेय सहित अन्य विद्वान आचार्यों के निवासों पर भी उनके शिष्यों ने श्रद्धापूर्वक गुरु पूजन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। सभी स्थानों पर श्रद्धालुओं के लिए भोग प्रसाद की व्यवस्था रही।

दिनभर नगर में धार्मिक वातावरण बना रहा। मंदिरों और आश्रमों में श्रद्धालुओं की आवाजाही लगी रही तथा गुरु वंदना, भजन-कीर्तन और सत्संग के माध्यम से गुरु-शिष्य परंपरा का गौरवपूर्ण संदेश दिया गया। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर पूरे क्षेत्र में श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक उल्लास का वातावरण देखने को मिला।

राग मेघ से वर्षा के सौंदर्य को सुरों में पिरोया, नृत्य रूपों में गुरु की वंदना

132 वाँ मृदंगाचार्य पण्डित नाना साहेब पानसे स्मृति गुरु पूर्णिमा संगीत समारोह की प्रातरूकालीन संगीत सभा

दमोह (स्वतंत्र मत)। उस्ताद अलाउद्दीन खाँ संगीत एवं कला अकादमी मध्यप्रदेश शासन संस्कृति विभाग द्वारा जिला प्रशासन दमोह एवं उत्थान साहित्यिकए सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्था ग्राम बकायन जिला दमोह के सहयोग से 132 वाँ मृदंगाचार्य पण्डित नाना साहेब पानसे स्मृति गुरु पूर्णिमा संगीत समारोह का शुभारंभ बुधवार की शाम को ग्राम बकायन जिला दमोह में हुआ। शुभारंभ से पूर्व प्रातरूकालीन संगीत सभा के अंतर्गत नृत्य एवं गायन की प्रस्तुतियां हुईं। इसमें सबसे पहले सुश्री हृदयांशी केतकर, ग्वालियर का कथक नृत्य हुआ। उन्होंने पहली प्रस्तुति में शिव रुद्राष्टकम प्रस्तुत किया गया। जिस प्रकार हमारे हिंदू सनातन सभ्यता में किसी भी शुभ कार्य की शुरुआत भगवान का स्मरण कर उनकी पूजा आराधना के साथ होती है उसी तरह शिव रुद्राष्टकम के माध्यम से भगवान शिव की आराधना करके प्रस्तुति का आरंभ हुआ जिसके बोल नमामि शमीशान निर्वाण रूप थे। दूसरी प्रस्तुति में जयपुर घराने का पारंपरिक नृत्य प्रस्तुत किया गयाए जिसमें कथक का तकनीकी पक्ष था। तीन ताल में आमद, उठान, कायदे, तोड़े, परण, कवित्त एवं तिहाईयां शामिल थीं। अंतिम प्रस्तुति पारंपरिक ठुमरी की रही जिसके बोल रोके डगरिया थाड़ो थे। इसमें कथक के भाव पक्ष को दिखाया।

अगली प्रस्तुति सुश्री श्रद्धा जैनए भोपाल के शास्त्रीय गायन की रही। उन्होंने अपने गायन के लिए मौसम के दृष्टिगत राग मेघ को चुना। वर्षा ऋतु में गाये जाने वाले इस अति मधुर राग में उन्होंने बड़ा खयाल एक ताल से शुरुआत कीए जिसके बोल थे बदरवा बरसे बिजुरी चमके थे।

दो डंपर की आमने-सामने से सीधी टक्कर

दमोह (स्वतंत्र मत)। बटियागढ़-हटा मार्ग पर बेलखेड़ी गांव के पास बुधवार सुबह करीब 9 बजे दो डंपरों की आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे में एक डंपर क्षतिग्रस्त हो गया और चालक घायल हो गया। उसे 112 की मदद से बटियागढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया।

हादसे के बाद कुछ समय के लिए मार्ग पर जाम की स्थिति बनी रही। डंपर चालक सीताराम पटेल ने बताया कि वह बक्सवाहा स्थित क्रेशर से गिट्टी भरकर हटा की ओर जा रहा था। दूसरा डंपर खाली होकर हटा से बक्सवाहा की तरफ जा रहा था। पटेल का आरोप है कि बेलखेड़ी के पास दूसरे डंपर के चालक ने लापरवाही से वाहन चलाते हुए सामने से टक्कर मार दी। हादसे के समय तेज बारिश भी हो रही थी।

टक्कर इतनी जोरदार थी कि एक डंपर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। दोनों डंपर चालकों को मामूली चोटें आईं। घायल चालक को 112 की मदद से बटियागढ़ सीएचसी ले जाया गया, जहां उसका प्राथमिक उपचार किया जा रहा है। घटना की सूचना बटियागढ़ थाना पुलिस को दे दी गई है।

गुरु पूर्णिमा पर केंद्रीय विद्यालय हटा में मां सरस्वती प्रतिमा का अनावरण

हटा (स्वतंत्र मत)। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर केंद्रीय विद्यालय हटा में मॉ सरस्वती की प्रतिमा का विधिवत अनावरण एवं पूजन श्रद्धा एवं गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि हटा विधायक श्रीमती उमादेवी खटीक रहीं। इस अवसर पर भाजपा नगर मंडल हटा के अध्यक्ष सौरभ नेमा, भोले सराफ, महिला नेत्री रीना कोरी, श्वेता श्रीवास्तव सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। इसके पश्चात माँ सरस्वती का पूजन एवं प्रतिमा का अनावरण किया गया।

विद्यालय के विद्यार्थियों ने सरस्वती वंदना एवं स्वागत गीत प्रस्तुत कर अतिथियों का भावपूर्ण स्वागत किया। अपने संबोधन में विधायक श्रीमती उमा देवी खटीक ने विद्यालय की प्रगति की सराहना करते हुए शिक्षा के क्षेत्र में हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया।

समाज, देशहित, परोपकार ही सच्ची गुरु दक्षिणा : आशा

हटा (स्वतंत्र मत)।

राघवेंद्र सिंह हजारी शासकीय महाविद्यालय हटा में भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ द्वारा गुरु पूर्णिमा पर्व का आयोजन किया गया। आयोजन की शुरुआत सरस्वती पूजन एवं वंदना से हुई।

कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य मुकेश कुमार अहिरवार ने की। मुख्य अतिथि के रूप में हटा क्षेत्र के टीआई सुधीर कुमार बेगी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि एवं समस्त स्टाफका पुष्पगुच्छ एवं श्रीफल से विद्यार्थियों द्वारा सम्मान किया गया। इस अवसर पर कुछ विद्यार्थियों के अभिभावक भी उपस्थित रहे जिनका प्राचार्य द्वारा पुष्पगुच्छ से स्वागत किया। प्राचार्य मुकेश अहिरवार द्वारा विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा गया कि आज हम इंटरनेट की दुनिया में जी रहे हैं और गूगल को अपना गुरु मान बैठे हैं। लेकिन यह सही नहीं है। गुरु का स्थान कोई नहीं ले सकता। मानव जीवन में गुरु का अपना महत्व है। टीआई ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा की संघर्ष से ही व्यक्ति सफलता प्राप्त करता है बाहरी दिखावा व्यक्ति की पहचान नहीं है। आपके माता पिता ने आपके लिए जो सपने देखे हैं उसे हमेशा याद रखो। एकमात्र शिक्षा ही वह साधन है जो आपके जीवन को सफल बना सकता है। नशा मुक्ति पर बात करते हुए उन्होंने कहा की नशा व्यक्ति को बर्बाद कर देता है। उससे खुद दूर रहो और समाज को भी जागरुक करो। भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ प्रभारी श्रीमती आशा राठौर ने विद्यार्थियों का स्वागत एवं अभिनंदन करते हुए कहा महाविद्यालय में प्रवेश लेने के साथ ही यह महाविद्यालय आपका हो गया है।

स्कूल के छात्र को बदमाशों ने कटर मारकर घायल किया

दमोह (स्वतंत्र मत)। मिशन स्कूल के 11वीं के छात्र आदर्श परिहार पर दो बदमाशों ने कटर से जानलेवा हमला कर दिया। हमले में छात्र का हाथ कट गया और वह घायल हो गया। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए जबकि साथी छात्र घायल आदर्श को तुरंत जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। घटना कोतवाली थाना क्षेत्र के धर्म कांटे के पास शाम करीब 4 बजे की है। पीड़ित छात्र आदर्श परिहार और उसके साथी चेतन सोनी ने बताया कि स्कूल की छुट्टी के बाद वे सड़क किनारे खड़े होकर पढ़ाई की चर्चा कर रहे थे। तभी बाइक से आए दो युवकों ने बेवजह घूरने का आरोप लगाते हुए विवाद शुरू कर दिया। विवाद बढ़ाते हुए एक आरोपी ने कटर सेहमला किया। आदर्श ने बचाव में हाथ आगे किया जिससे कटर उसकी हथेली पर लगा और गहरा घाव हो गया। साथियों के बीच बचाव करने पर हमलावर कटर मौके पर ही छोड़कर भाग निकले। घटना की जानकारी मिलते ही कोतवाली टीआई मनीष कुमार जिला अस्पताल पहुंचे और घायल छात्र का बयान दर्ज किया। टीआई ने बताया कि छात्र की हालत फिलहाल स्थिर और खतरे से बाहर है। पुलिस को कुछ संदिग्धों के नाम मिले हैं जिनकी तलाश में टीमें लगा दी गई हैं और जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

डिग्री के साथ विद्यार्थियों को औद्योगिक प्रशिक्षण का अवसर दे रहा एईडीपी

84 विद्यार्थियों का प्रतिष्ठित कंपनियों में चयन, अंतिम वर्ष में स्टाइपेंड के साथ अप्रेंटिसशिप

भोपाल (स्वतंत्र मत)। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप मध्यप्रदेश में संचालित अप्रेंटिसशिप एम्बेडेड डिग्री प्रोग्राम (एईडीपी) स्नातक विद्यार्थियों के लिए रोजगारोन्मुखी उच्च शिक्षा का प्रभावी माध्यम बनकर उभर रहा है। कार्यक्रम के पहले बैच के 84 विद्यार्थियों का विभिन्न प्रतिष्ठित कंपनियों में अप्रेंटिसशिप के लिए चयन हुआ है। वहीं वर्तमान शैक्षणिक सत्र 2026-27 में एईडीपी के अंतर्गत 3500 से अधिक विद्यार्थी प्रवेश ले चुके हैं। प्रवेश प्रक्रिया के पूर्ण होने तक यह संख्या लगभग 5000 तक पहुंचने की संभावना है।

डिग्री के साथ मिलेगा औद्योगिक प्रशिक्षण

एईडीपी के अंतर्गत विद्यार्थियों को नियमित स्नातक पाठ्यक्रम के साथ उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप कौशल आधारित प्रशिक्षण दिया जाता है। पहले दो वर्षों में विषय आधारित अध्ययन के साथ व्यावहारिक दक्षताओं का विकास किया जाता है, जबकि अंतिम वर्ष में विद्यार्थियों को संबंधित उद्योगों में अप्रेंटिसशिप के लिए भेजा जाता है।

इस दौरान वे वास्तविक कार्यस्थल पर प्रशिक्षण प्राप्त करते हैं, नियमानुसार स्टाइपेंड प्राप्त करते हैं तथा उद्योग में उनके प्रदर्शन के आधार पर अंतिम वर्ष का मूल्यांकन किया जाता है। इससे स्नातक उपाधि के साथ औद्योगिक अनुभव भी प्राप्त होता है।

पहले बैच ने दिखाई कार्यक्रम की उपयोगिता

वर्ष 2024 में एईडीपी में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थी अब विभिन्न उद्योगों में अप्रेंटिसशिप के लिए चयनित हो रहे हैं। हाल ही में

आयोजित चयन प्रक्रिया में 84 विद्यार्थियों का विभिन्न क्षेत्रों की अग्रणी कंपनियों में चयन हुआ। रिटेल ऑपरेशंस के 21 विद्यार्थियों का चयन लोटस इलेक्ट्रॉनिक्स में हुआ। लॉजिस्टिक्स क्षेत्र के 38 विद्यार्थियों का चयन कैरीफास्ट लॉजिस्टिक्स, मोज़ेक ग्रुप, लुसेन और टीमवर्क्स ने किया।

मानव संसाधन संचालन (एचआर ऑपरेशंस) के 13 विद्यार्थियों का चयन टेक्नोटास्क, ताज होटल और विक्रम सीमेंट्स में हुआ, जबकि बीएफएसआई (बैंकिंग, वित्तीय सेवाएं एवं बीमा) क्षेत्र के 12 विद्यार्थियों का चयन फिनोदय तथा मुथूट समूह की कंपनियों में किया गया। चयनित विद्यार्थियों को 10 हजार से 17 हजार रुपये प्रतिमाह तक स्टाइपेंड मिलेगा।

110 विद्यार्थियों के साक्षात्कार इस सप्ताह

उद्योगों के साथ समन्वय को और विस्तार देते हुए इस सप्ताह लगभग 110 विद्यार्थियों के साक्षात्कार विभिन्न सहभागी कंपनियों में आयोजित किए जा रहे हैं। जिन विश्वविद्यालयों में स्नातक द्वितीय वर्ष के परीक्षा परिणाम घोषित होने शेष हैं, वहां परिणाम जारी होने के बाद पात्र विद्यार्थियों के लिए चरणबद्ध तरीके से चयन प्रक्रिया आयोजित की जाएगी।

बढ़ रहा विद्यार्थियों का रुझान

एईडीपी के प्रति विद्यार्थियों का विश्वास लगातार बढ़ रहा है। शैक्षणिक सत्र 2024-25 में प्रवेश लेने वाले 963 विद्यार्थी वर्ष 2026 में अप्रेंटिसशिप के लिए पात्र हुए हैं। इसके बाद 2025-26 में कार्यक्रम के अंतर्गत 4513 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया। वर्तमान प्रवेश सत्र में अब तक 3500 से अधिक विद्यार्थी प्रवेश ले चुके हैं और विभाग को उम्मीद है कि प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण होने तक यह संख्या लगभग 5000 तक पहुंच जाएगी।

विद्यार्थियों की पहली पसंद बना एईडीपी

अप्रेंटिसशिप एम्बेडेड डिग्री प्रोग्राम (एईडीपी) की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें स्नातक की पढ़ाई को उद्योगों की आवश्यकताओं से जोड़ा गया है। पहले दो वर्षों में विद्यार्थियों को नियमित पाठ्यक्रम के साथ कौशल आधारित प्रशिक्षण दिया जाता है, जबकि अंतिम वर्ष उद्योगों में अप्रेंटिसशिप के लिए निर्धारित है। इस दौरान विद्यार्थियों को वास्तविक कार्यस्थल पर प्रशिक्षण, उद्योग विशेषज्ञों के साथ काम करने का अवसर, नियमानुसार स्टाइपेंड तथा उद्योग में प्रदर्शन के आधार पर मूल्यांकन की सुविधा मिलती है। इससे स्नातक उपाधि के साथ कार्यानुभव भी प्राप्त होता है, जिससे रोजगार की संभावनाएं और मजबूत होती हैं।

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्र. 11 नगर निगम जबलपुर
पत्र क्र./ सं.क्र.11/26-27
दिनांक 29/7/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री गोपाल स्वामी पिता श्री रामा स्वामी ने वार्ड क्रमांक 67 वार्ड का नाम रानी अवंती बाई के भवन क्रमांक फ्लैट नं. ए-बी5 ईश्वतम टाईप गार्डन बिला संपत्ति के पिन क्रमांक 9000233453 से नया पिन पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल जिस पर निर्मित पांचवीं मंजिल 2128 आरसीसी जिस पर निम्न दस्तावेज विक्रय पत्र के आधार पर नगर निगम में दर्ज श्री मनीष ग्रोवर पिता स्व. चरन जीत लाल ग्रोवर का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-11
नगर निगम, जबलपुर

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री सुरेंन्द्र सिंह चंदेल पिता श्री जगदीश सिंह चंदेल, निवासी ग्राम दौनी,पोस्ट कटंगी, तहसील पाटन,जिला जबलपुर(म.प्र.) के नाम से ग्राम कुसली, थाना कटंगी, जिला जबलपुर (म.प्र.) में आरा मशीन संचालित की जा रही थी। उक्त आरा मशीन एवं उससे संबंधित अधिकार श्री सुरेंद्र सिंह चंदेल एवं उनके भाई श्री वीरेन्द्र सिंह चंदेल पिता श्री जगदीश सिंह चंदेल, निवासी ग्राम दौनी,पोस्ट कटंगी, तहसील पाटन, जिला जबलपुर(म.प्र.) के मध्य हुए पारिवारिक बंटवारे/ कबूलियत नामा के अनुसार श्री वारेन्द्र सिंह चंदेल के हिस्से में प्राप्त हुए हैं। अतः उक्त पारिवारिक बंटवारे के फलस्वरूप ग्राम कुसली, थाना कटंगी, जिला जबलपुर स्थित उक्त आरा मशीन के संबंध में पूर्व से दर्ज/ प्रचलित श्री सुरेंद्र सिंह चंदेल के नाम के स्थान पर श्री वीरेन्द्र सिंह चंदेल का नाम संबंधित अभिलेखों में दर्ज/स्थानांतरित कराया जाना प्रस्तावित है। यदि उक्त आरा मशीन अथवा उसके स्वामित्व, अधिकार, संचालन, अनुज्ञप्ति/लाइसेंस अथवा नाम परिवर्तन के संबंध में किसी व्यक्ति, संस्था अथवा अन्य पक्षकार को कोई दावा, आपत्ति, हित अथवा अधिकार हो तो वह इस जाहिर सूचना के प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस के भीतर अपने दावे/आपत्ति के समर्थन में समस्त दस्तावेजों सहित अधोहस्ताक्षरी के समक्ष प्रस्तुत करे। निर्धारित अवधि में कोई दावा अथवा आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर श्री वीरेंद्र सिंह चंदेल के नाम पर संबधित अभिलेखों में नामांतरण/स्थानांतरण की कार्यवाही की जाएगी तथा निर्धारित अवधि के पश्चात प्राप्त किसी भी दावे अथवा आपत्ति पर विचार नहीं किया जाएगा। जबलपुर दिनांक-30.07.2026 भवदीय

श्री वीरेंद्र सिंह चंदेल
पिता-श्री जगदीश सिंह चंदेल
निवासी- ग्राम दौनी, पोस्ट कटंगी,तहसील पाटन, जिला जबलपुर(म.प्र.) मो.-9893102731
वास्ते-प्रवीण पटेल,अधिवक्ता मो.-7089417777

उड़न उस्ता दल ने शुरु की जांच

टोल प्लाजा पर फ्लाइंग स्क्वाड ने पकड़ा 35 क्विंटल गुड़

जबलपुर (स्वतंत्र मत) । सिहोरा में कृषि उपज मंडी समिति के उडऩ्दस्ता दल ने आज सुबह नेशनल हाईवे-30 स्थित मोहतरा टोल प्लाजा के पास कार्रवाई की। टीम ने बिना वैध दस्तावेजों के ले जाए जा रहे 35 क्विंटल गुड़ को जब्त किया है। वाहन चालक के खिलाफ मंडी अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर कुल 16,287 की राशि जमा कराई गई। उडऩ्दस्ता दल ने सुबह करीब 9 बजे वाहन को जांच के लिए रोका। जांच के दौरान वाहन में 35 क्विंटल गुड़ लदा मिला। चालक के पास मंडी अधिनियम के तहत आवश्यक दस्तावेज नहीं थे. टीम ने इसे मंडी अधिनियम, 1972 की धारा 19(6) का उल्लंघन माना।

1 अगस्त से शुरू होगी, यात्रियों को मिलेगी दक्षिण भारत की सुविधा

प्रयागराज-तिरुनेलवेली स्पेशल ट्रेन जबलपुर होकर चलेगी

जबलपुर (स्वतंत्र मत) । यात्रियों की भारी भीड़ को देखते हुए रेलवे प्रशासन प्रयागराज और तिरुनेलवेली के बीच विशेष ट्रेन चलाएगा। रेलवे बोर्ड की मंजूरी के बाद गाड़ी संख्या 04171/04172 प्रयागराज-तिरुनेलवेली-प्रयागराज स्पेशल 1 अगस्त से मध्य प्रदेश के सतना, कटनी, जबलपुर, इटारसी जंक्शन से होकर संचालित की जाएगी। रेलवे के अनुसार, गाड़ी संख्या 04171 प्रयागराज-तिरुनेलवेली स्पेशल 1 अगस्त से 22 अगस्त तक प्रत्येक शनिवार को कुल चार फेरे लगाएगी। वहीं, वापसी में गाड़ी संख्या 04172 तिरुनेलवेली-प्रयागराज स्पेशल 3 अगस्त से 24 अगस्त तक प्रत्येक सोमवार को चार ट्रिप संचालित होगी।

पति-पत्नी की वास्तविक आय और खर्च का आकलन किए बिना तय नहीं हो सकता मेंटेनेंस

उच्च न्यायालय ने भरण पोषण से जुड़े मामले में सुनाया अहम फैसला

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने भरण-पोषण (मेंटेनेंस) से जुड़े मामलों में एक अहम फैसला सुनाते हुए स्पष्ट किया है कि पति और पत्नी दोनों की वास्तविक आय, संपत्ति, मासिक खर्च और वित्तीय देनदारियों का सही मूल्यांकन किए बिना भरण-पोषण की राशि तय नहीं की जा सकती.न्यायमूर्ति द्वारिकाधीश बंसल की एकलपीठ ने दमोह फैमिली कोर्ट द्वारा पति को 15 हजार रुपये प्रतिमाह भरण-पोषण देने के पारित आदेश को निरस्त कर दिया। इसके साथ ही मामले को नए सिरे से सुनवाई के लिए वापस भेजते हुए प्रदेश की सभी फैमिली कोर्टों और संबंधित अदालतों के लिए कड़े दिशा-निर्देश जारी किए हैं।

जानकारी अनुसार मामला दमोह निवासी शैलेन्द्र राय द्वारा दायर याचिका से जुड़ा है। याचिकाकर्ता ने 16 जुलाई 2025 को फैमिली कोर्ट द्वारा पारित उस आदेश को हाई कोर्ट में चुनौती दी थी, जिसमें दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 125 के तहत उनकी पत्नी प्रगति राय को 15 हजार रुपये प्रतिमाह भरण-पोषण देने का निर्देश दिया गया था। पति का कहना था कि उसकी शुद्ध मासिक आय केवल 29,134 रुपये है, जबकि फैमिली कोर्ट ने उसकी वास्तविक आय और वित्तीय दायित्वों का उचित मूल्यांकन किए बिना लगभग आधी आय के बराबर भरण-पोषण तय कर दिया। सुनवाई के दौरान हाई कोर्ट ने पाया कि सुप्रीम कोर्ट के रजनीश बनाम नेहा (2021) मामले में निर्धारित दिशा-निर्देशों का पालन नहीं किया गया था। सर्वोच्च न्यायालय ने इस निर्णय में स्पष्ट किया था कि भरण-पोषण तय करने से पहले दोनों पक्षों की आय, संपत्ति, देनदारियों और खर्च का विस्तृत वित्तीय शपथपत्र रिकॉर्ड पर होना अनिवार्य है। हालांकि इस मामले में आदेश-पत्र में शपथपत्र दाखिल होने का उल्लेख था, लेकिन रिकॉर्ड पर आवश्यक वित्तीय शपथपत्र उपलब्ध नहीं पाया गया। हाई कोर्ट ने कहा कि भरण-पोषण की राशि तय करते समय केवल अनुमान या एक पक्ष के दावों के आधार पर निर्णय नहीं लिया जा सकता। न्यायालय के अनुसार पति और पत्नी दोनों की वास्तविक आर्थिक स्थिति, आय के स्रोत, संपत्ति, पारिवारिक जिम्मेदारियां तथा अन्य वित्तीय दायित्वों का समग्र मूल्यांकन करना आवश्यक है, ताकि न्यायसंगत और संतुलित आदेश पारित किया जा सके।

जारी किए महत्वपूर्ण प्रशासनिक निर्देश

हालांकि हाई कोर्ट ने फैमिली कोर्ट का आदेश निरस्त कर मामला पुन: सुनवाई के लिए भेज दिया, लेकिन यह भी स्पष्ट किया कि नई सुनवाई पूरी होने तक पति को 15 हजार रुपये प्रतिमाह भरण-पोषण की राशि देना जारी रखना होगा। अदालत ने यह भी उल्लेख किया कि पति ने भी अपने वित्तीय विवरण का अनिवार्य शपथपत्र समय पर प्रस्तुत नहीं किया था, इसलिए अंतरिम व्यवस्था को जारी रखना उचित होगा। अपने आदेश में हाई कोर्ट ने प्रदेश की सभी फैमिली कोर्टों और भरण-पोषण मामलों की सुनवाई करने वाली अदालतों के लिए महत्वपूर्ण प्रशासनिक निर्देश भी जारी किए। अदालत ने कहा कि भविष्य में प्रत्येक अंतरिम और अंतिम भरण-पोषण आदेश के पहले पैराग्राफ में स्पष्ट रूप से उल्लेख किया जाए कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा रजनीश बनाम नेहा मामले में जारी दिशा-निर्देशों का पालन किया गया है या नहीं। इससे यह सुनिश्चित होगा कि सभी मामलों में वित्तीय तथ्यों का समुचित परीक्षण करने के बाद ही भरण-पोषण की राशि निर्धारित की जा। हाई कोर्ट के इस फैसले को भरण-पोषण संबंधी मामलों में एक महत्वपूर्ण न्यायिक मार्गदर्शन माना जा रहा है। इससे भविष्य में फैमिली कोर्टों को दोनों पक्षों की वास्तविक आर्थिक स्थिति का निष्पक्ष मूल्यांकन करने के बाद ही मेंटेनेंस तय करना होगा, जिससे न्यायिक प्रक्रिया अधिक पारदर्शी, संतुलित और विधिसम्मत बन सकेगी।

व्यस्तम बाजार में गिरी जर्जर इमारत

कुछ देर पहले ही बाहर आए थे मजदूर

चार महीने पहले खाली कराई थी दुकान

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

शहर के व्यस्त फुहारा क्षेत्र स्थित मच्छरहाई मार्केट में बुधवार को एक जर्जर इमारत अचानक भरभराकर गिर गई। राहत की बात यह रही कि इमारत में मरम्मत कार्य कर रहे मजदूर समय रहते बाहर निकल आए, जिससे बड़ा हादसा टल गया। घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। पिछले 24 घंटे में जर्जर निर्माण गिरने का यह दूसरा और इस बारिश के मौसम का चौथा मामला है। जानकारी के अनुसार यतीन जैन की पुरानी इमारत की पिछले चार महीनों से मरम्मत चल रही थी। निर्माण कार्य के दौरान मजदूर इमारत के अंदर काम कर रहे थे। इसी दौरान भवन से अचानक चटकने की आवाज आने लगी, जिससे वहां मौजूद लोगों को खतरे का अंदेशा हुआ। आवाज सुनते ही मजदूरों और आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत इमारत खाली कर दी। सभी के बाहर निकलने के करीब पांच मिनट बाद पूरी इमारत ताश के पत्तों की तरह ढह गई। भवन गिरने से पूरे इलाके में तेज धमाके की आवाज आई और अफरा-तफरी मच गई।

हो सकता था बड़ा हादसा

शहर में बारिश के चलते जर्जर इमारत पर अतिरिक्त दबाव पड़ रहा था। स्थानीय निवायिों ने बताया कि यदि मजदूर समय रहते बाहर नहीं निकलते तो बड़ा हादसा हो सकता था। उन्होंने बताया कि राहत की बात यह रही कि इमारत में संचालित दुकानें पहले ही खाली करा ली गई थीं। फुहारा क्षेत्र में लगातार जर्जर भवन गिरने की घटनाओं के बाद नगर निगम की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे हैं। कुछ दिन पहले भी इसी क्षेत्र में एक भवन गिरने के बाद निगम ने जर्जर इमारतों को चिन्हित करने की कार्रवाई की थी। इसके बावजूद एक और भवन के धराशायी होने से लोगों में नाराजगी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि नगर निगम समय रहते खतरनाक और जर्जर भवनों की पहचान कर आवश्यक कार्रवाई नहीं करता, तो भविष्य में बड़े हादसों से इंकार नहीं किया जा सकता।

शराब के लिये रुपये न देने पर युवक को पीटा

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

माढ़ोताल पुलिस ने बतायध कि करमेता बजरंग नगर निवासी 29 वर्षीय अभिषेक मिश्रा अनमोल वाटिका में वॉसिंग सेंटर चलाता है। बीती रात करीब साढ़े बजे वह अपने साथी आशु तिवारी को छोडऩे दीनदयाल बस स्टैण्ड गया था। जहां पर अनमोल जैन व आकाश उर्फ छोटू पटेल मिले, जो कि कहने लगे कि आजकल तेरा वासिंग सेंटर बहुत चल रहा है, हमें शराब पीने के लिये दो हजार रुपये दो। अभिषेक ने रुपये देने से मना किया तो दोनों ने गालीगलौज करते हुए हाथ, मुक्कों से मारपीट करते हुए चोटे पहुंचा दी और जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गये। शिकायत पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर मामले को विवेचना में लिया है।

हितकारिणी चिल्ड्रन्स एकेडमी, देवताल में श्रद्धा एवं उल्लास के साथ मनाई गई गुरु पूर्णिमा

नवनिर्मित नर्सरी कक्षा एवं वाटर कूलर का हुआ लोकार्पण

अभिभावकों का किया गया सम्मान

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

भारतीय संस्कृति में गुरु का स्थान सर्वोच्च माना गया है। इसी गौरवशाली परंपरा को साकार करते हुए हितकारिणी चिल्ड्रन्स एकेडमी, देवताल में गुरु पूर्णिमा का पावन पर्व अत्यंत श्रद्धा, उत्साह एवं गरिमामय वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती एवं गुरुओं के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। इसके उपरांत विद्यालय की नवनिर्मित नर्सरी कक्षा का उद्घाटन किया गया। साथ ही विद्यार्थियों को स्वच्छ एवं शीतल पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से स्थापित वाटर कूलर का भी शुभारंभ अतिथियों के करकमलों द्वारा किया गया। नर्सरी के नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों ने रंग-बिरंगी वेशभूषा में गुरु वंदना, मनमोहक नृत्य, गीत एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ देकर उपस्थित सभी अतिथियों एवं अभिभावकों का मन मोह लिया।

बच्चों की मासूम अभिव्यक्तियों और आत्मविश्वासपूर्ण प्रस्तुतियों ने पूरे वातावरण को आनंद एवं उत्साह से भर दिया। उपस्थित अभिभावकों ने बच्चों की प्रतिभा की मुक्तकंठ से सराहना की और विद्यालय के प्रयासों की प्रशंसा की।

कार्यक्रम का सबसे भावपूर्ण एवं प्रेरणादायी क्षण वह रहा, जब नर्सरी के विद्यार्थियों के अभिभावकों का सम्मान किया गया। विद्यालय परिवार ने यह संदेश दिया कि माता-पिता ही प्रत्येक बच्चे के प्रथम गुरु होते हैं। बालक के व्यक्तित्व निर्माण, संस्कारों की स्थापना तथा जीवन मूल्यों के विकास की पहली पाठशाला उसका परिवार होता है। इसी भावना को सम्मान देते हुए सभी अभिभावकों का पुष्पगुच्छ एवं स्मृति-चिह्न भेंट कर अभिनंदन किया गया।

इस अवसर पर विद्यापरिषद के संयोजक राजीव श्रीवास्तव, पुनीत दुग्गल, गीतिका खत्री प्राचार्य तृप्ति नारंग तथा हितकारिणी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के प्राचार्य रजनीश श्रीवास्तव की विशेष उपस्थिति रही।

मनीष मिश्रा एक बार फिर बने जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष

कड़े मुकाबले में 165 मतों से नरेंद्र जैन को हराया

ढ़ोल-नगाड़ों के साथ अधिवक्ताओं ने मनाया जश्न

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

जिला अधिवक्ता संघ चुनाव में अध्यक्ष पद पर एक बार फिर मनीष मिश्रा ने शानदार जीत दर्ज करते हुए अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी नरेंद्र जैन को 165 मतों के अंतर से पराजित कर दिया। बुधवार को संपन्न हुई मतगणना में मनीष मिश्रा को 1188 मत मिले, जबकि नरेंद्र जैन को 1023 मत प्राप्त हुए। परिणाम घोषित होते ही समर्थकों में उत्साह का माहौल बन गया और जीत का जश्न शुरू हो गया। बुधवार सुबह निर्धारित समय पर मतगणना शुरू हुई। शुरुआती चरण में मनीष मिश्रा और नरेंद्र जैन के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिली, लेकिन जैसे-जैसे मतगणना आगे बढ़ी, मनीष मिश्रा ने लगातार बढ़त बनाकर मुकाबले को अपने पक्ष में कर लिया। अध्यक्ष पद की दौड़ में ज्योति राय को 307, एच.आर. नायडू को 93, अभय शुक्ला को 27 और व्ही.पी. सिंह को 15 मत मिले। इस दौरान 15 मत अवैध घोषित किए गए। मनीष मिश्रा के अध्यक्ष निर्वाचित होने के बाद जिला न्यायलय परिसर में विजय जुलूस निकाला गया। गुरु पूर्णिमा पर हनुमान जी गुरु महाराज के दरबार में पूजा पाठ के कर आशीर्वाद लिया गया।मेलोडी टॉफी बांटी गई।

शैलेन्द्र सिंह ठाकुर बने सचिव

सचिव पद के लिए भी दावेदारों में कांटे की टक्कर देखी गई। जिसमें शैलेन्द्र सिंह ठाकुर, पूर्व में सचिव रहे ज्ञान प्रकाश त्रिपाठी के बीच कड़ा मुकाबला रहा। मतगणना शुरु होने के बाद से ही शैलेन्द्र सिंह ठाकुर ने बढ़त बना कर रखी। मतगणना के अंत में शैलेन्द्र सिंह ठाकुर ने सर्वाधिक 902 वोट हासिल कर सचिव पद के लिए विजयी हुए। ज्ञान प्रकाश त्रिपाठी को 721 मत प्राप्त हुए। शैलेन्द्र सिंह ठाकुर के वियजी होने पर समर्थकों में भारी उत्साह देखा गया। जीत की घोषण होते ही समर्थकों ने मिठाई बांटकर जीत की खुसी मनाई।

मोबाईल पर फर्नीचर का सौदा करना पड़ा महंगा

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। एमपीईबी के रिटायर्ड एसई को अज्ञात नंबर से आये फोन पर फर्नीचर का सौदा करना काफी महंगा पड़ा। जालसाज ने खुद को सीआरपीएफ का जवान बताते हुए ट्रांसफर का हवाला देकर अर्जेंट फर्नीचर बेचने का झांसा देकर पीड़ित से तीस हजार रुपये ऐंठ लिये। शंका होने के बाद पीड़ित ने मामले की शिकायत लार्डगंज थाने में दर्ज करायी।पुलिस ने बताया कि यादव कालोनी निवासी 64 वर्षीय सुधीर खरे एमपीईबी से एसई के पद से सेवानिवृत्त है। 25 जुलाई की शाम जब वे घर पर थे, उसी समय उनके मोबाईल पर अज्ञात नंबर से फोन आया। जिसने कहा कि मैं सीआरपीएफ से हूॅ, मेरा ट्रांसफर जबलपुर से जम्मू कश्मीर हो गया है, मेरे घर का फर्नीचर जो मैने तीन माह पहले खरीदा था फर्नीचर बेचना चाह रहा हॅू। उक्त व्यक्ति ने फर्नीचर की फोटो श्री खरे के व्हाटसएप पर भेजी उसने उक्त व्यक्ति से बातचीत कर फर्नीचर का 70 हजार रूपये में सौदा तय किया।

3 माह की मासूम त्रिशा को मिली नई जिंदगी

राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम से मुंबई में सफल हृदय सर्जरी

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम और आयुष्मान भारत योजना के समन्वित प्रयासों से जबलपुर जिले की 3 माह की मासूम बालिका त्रिशा विश्वकर्मा को नया जीवन मिला है। हृदय रोग से गंभीर रूप से ग्रसित बालिका की मुंबई स्थित नारायणा हृदयालय अस्पताल में सफल और पूरी तरह नि:शुल्क सर्जरी की गई है। त्वरित प्रशासनिक पहल से मिला समय पर इलाजसाइंस कॉलेज बस्ती (पचपेड़ी, जबलपुर) के निवासी प्रदीप कुमार की 3 वर्षीय बालिका त्रिशा के जन्मजात हृदय रोग से ग्रसित होने की जानकारी जैसे ही जिला प्रारंभिक हस्तक्षेप केंद्र को मिली, उन्होंने बिना देरी किए मामला वरिष्ठ अधिकारियों के संज्ञान में लाया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी एवं सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक डॉ. नवीन कोठारी के निर्देशों के पालन में के जिला नोडल अधिकारी डॉ. अमजद खान एवं जिला प्रबंधक की टीम ने तत्परता से प्रक्रिया शुरू की। परिजनों की सहमति प्राप्त कर बालिका को तुरंत उच्च स्तरीय इलाज के लिए नारायणा हृदयालय, मुंबई रेफर किया गया।20 जुलाई को हुई सफल सर्जरीमुंबई स्थित नारायणा हृदयालय में 20 जुलाई 2026 को आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत मासूम की ओपन हार्ट सर्जरी सफलतापूर्वक संपन्न हुई।

South Avenue Mall | moviemagic | RUBY moviemagic

RUBY ANNIVERSARY OFFER

20% OFF* ON FOOD & BEVERAGES AT RUBY | TILL 31ST JULY

The cheapest thing at the mall is your parking. Parking for just ₹1

SPIDER-MAN: BRAND NEW DAY (HINDI/ENG)	3D HINDI - 1:00 PM | 2D HINDI - 7:10 AM 3D ENGLISH - 10:00 AM, 4:00 PM, 7:00 PM & 10:00 PM RUBY 2D HINDI - 11:40 AM & 5:00 PM RUBY 2D ENGLISH - 9:00 AM, 2:20 PM, 7:40 PM & RUBY 10:20 PM
BHAI TERA STAR HAI (HINDI)	12:40 PM & 6:35 PM
DHAMAAL 4 (HINDI)	9:45 AM, 11:30 AM, 2:10 PM, 3:30 PM, 5:00 PM, 7:40 PM, 9:20 PM & 10:20 PM
JAN NETA (HIN)	RUBY 11:45 AM, 3:00 PM, 6:20 PM & 9:40 PM

Bulk Booking / Advertising 9425807507 | Movie Magic, South Avenue Mall, Narmada Road 9425807508

हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक- राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक- सुबोध दुबे, सम्पादक- राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी। ई-मेल-**smatjbp1@ gmail.com,** फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2026-28, **RNI No. 64561/96.**